खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-346

# PVNR मौत का कुआँ!

अंधे मोड़, उबड़-खाबड़ रोड, लापरवाही, सीमा से अधिक तेज गति तो कारण है ही, पी. वी नरसिम्हाराव एक्सप्रेस वे (पीवीएनआर) पर आये दिन घट रही सड़क दुर्घटनाओं के लिए इसका डिजाइन भी बहुत हद तक जिम्मेदार है। गौरतलब है कि पिछले सोमवार और मंगलवार को मात्र 12 घंटे के भीतर दो दुर्घटनाओं में जहाँ एक वाहन डिवाइडर से टकराया, वहीं तीन वाहन एक के पीछे एक भिड़ गये थे, जिसके कारण यातायात काफी देर तक अवरुद्ध रहा और यहाँ से गुजरने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ज्ञातव्य है कि इस एक्सप्रेस वे का इस्तेमाल ज्यादातर राजीव गाँधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शमशाबाद जाने-आने वाले लोग ही करते हैं। 2025 के दौरान एक दर्जन से ज्यादा सडक दुर्घटनाओं का होना अपने आप में चिंता की बड़ी बात हैं। विशेष ध्यान देने वाली बात यह भी हैं कि मेंहदीपट्टनम से शमशाबाद तक लोगों को शीघ्र पहुँचाने में सहायक इस एक्सप्रेस वे पर सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। प्रवेश/निकासी और कुछ महत्वपूर्ण जगहों पर कैमरे तो लगे हैं, लेकिन इन्हें लेकर अक्सर यह शिकायत रहती है कि ये कैमरे पूरे यात्रा मार्ग को कवर नहीं करते । इसके चलते दुर्घटना की स्थिति में जाँचकर्ता असली वजह या गुनहगार तक नहीं पहुँच पाते हैं।

पीवीएनआर एक्सप्रेस वे पर गत् सोमवार रात करीब 10.30 बजे, पिलर नंबर 112 के पास तीन कारें आपस में टकरा गईं। बताया गया कि मुख्य मार्ग पर एक वाहन के खराब होकर रुकने के कारण यह हादसा हुआ। गुडीमलकापुर पुलिस अधिकारी ने कहा, 'किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दुर्घटना के कारण यातायात बाधित हुआ। कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।'

वहीं, मंगलवार सुबह करीब 7 बजे राजेंद्रनगर पुलिस सीमा के पिलर नंबर 270 के पास एक कार डिवाइडर से जा टकराई। राजेंद्रनगर ट्रैफिक इंस्पेक्टर सीएच राजू ने कहा, 'तेज रफ्तार के कारण चालक ने डिवाइडर पर गाड़ी चढ़ा दी। इसमें कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन वाहन क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया।'

2025 के आँकड़े और सुरक्षा ऑडिट की अनदेखी के चलते ये घटनाएँ उन दुर्घटनाओं की सूची में शामिल हैं जो इस चार लेन वाले एक्सप्रेस वे पर हर साल होती हैं।

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 2025 में अब तक इस 11 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड वे पर कम से कम 13 दुर्घटनाएँ दर्ज की गई हैं, जिनमें चार घातक और नौ गैर-घातक शामिल हैं।

सुरक्षा ऑडिट का लागू न होना, खराब डिजाइन, ढीली प्रवर्तन व्यवस्था और तेज रफ्तार इस एक्सप्रेस वे को एक 'डेथ ट्रैप' (मौत का जाल) बना रही है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि तेज रफ्तार ही दुर्घटनाओं का प्राथमिक कारण है। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 'साइबराबाद सीमा में गति सीमा 80 किमी प्रति घंटा है, लेकिन कई वाहन इससे अधिक गति से चलते हैं। जब कोई वाहन मुख्य सड़क पर अचानक रुक जाता है, तो टक्कर अनिवार्य हो जाती है, क्योंकि वहाँ केवल दो लेन हैं और बचने के लिए जगह बहुत कम है।'

हालांकि पुलिस स्पीड गन का उपयोग करके इस खंड पर रोजाना 200 से अधिक ओवरस्पीडिंग के मामले दर्ज करती है।

## सिफारिशें और अधिकारियों की सुस्ती

केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (CRRI) द्वारा 2013 में किए गए सुरक्षा मूल्यांकन में तेज रफ्तार को बड़े जोखिम के रूप में चिन्हित किया गया था और कड़े गति नियंत्रण उपायों की सिफारिश की गई थी। इसमें रंबल स्ट्रिप्स की स्थापना, स्पीड गन का उपयोग और भारी जुर्माने की बात कही गई थी। अन्य सिफारिशों में ट्रैफिक कामिंग, मीडियन सीलिंग, बेहतर साइनेज और स्मार्ट ट्रैफिक तकनीक का उपयोग शामिल था। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि प्रवर्तन और इंजीनियरिंग हस्तक्षेप अभी भी खराब हैं। ट्रैफिक पुलिस ने एक्सप्रेस वे पर सीसीटीवी कैमरों की कमी की ओर भी इशारा किया है। वहीं, एचएमडीए (HMDA) ने सीआरआरआई की रिपोर्ट पर कार्रवाई न करने की बात स्वीकार की है। एक्सप्रेस वे के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधीक्षक अभियंता मोहम्मद यूसुफ हुसैन ने कहा, ''CRRI की रिपोर्ट अस्पष्ट थी। इसलिए हमने आईआईटी (IIT) को प्रश्न भेजे हैं। वहाँ से प्रतिक्रिया मिलने के बाद हम काम शुरू करेंगे।''

## खराब डिजाइन बढ़ाता है जोखिम

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि संरचना का डिजाइन और इसका उपयोग जोखिम को बढ़ाता है। 'इंडियन फेडरेशन ऑफ रोड सेफ्टी' के सीईओ विनोद कामुला ने एक अंग्रेजी अखबार से कहा था कि इस एक्सप्रेस वे को शुरुआत में ही उच्च जोखिम वाली सड़क के रूप में पहचाना गया था। उन्होंने कहा, डिजाइन अपने आप में चुनौतियां पेश करता है। एक्सप्रेस वे पुराने शहर के सरेखण से गुजरता है, जिसमें कई मोड़ हैं। ऐसे 'एस' आकार के मोड़ों पर तेज गति से नियंत्रण खोने की संभावना बढ़ जाती है। सबसे बुरा हिस्सा यह है कि अब इसे कोई बदल नहीं सकता। यहाँ तक कि एक विशेषज्ञ चालक भी ऐसे खराब डिजाइन वाले एक्सप्रेस वे पर दुर्घटना का शिकार हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि तीन से चार स्थान ऐसे हैं जहाँ दृश्यता (Visibility) कम हो जाती है, खासकर जहाँ सड़क ऊपर या नीचे की ओर ढलान पर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्पीड कंट्रोल सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। सड़क सुरक्षा लेखक नरेश राघवन ने बताया कि एक्सप्रेस वे का डिजाइन चार लेन का है, लेकिन इसमें 'शोल्डर' (आपातकालीन लेन) नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर कोई वाहन खराब हो जाए या अचानक रुक जाए तो किनारे हटने की जगह नहीं है। उच्च गति पर यह खतरनाक हो जाता है।''

# वीबी-जी-राम-जी विधेयक पारित

**नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के बीच विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी -जी राम-जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025 पारित किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा का स्थान लेने वाले वीबी-जी-राम-जी विधेयक पर बुधवार मध्यरात्रि तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से महिला, युवा, गरीबों की जिंदगी बदलने का काम कर बापू के ▶10 पर

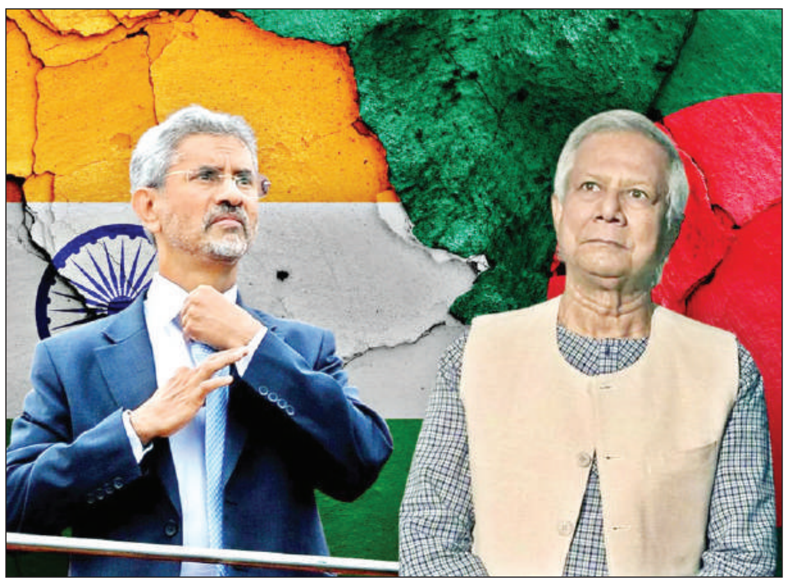

# भारत ने बांग्लादेश में अस्थायी तौर पर बंद किया वीजा केंद्र, उच्चायुक्त को किया तलब

**ढाका, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश में दिनों-दिन हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचार और बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच भारत ने एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ढाका में मौजूद अपने वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। केंद्र ने एक बयान में बताया कि आईवीएसी ने जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) स्थित अपने कार्यालय को बांग्लादेश के मौजूदा सुरक्षा हालातों के मद्देनजर फिलहाल अस्थायी तौर पर बंद करने का निर्णय लिया है। सार्वजनिक सूचना के तहत कार्यालय को बंद कर दिया जाएगा।

इधर, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब कर ढाका में चरमपंथियों द्वारा भारतीय मिशन के आसपास संकट पैदा करने की साजिश का ऐलान करने को लेकर गंभीर चिंता जताई है। इस संबंध में मंत्रालय ने एक बयान भी जारी किया है। गौरतलब है कि ये समूचा प्रकरण एक ऐसे समय में सामने आया है। जब बीते दिनों अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश में मौजूद भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा भारत की धरती से बांग्लादेश के खिलाफ दिए जा रहे भड़काऊ बयानों को लेकर चिंता जताई थी। बता दें कि पिछले साल उग्र छात्र आंदोलन की वजह से देश छोड़ने पर मजबूर हुई तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद से पड़ोसी देश के जमीनी हालात ठीक नहीं है। हालांकि वहां पर मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। जो कि चरमपंथियों तत्वों पर नकेल कसने में असफल साबित हुई है। बीते दिनों इसी अंतरिम सरकार के निर्देश पर बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण (आईसीजे) ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ छात्र प्रदर्शनों के दौरान की गई कार्यवाही से जुड़े मामले को लेकर मौत की सजा सुनाते हुए भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपेक्षा जताते हुए कहा है कि वो ढाका में मौजूद भारतीय मिशन और कार्यालयों की सुरक्षा को अपने कूटनीतिक दायित्वों के हिसाब से सुनिश्चित करे। हमने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को तलब कर सुरक्षा संबंधी अपनी तमाम चिंताओं से रूबरू कराया है।

## न्यूज ब्रीफ

### म्यांमार में 4.4 तीव्रता का भूकंप फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

**नाएप्यीडॉ (म्यांमार)।** म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी पुष्टि की है। भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। म्यांमार में 11 और 10 दिसंबर को भी भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, म्यांमार में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 26.07 उत्तर अक्षांश और 97.00 पूर्व देशांतर पर था। भूकंप 100 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भू-गर्भीय विज्ञानियों का कहना है कि म्यांमार अपनी लंबी तटरेखा के साथ मध्यम और बड़े भूकंपों और सुनामी से होने वाले खतरों के प्रति संवेदनशील है। केंद्र के अनुसार, 28 मार्च को मध्य म्यांमार में आए 7.7 और 6.4 तीव्रता के भूकंप के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में हजारों विस्थापित लोगों के लिए तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य खतरों की एक श्रृंखला के बारे में चेतावनी दी।

### पुलित्जर विजेता युद्ध संवाददाता पीटर अर्नेट नहीं रहे

**न्यूपोर्ट बीच (कैलिफोर्निया) अमेरिका।** ख्यातिलब्ध युद्ध संवाददाता पीटर अर्नेट नहीं रहे। वैश्विक

पत्रकारिता के सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार विजेता अर्नेट ने न्यूपोर्ट बीच शहर में 91 वर्ष की आयु में बुधवार को अंतिम सांस ली। उन्होंने अपने जीवनकाल में वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तान तक दुनिया को युद्ध की आंखों देखी कहानियां दिखाने के लिए दशकों तक गोलियों और बमों से बचते हुए काम किया। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, अर्नेट ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के लिए वियतनाम युद्ध की कवरेज के लिए 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि अंतिम समय पर उनके आसपास दोस्त और परिवार के लोग थे। प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने के कारण उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने 1962 से 1975 तक युद्ध खत्म होने तक वियतनाम से रिपोर्टिंग की। 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान सीएनएन के लिए लाइव अपडेट प्रसारित करने के बाद वह घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन गए। अर्नेट एपी में इंडोनेशिया के संवाददाता के तौर पर शामिल होने के ठीक एक साल बाद वियतनाम पहुंचे। वह 1975 तक वियतनाम में रहे। अर्नेट 1981 तक एपी के साथ रहे। इसके बाद सीएनएन का हिस्सा बन गए। दस साल बाद वह बगदाद में एक और युद्ध को कवर करने पहुंचे। उन्होंने न केवल अग्रिम मोर्चे की लड़ाई की रिपोर्टिंग की, बल्कि तत्कालीन राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन और ओसामा बिन लादेन के विवादास्पद इंटरव्यू भी किए। आर्नेट ने 1999 में सीएनएन छोड़ दिया। उन्होंने 2003 में एनबीसी और नेशनल ज्योग्राफिक के लिए दूसरे खाड़ी युद्ध को कवर किया। अर्नेट ने ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात और बेल्जियम के स्टेशनों के लिए भी काम किया। 2007 में उन्होंने चीन की शान्तौ यूनिवर्सिटी में जर्नलिज्म पढ़ाने की नौकरी कर ली। 2014 में रिटायरमेंट के बाद वह और उनकी पत्नी, नीना गुयेन, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के फाउंटेन वैली उपनगर में चले गए।

### एफ़ेसस में दुर्लभ रोमन संगमरमर का बाथटब और मूर्ति मिली, रोमन काल के संपन्न परिवारों के टेरेस हाउस का हिस्सा

**इज़मिर।** तुर्किये के ऐतिहासिक शहर एफ़ेसस में चल रहे पुरातात्विक उत्खनन के दौरान रोमन काल का एक दुर्लभ

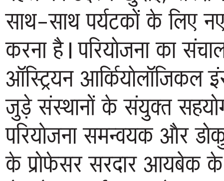

संगमरमर का बाथटब और एक पुरुष की मूर्ति खोजी गई है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल एफ़ेसस में यह खोज इस वर्ष के उत्खनन सत्र के दौरान हुई, जिसकी जानकारी तुर्किये के संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने दी। यह उत्खनन 'हेरिटेज फॉर द फ्यूचर: एंडलेस एफ़ेसस' परियोजना के तहत किया जा रहा है। इस दीर्घकालिक पहल का उद्देश्य खुदाई, संरक्षण और पुनर्स्थापन के साथ-साथ पर्यटकों के लिए नए भ्रमण मार्ग विकसित करना है। परियोजना का संचालन एफ़ेसस संग्रहालय, ऑस्ट्रियन आर्कियोलॉजिकल इंस्टीट्यूट और मंत्रालय से जुड़े संस्थानों के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। परियोजना समन्वयक और डोकुज़ एयलुल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सरदार आयबेक के अनुसार, स्टेडियम स्ट्रीट क्षेत्र में इस वर्ष खास तौर पर महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं। इनमें पहली शताब्दी ईस्वी का माना जा रहा एक सुंदर संगमरमर का बाथटब शामिल है, जो संभवत: रोमन काल के संपन्न परिवारों के आवास 'टेरेस हाउस' का हिस्सा रहा होगा।

# तुर्की में भ्रष्टाचार जांच से हिली सरकार प्रधानमंत्री इरदुगान पर साजिश के आरोप

**अंकारा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

तुर्की में एक बड़े भ्रष्टाचार जांच अभियान ने प्रधानमंत्री रजब तैयब इरदुगान की सरकार को झकझोर कर रख दिया है। हुर्रियत डेली न्यूज के अनुसार, अभियोजक कार्यालय ने तीन स्तरों पर जांच शुरू की है। पहले चरण में निर्माण क्षेत्र के बड़े उद्योगपतियों पर पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों और सलाहकारों को रिश्वत देकर अवैध निर्माण परमिट हासिल करने का आरोप लगाया गया है। दूसरे चरण में फातिह नगर पालिका के अधिकारियों पर कथित रूप से गिरोह के सदस्यों को गैरकानूनी निर्माण अनुमति देने की जांच हो रही है। तीसरे चरण में अज़रबैजानी कारोबारी रेज़ा ज़र्राब के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की जा रही है।

रेज़ा ज़र्राब पर आरोप है कि उसने तुर्की, ईरान और रूस के बीच करोड़ों डॉलर के अवैध लेन-देन के लिए गृह मंत्री के बेटे, इकॉनमी मंत्री के बेटे और सरकारी बैंक हाल्कबैंक के एक वरिष्ठ प्रबंधक को रिश्वत दी। साथ ही उस पर अपने रिश्तेदारों और गिरोह के सदस्यों के लिए अवैध रूप से तुर्की की नागरिकता दिलवाने का भी आरोप है। हालांकि, कुछ सांसदों का कहना है कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं, बल्कि एर्दोआन सरकार को कमजोर करने की साजिश है। सत्तारूढ़ दल समर्थक अखबारों ने अमेरिका में निर्वासन में रह रहे मुस्लिम धर्मगुरु फेतुल्लाह गुलन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पुलिस और न्यायपालिका में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर एर्दोआन की एके पार्टी के खिलाफ अभियान चलाया।

प्रधानमंत्री रजब तैयब इरदुगान ने प्रतिक्रिया में कहा कि 'तुर्की कोई केला गणराज्य नहीं है' और वह किसी भी धमकी या 'गंदी साजिश' के आगे नहीं झुकेंगे। इस जांच के चलते अब तक दर्जनों पुलिस अधिकारी और संगठित अपराध इकाइयों के प्रमुखों को उनके पदों से हटाया जा चुका है।

रजब तैयब इरदुगान 2014 से तुर्की के राष्ट्रपति हैं। वह पहले 2003 से 2014 तक तुर्की के प्रधानमंत्री और 1994 से 1998 तक इस्तांबुल के मेयर के पद पर रह चुके हैं. उन्होंने 2001 में जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एके पार्टी) की स्थापना भी की।

### नस्लवाद विवाद पर फिनलैंड के प्रधानमंत्री ने एशियाई देशों से मांगी माफी

**हेलसिंकी।** फिनलैंड में नस्लवाद से जुड़े एक विवाद के बाद प्रधानमंत्री पेटेरी ओरपो ने एशियाई देशों से औपचारिक रूप से माफी मांगी है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब देश की संसद में शामिल दक्षिणपंथी पार्टी 'फिन्स पार्टी' के कुछ सदस्यों द्वारा एशियाई लोगों के प्रति अपमानजनक इशारों वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गईं। फिनिश मीडिया ने इस मामले को 'स्लैंटेड आइज़' स्कैंडल का नाम दिया है। यह घटना फिन्स पार्टी से जुड़े नेताओं पर नस्लवादी टिप्पणियों और हरकतों के आरोपों की कड़ी में एक और मामला है। प्रधानमंत्री ओरपो, जो नेशनल कोएलिशन पार्टी के नेता हैं और चार दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं, ने चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में स्थित फिनलैंड के दूतावासों के माध्यम से बयान जारी कर खेद जताया। ओरपो ने कहा, 'इस तरह की पोस्ट फिनलैंड के समानता और समावेशन के मूल्यों को नहीं दर्शातीं। हमारी सरकार नस्लवाद को गंभीरता से लेती है और इसके खिलाफ प्रतिबद्ध है।' यह विवाद तब गहराया जब मिस फिनलैंड की विजेता सारा ड्ज़ाफ़्से की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें वह आंखें खींचकर एशियाई लोगों का मज़ाक उड़ाती नजर आईं। बाद में माफी मांगने के बावजूद उनसे उनका खिताब वापस ले लिया गया। इसके विरोध में फिन्स पार्टी के दो सांसदों और एक यूरोपीय संसद सदस्य ने भी इसी तरह की तस्वीरें पोस्ट कीं। राष्ट्रीय एयरलाइन फिनएयर ने कहा कि इस मामले से एशियाई बाजारों में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

# बुर्का-नकाब पर लगेगा ज्ञान का ताला

**डेनमार्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

**यूरोपीय देश डेनमार्क स्कूलों और यूनिवर्सिटी में बुर्का और नकाब जैसे चेहरा ढकने वाले इस्लामी पहनावे पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। डेनमार्क सरकार ने इसके लिए विधेयक लाने की घोषणा की है, जिसे अगले साल फरवरी में संसद में पेश किया जाएगा। यदि यह प्रस्ताव पारित होता है तो देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में बुर्का, नकाब और इसी तरह के चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक लग जाएगी। प्रवासन और एकीकरण मंत्री रासमस स्टोकलुंड ने कहा कि डेनमार्क की कक्षाओं में ऐसे परिधानों की कोई जगह नहीं है जो चेहरा ढकते हों। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर पहले से ही इस तरह के पहनावे पर प्रतिबंध है, इसलिए इसे शैक्षणिक संस्थानों तक बढ़ाना स्वाभाविक कदम है।**

> **स्कूलों और यूनिवर्सिटी में बुर्का-नकाब पर बैन की तैयारी**
>
> **प्रार्थना कक्षों को हटाने पर भी विचार**
>
> **पढ़ना है तो चेहरा दिखाना होगा!**

गौरतलब है कि अगस्त 2018 में डेनमार्क ने सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का और नकाब पर बैन लगाया था, जिसके उल्लंघन पर जुर्माने का प्रावधान है। नए प्रस्ताव को लेकर मानवाधिकार संगठनों और इस्लामिक समूहों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि यह धार्मिक स्वतंत्रता और महिलाओं की व्यक्तिगत पसंद का उल्लंघन है। वहीं, सरकार और समर्थकों का तर्क है कि यह कदम सामाजिक समावेश को बढ़ावा देगा और खासकर प्रवासी पृष्ठभूमि की महिलाओं को सम्मान-आधारित सामाजिक दबाव से मुक्त करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन पहले ही संकेत दे चुकी हैं कि शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध और प्रार्थना कक्षों को हटाने पर भी विचार किया जा सकता है।

## क्या अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडार पर करना चाहता है कब्जा

**वाशिंगटन।** वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका में है। दक्षिण अमेरिका यानी ब्राजील, अर्जेंटीना, चिली जैसे देशों वाला महाद्वीप। वेनेजुएला उसके उत्तर-पूर्व में स्थित है, कोलंबिया के पास, ब्राजील के उत्तर में और इसका उत्तरी हिस्सा कैरिबियन सागर से घिरा है। वेनेजुएला अमेरिका से करीब 3200 किलोमीटर दक्षिण में है। वेनेजुएला भारत के गुजरात-राजस्थान जितना है, लेकिन इसकी जनसंख्या 2.8 करोड़ के आसपास है। ये छोटा-सा देश दुनिया के सबसे पॉवरफल देश अमेरिका से भिड़ रहा है। बता दें इस सबके पीछे इस देश छिपा तेल का खजाना है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार यहीं है। अरब देशों में नहीं, सबसे ज्यादा तेल इस देश में है। तेल निकालने में और उत्पादन में ये देश पीछे है। अमेरिकी नौसेना का गाइडेड मिसाइल विध्वंसक जो 30 अगस्त 2025 को पनामा नहर के प्रवेश द्वार के पास खड़ा है। दक्षिणी कैरिबियन क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बलों की भारी तैनाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला का अमेरिका से पुराना रिश्ता है।

# नेपाल का जेन-जी आंदोलन: आयोग अगले सप्ताह ओली और लेखक के बयान दर्ज करेगा

**काठमांडू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

**नेपाल में आठ और नौ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई तोड़फोड़ और मानव क्षति की जांच के लिए गठित जांच आयोग अगले सप्ताह वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के बयान दर्ज करने की तैयारी में है। कार्यकाल समाप्ति के नजदीक पहुंचने के साथ ही आयोग के पदाधिकारियों ने बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात कर समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। इस दौरान आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के बयान अगले सप्ताह लिए जाएंगे।**

उन्होंने कहा कि आयोग सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के बयान पहले ही दर्ज कर चुका है। कार्की ने कहा कि प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी अधिकारियों के बयान पूरे हो चुके हैं। अब आयोग वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के बयान दर्ज करने और रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा। कार्की के अनुसार, रविवार से राजनीतिक नेताओं को बयान के लिए बुलाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ओली, लेखक और अन्य नेताओं के बयान दर्ज करने के बाद रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए मौजूदा समय अपर्याप्त होगा, इसलिए संशोधित कार्यादेश के तहत अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। कार्की ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि जेन-जी समूह के साथ हुए समझौते के अनुसार अधिकार क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर अभी और काम करना बाकी है, जिससे समय-सीमा बढ़ाना आवश्यक हो गया है।

# बॉन्डी बीच हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया सख्त: नफरत फैलाने वालों पर नए कानून, वीज़ा रद्द करने की शक्ति भी

**सिडनी,18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

**ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने नफरत फैलाने वाले भाषण और 'हेट प्रीचर्स' के खिलाफ कड़े कदम उठाने का ऐलान किया है। संघीय सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि अब धार्मिक उपदेशकों समेत ऐसे लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा, जो समाज में नफरत, हिंसा और विभाजन को बढ़ावा देते हैं। इसके तहत हेट स्पीच कानूनों को और सख्त किया जाएगा तथा ऐसे लोगों के वीज़ा रद्द या अस्वीकृत करने के लिए नई शक्तियां दी जाएंगी।**

प्रधानमंत्री अल्बानीज़ ने गुरुवार को यह घोषणा उस समय की, जब सिडनी में बॉन्डी हमले की सबसे कम उम्र की पीड़िता, 10 वर्षीय मटिल्डा के अंतिम संस्कार में लोग शामिल हुए। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई थी और इसे ऑस्ट्रेलिया के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है।

अल्बानीज़ ने स्वीकार किया कि 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हमास के हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने के लिए और अधिक किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि सरकार अब जिलियन सेगल की यहूदी-विरोध से निपटने की योजना को पूरी तरह अपनाएगी। नई योजना के तहत नफरत फैलाने वाले उपदेशकों और नेताओं के लिए 'एग्रेसिव हेट स्पीच' को अपराध बनाया जाएगा, हिंसा को बढ़ावा देने वाले भाषणों पर कड़ी सज़ा तय की जाएगी और ऑनलाइन धमकी व उत्पीड़न के मामलों में नफरत को सज़ा बढ़ाने का आधार माना जाएगा। इसके अलावा, ऐसी संस्थाओं की सूची बनाई जाएगी, जिनके नेता नस्लीय घृणा या हिंसा को बढ़ावा देते हैं।

गृह मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि अब अभियोजन के लिए कानूनी सीमा को नीचे लाया जाएगा, ताकि वे संगठन और व्यक्ति, जो अब तक कानून की सीमा से थोड़ा नीचे रहकर बच निकलते थे, उनके खिलाफ कार्रवाई संभव हो सके। शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर ने भी स्कूलों और शिक्षा व्यवस्था में यहूदी-विरोध से निपटने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हमला केवल यहूदी समुदाय पर नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलियाई जीवनशैली पर हमला है और देश को इस 'नफरत की बीमारी' के खिलाफ और सख्ती से लड़ना होगा।

# भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से की शिष्टाचार भेंट

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद नितिन नबीन लगातार वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन ले रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उन्होंने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात उपराष्ट्रपति के आवास पर हुई, जहां दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। मुलाकात के दौरान राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर भी चर्चा हुई। इस मुलाकात को लेकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की गईं।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा, ''उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के आवास पर शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएं प्राप्त कीं।''

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले, बुधवार को भी भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति से शुभकामनाएं और मार्गदर्शन प्राप्त किया। रामनाथ कोविंद ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और संगठनात्मक कार्यों में संतुलन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

इसी दिन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कई अहम नेताओं से भी मुलाकात की थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से आत्मीय भेंट की और उनसे शुभकामनाएं प्राप्त कीं। इस दौरान संगठन और जनसेवा से जुड़े विषयों पर बातचीत हुई। शिवराज सिंह चौहान ने नितिन नबीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आगे के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

वहीं, नितिन नबीन ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से भी भेंट की थी। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद यह मुलाकात उनके लिए खास रही। नितिन नबीन ने बताया कि नड्डा से उन्हें हमेशा संगठनात्मक कार्यों के निर्वहन में दिशा और प्रेरणा मिलती रही है।

# केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बताईं जी राम-जी बिल की विशेषताएं, कांग्रेस पर भी कसा तंज

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पेश किया गया विकसित भारत: जी-राम-जी- 'विकसित भारत: रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025' लोकसभा में पास हो गया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बिल की विशेषताएं बताई हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस मनरेगा-मनरेगा करती है। आखिर यूपीए सरकार ने मनरेगा पर कितना खर्च किया? उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने 2006 से 2014 तक मनरेगा पर कुल 2 लाख 13 हजार 220 करोड़ 39 लाख रुपए खर्च किए और 2024-25 तक एनडीए सरकार ने 8 लाख 53 हजार 810 करोड़ 91 लाख रुपए खर्च किए। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में 1660 श्रम दिवस सृजित किए गए, जबकि हमने 3210 श्रम दिवस सृजित किए। उन्होंने कहा कि हमने रोजगार ज्यादा दिया और विकास के काम ज्यादा किए। अब अगर एक कदम और बढ़कर नई योजना बनती है तो उसमें गलत किया है।उन्होंने कहा कि हमने एक संपूर्ण योजना बनाई है। इसमें विकसित गांव का स्वरूप बताया गया है। जल संरक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी भवन, आजीविका से जुड़े काम आदि शामिल हो गए हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदा में नुकसान कैसे रोका जाए, उसके इंतजाम भी किए गए हैं। सबसे बड़ा सुधार फंड के न्यायपूर्ण वितरण का प्रावधान है, क्योंकि फंड का वितरण समान रूप से हो, इसके लिए तीन ग्रेड बनाए गए हैं। कम विकासित गांवों को ज्यादा धन और ज्यादा विकासित गांवों को कम धन दिया जाए। इसमें विपक्षी पार्टियों को क्या आपत्ति है?केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता देने के प्रावधान को और पुख्ता किया गया है। 15 दिन के अंदर अगर मजदूरी नहीं मिलती तो 0.05 प्रतिशत रोज के हिसाब से अलग से देना पड़ेगा। कमजोर वर्गों का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है।उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य कमजोर वर्ग, और दिव्यांग बुजुर्गों के लिए रोजगार गारंटी कार्ड मिलेंगे। उनको कम काम पर भी ज्यादा मजदूरी मिलेगी।उन्होंने कहा कि जब यूपीए की सरकार थी, तब शरद पवार कृषि मंत्री थे। नरेगा पर चर्चा के दौरान इसको रेखांकित किया गया था कि कृषि कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए भी धन देना चाहिए। शरद पवार ने भी इस पर चिंता जताई थी। 36 प्रतिशत हमारे किसान सीमांत और लघु हैं।चौहान ने कहा कि पीएम गति शक्ति को जोड़कर यह प्रयास किया गया है कि काम का दो-हराव न हो।

# हिमाचल में बारिश-बर्फबारी नहीं होने से किसान परेशान, बागवान और पर्यटन कारोबारी चिंता में

**शिमला,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी नहीं होने से सूखे जैसे हालात बनते जा रहे हैं। लंबे ड्राई स्पेल के कारण किसान गेहूं की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं, वहीं सेब बागवानों की चिंता भी बढ़ गई है। बर्फबारी नहीं होने से पर्यटन कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। प्रदेश में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जरूर हुई थी, लेकिन 12 अक्टूबर के बाद से अब तक बारिश और बर्फबारी पूरी तरह थमी हुई है। नवंबर माह में सामान्य से 96 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जबकि दिसंबर में अब तक एक बूंद भी पानी नहीं बरसा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक भी अच्छी बारिश या बर्फबारी के आसार नहीं हैं। हालांकि 20 और 21 दिसंबर को लाहौल-स्पीति, कांगड़ा, चंबा, किन्नौर और कुल्लू जिलों की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में चल रहा ड्राई स्पेल टूटने की उम्मीद कम है। अन्य क्षेत्रों में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है।इस बीच मौसम विभाग ने मंडी और बिलासपुर जिलों में कोहरे की चेतावनी जारी की है, जिससे सुबह और रात के समय विजिबिलिटी कम रहने की आशंका है।मैदानी इलाकों को छोड़कर मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। आमतौर पर ठंडे रहने वाले शिमला का न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.3 डिग्री अधिक होकर 11.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। वहीं कुफरी का तापमान भी करीब 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

# राज्यसभा में डिजिटल क्रिएटर्स की आवाज बने राघव चड्ढा, कॉपीराइट कानून में बदलाव की उठाई मांग

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को राज्यसभा में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के हितों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कॉपीराइट एक्ट, 1957 में अहम संशोधन की मांग करते हुए कहा कि आज लाखों भारतीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर काम करके अपनी आजीविका चला रहे हैं, लेकिन उनकी मेहनत और कमाई कुछ मिनटों में मनमाने एल्गोरिदम की वजह से खत्म हो जाती है। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि आज भारत के डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स देश के 'ग्रासरूट कम्युनिकेटर' बन चुके हैं। वे शिक्षक, समीक्षक, व्यंग्यकार, कलाकार, संगीतकार, एंटरटेनर और इंफ्लुएंसर के रूप में समाज को जानकारी और मनोरंजन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूट्यूब चैनल या इंस्टाग्राम पेज इन लोगों के लिए सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि उनकी कमाई का जरिया और सबसे बड़ा एसेट है, जो वर्षों की मेहनत से तैयार होता है।

राघव चड्ढा ने चिंता जताई कि कई बार केवल 2 से 3 सेकंड के क्लिप, बैकग्राउंड म्यूजिक, या किसी कंटेंट के इस्तेमाल पर कॉपीराइट स्ट्राइक लग जाती है और पूरा

चैनल या पेज हटा दिया जाता है। वर्षों की मेहनत कुछ मिनटों में खत्म हो जाती है। आजीविका का फैसला कानून से होना चाहिए, न कि मनमाने एल्गोरिदम से।

उन्होंने साफ किया कि वे कॉपीराइट धारकों के अधिकारों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन 'फेयर यूज' को पायरेसी के बराबर नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कंटेंट का इस्तेमाल टिप्पणी, आलोचना, व्यंग्य, शिक्षा, समाचार या ट्रांसफॉर्मेटिव उद्देश्य से किया जाता है, तो उसे अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

राघव चड्ढा ने कहा, डर के माहौल में न तो इनो-वेशन पनप सकता है और न ही क्रिएटिविटी जिंदा रह सकती है।

आप सांसद ने यह भी बताया कि भारत का कॉपीराइट कानून 1957 में बना था, उस समय न इंटरनेट था, न कंप्यूटर, न यूट्यूब और न ही इंस्टाग्राम। इस कानून में डिजिटल क्रिएटर्स की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है और फेयर डीलिंग की बात सिर्फ किताबों, मैगजीन और जर्नल्स के संदर्भ में की गई है।

राघव चड्ढा ने सदन के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। कॉपीराइट एक्ट में संशोधन कर डिजिटल फेयर यूज को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए, जिसमें ट्रांसफॉर्मेटिव यूज, व्यंग्य, आलोचना, आकस्मिक उपयोग, सीमित उपयोग, शैक्षणिक और जनहित से जुड़ा गैर-व्यावसायिक उपयोग शामिल हो।

कॉपीराइट लागू करने में 'प्रोपोर्शनैलिटी डॉक्ट्रिन' लाई जाए, ताकि कुछ सेकंड के इस्तेमाल पर पूरा कंटेंट न हटाया जाए। किसी भी कंटेंट को हटाने से पहले अनिवार्य 'ड्यू प्रोसेस' सुनिश्चित किया जाए।

# बाइक चोरी गैंग का भंडाफोड़, 1 आरोपी गिरफ्तार, 10 वाहन बरामद, पलक झपकते ही खोल देता था लॉक

**नोएडा,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** नोएडा की थाना फेस-3 पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें और दो मास्टर चाबियां बरामद की हैं। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अजय पुत्र विजय, निवासी ग्राम कियावली, थाना उघैती, जनपद बदायूं (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वर्तमान में वह राहुल विहार, 25 फुटा रोड, थाना सेक्टर-63, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। अभियुक्त की उम्र करीब 31 वर्ष बताई जा रही है।

थाना फेस-3 पुलिस के अनुसार, पुलिस टीम गुरुवार को गश्त और चेकिंग के दौरान क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर पुलिस ने अंतरा के सामने से सेक्टर-68 की ओर जाने वाले

रास्ते से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 10 चोरी की मोटरसाइकिलें और दो मास्टर चाबियां बरामद हुईं। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त मास्टर चाभी की मदद से पलक झपकते ही बाइक का लॉक खोलकर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने कई अहम खुलासे किए। उसने बताया कि वह देर रात के समय सुनसान इलाकों में खड़े दोपहिया वाहनों को निशाना बनाता था। विशेष रूप से वह स्प्लेंडर बाइक को प्राथमिकता देता था, क्योंकि इसकी बिक्री आसानी से हो जाती थी। चोरी के बाद वह इन बाइकों को राहगीरों या परिचित लोगों को सस्ते दामों पर बेचकर आर्थिक लाभ अर्जित करता था।

पुलिस को आशंका है कि अभियुक्त ने नोएडा और आसपास के इलाकों में कई वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इस मामले में थाना फेस-3 नोएडा में अभियुक्त के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि अभियुक्त के साथ कोई और गिरोह सक्रिय था या नहीं और चोरी की गई अन्य मोटरसाइकिलें किन-किन लोगों को बेची गई हैं।

नोएडा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें, लॉक की अच्छी व्यवस्था रखें, और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

# पहले मजदूरों का पैसा लूटा जाता था, आज सीधे अकाउंट में आती है रकम : गिरिराज सिंह

**पटना,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को केंद्र सरकार की तरफ से 'मनरेगा' योजना का नाम बदलने को लेकर विपक्ष की तरफ से उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जो लोग मनरेगा योजना का नाम बदलने पर सवाल उठा रहे हैं, ऐसे लोगों को यह समझना चाहिए कि पहले इसका बजट सिर्फ 33 हजार करोड़ रुपए था, इसकी वजह से कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसका फायदा मिल पाता था, लेकिन आज हमारी सरकार ने इसके बजट को बढ़ाया है। इस वजह से बड़ी संख्या में श्रमिकों को फायदा मिल रहा है। हमारी सरकार समाज में अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए काम करती है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पहले मजदूरों को मिलने वाला पैसा बीच में खा लिया जाता था, लेकिन आज की तारीख में हमारी सरकार में सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर हाल में मजदूरों को उनका पैसा मिले। उनके हितों पर हमारी सरकार किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं कर रही है। हमारी सरकार ने हमेशा से ही मजदूरों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। अब योजना का नाम जी राम जी ही रहेगा। इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मिली धमकी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र देने से पहले सिर्फ यही सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि नियुक्ति पत्र सही व्यक्ति को मिल रहा है कि नहीं। अब यह कोई इस्लामिक देश है क्या? किसी भी व्यक्ति को कोई दस्तावेज या कोई प्रमाण पत्र देने से पहले ये तो जरूर सुनिश्चित करेंगे कि वो सही व्यक्ति को मिले। यही काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। ऐसे में उन पर किसी भी प्रकार का सवाल उठाने की कोई स्थिति पैदा ही नहीं होती।

समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने जी राम जी योजना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले दो तरह के समूह हमारे देश में थे। एक वो जो आजादी का विरोध कर रहे थे और दूसरे वो जो आजादी का समर्थन कर रहे थे, लेकिन स्थिति कुछ इस तरह की पैदा हो गई कि आजादी का विरोध करने वाले लोग सत्ता में आ पहुंचे। खैर, आज की तारीख में इन लोगों ने यह उजागर कर दिया कि इन्हें महात्मा गांधी से कितनी नफरत है। ऐसे लोगों को जरा यह बात समझ लेनी चाहिए कि ये लोग अपनी तरफ से जितनी मर्जी चाहे, उतनी नफरत गांधीजी से कर लें, लेकिन इन्हें कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है।

उन्होंने नीतीश कुमार की ओर से एक मुस्लिम महिला का पर्दा उठाने पर हुए विवाद पर कहा कि अगर एक पल के लिए मान भी लेते हैं कि नीतीश कुमार को बढ़ती उम्र की वजह से विभिन्न प्रकार की मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो उनका यह व्यवहार उसी का नतीजा है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने जो कहा है, उसके बारे में आप क्या कहेंगे?

यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार खुद को रामराज्य सरकार होने का दावा करती है। उनके कैबिनेट के मंत्री ऐसी अमर्यादित टिप्पणी करते हैं जिसे एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुझे लगता है कि ऐसा करके उत्तर प्रदेश सरकार अपना असली चेहरा लोगों के सामने उजागर कर रही है।

दिल्ली के प्रदूषण पर सपा सांसद ने कहा कि यह सरकार ही प्रदूषित है। ऐसी स्थिति में आप ऐसी सरकार से कैसे अपेक्षा रख सकते हैं कि वह प्रदूषण की समस्या का निराकरण करेगी? जब तक हमें इनके मानसिक और राजनीतिक प्रदूषण से निजात नहीं मिलेगी, तब तक दिल्ली के प्रदूषण से निजात नहीं मिलेगी।

# लगातार तीसरी बार सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष चुने गए केपी ओली

**काठमांडू,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** नेपाल में मार्च 2026 में आम चुनाव होने वाला है। नेपाल में लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि कई सालों से यहां पर किसी भी सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। नेपाल के जेन-जी ने हिंसक प्रदर्शन के तहत केपी ओली की सरकार को इस साल गिरा दिया। सितंबर में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बावजूद नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली अपने 11वें आम सम्मेलन में पार्टी के अध्यक्ष के रूप में लगातार तीसरी बार चुने गए हैं। इस हफ्ते काठमांडू में हुए जनरल कन्वेंशन में केपी ओली को फिर से पार्टी अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। इसके साथ ही वह हाल ही में भंग हुए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, यानी नेपाली संसद के निचले सदन में दूसरी सबसे बड़ी

पार्टी को लीड करते रहेंगे। पार्टी के सेंट्रल इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, केपी ओली को 2,227 वोटों में से कुल 1,663 वोट हासिल हुए। इसके साथ ही उन्होंने अपने विरोधी और मौजूदा महासचिव ईश्वर पोखरेल को शिकस्त दे दिया। पोखरेल को महज 564 वोट मिले।

बता दें कि केपी ओली पहली बार 2014 में 9वें जनरल कन्वेंशन में पार्टी के अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद 2021 में 10वें जनरल कन्वेंशन में उसी पद के लिए फिर से चुने गए। इसके बाद 2025 में अब उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल कर ली है।ओली को पांच साल के लिए पार्टी को लीड करने का अधिकार है। पोखरेल के लिए पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने खूब समर्थन जताया। बावजूद इसके, ओली ने उन्हें शिकस्त दे दी। दरअसल, विद्या देवी भंडारी अपनी पुरानी पार्टी यूएमएल में वापस आकर उसे लीड करना चाहती थीं। हालांकि, ओली ने उनकी पार्टी सदस्यता लेने से इनकार कर दिया था। तब से, उन्होंने चेयरमैन पद के लिए ओली के विरोधी पोखरेल का खुलकर समर्थन करना शुरू कर दिया।पोखरेल 2009 में पार्टी के आठवें जनरल कन्वेंशन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री झाला नाथ खनल के कैंप से जुड़े थे। बाद में वह 2014 में हुए नौवें जनरल कन्वेंशन के दौरान ओली के कैंप में शामिल हो गए। एक दशक में पहली बार ऐसा हुआ, जब पोखरेल ने पार्टी के उच्च पद के लिए ओली को चुनौती दी थी।2021 में हुए 10वें जनरल कन्वेंशन के दौरान, पोखरेल ने भीम रावल के खिलाफ केपी ओली का समर्थन किया था। भीम रावल ने पार्टी की अध्यक्षता के लिए ओली को चुनौती दी थी।

# यादगार 2025 : बॉलीवुड में इन एक्टर्स का रहा दबदबा, स्क्रीन पर छाया जादू

सिनेमा का असली जादू तब देखने को मिलता है जब किसी अभिनेता का प्रदर्शन कहानी के साथ ऐसा घुल-मिल जाए कि दर्शक हर सीन में खुद को पूरी तरह महसूस करें। साल 2025 में बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में आईं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों को छू लिया और इन फिल्मों में कलाकारों ने अभिनय का लोहा मनवाया। इस साल हर तरह की फिल्मों में बेहतरीन अभिनय देखने को मिला, फिर चाहे वह ऐतिहासिक गाथा हो, रोमांटिक ड्रामा, प्रेरणादायक बायोपिक, या कोई डेब्यू। कलाकारों ने अपने किरदारों को जीते-जागते रूप में पर्दे पर उतारा और यही वजह है कि 2025 का बॉलीवुड साल एक्टिंग के लिहाज से यादगार साबित हुआ।

**विक्की कौशल:-** विक्की कौशल का नाम ऐतिहासिक और भावनात्मक भूमिकाओं में अक्सर चर्चा में रहता है। 'छावा' में उन्होंने छत्रपति संभाजी महाराज यानी शिवाजी राव का किरदार निभाकर न सिर्फ अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया, बल्कि भारतीय ऐतिहासिक सिनेमा में एक नई मिसाल भी कायम की। यह फिल्म 14 फरवरी को रिलीज हुई। युद्ध और संघर्ष से जुड़े सीन में उनकी संवेदनशीलता ने फिल्म को पूरी तरह प्रभावशाली बना दिया। विक्की ने साबित कर दिखाया कि वे हर किरदार में अपनी पहचान और गहराई जोड़ सकते हैं।

**आदर्श गौरव:-** आदर्श गौरव ने अपनी फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' में छोटे शहर के युवक की मासूमियत, संघर्ष और ईमानदारी को जिस तरह पर्दे पर पेश किया, वह बेहद प्रभावशाली था। यह फिल्म 28 फरवरी को रिलीज हुई। आदर्श ने अपनी सच्चाई और मेहनत से दर्शकों के दिलों में छाप छोड़ी। फिल्म की कहानी मालेगांव की है, जिसमें आदर्श गौरव नासिर के किरदार में दिखे, जो अपने भाई के लोकल वीडियो पार्लर से जुड़ी दुनिया में रच-बस गया है। शादियों में वीडियो रिकॉर्डिंग से लेकर एडिटिंग सीखने तक, नासिर ने कम संसाधनों में भी ऐसी फिल्में बना दीं, जो मालेगांव के दिलों को छू गईं। आदर्श के सरल अभिनय ने लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी।

**अक्षय कुमार:-** अक्षय कुमार हमेशा से ही देशभक्ति के किरदारों में अपनी खास पहचान रखते आए हैं। 'केसरी चैप्टर 2' में उन्होंने फिर से यह साबित किया कि उनका दमदार अभिनय दर्शकों को पूरी तरह बांध सकता है। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज हुई। इस फिल्म में उनकी न सिर्फ ऐतिहासिक वीरता देखने लायक थी, बल्कि भावनाओं की गहराई भी दर्शकों तक इतनी सहजता से पहुंची कि हर सीन में उनका प्रदर्शन कहानी की जान बन गया। एक्शन और इमोशन के संतुलन को अक्षय ने जिस तरह पेश किया, उसने फिल्म को शानदार अनुभव बना दिया।

**अहान पांडे:-** अहान पांडे ने अपनी डेब्यू फिल्म 'सैयारा' में अभिनेता के तौर पर जो किरदार में आत्मविश्वास और भावनात्मक पकड़ दिखाई है, वह लोगों के सीधे दिल में उतर गई। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसमें उनका किरदार उभरते हुए कलाकार कृष कपूर का था, जो बेपरवाह और गुस्सैल स्वभाव का है। फिल्म में अहान का प्रदर्शन साल का सबसे प्रभावशाली डेब्यू साबित हुआ।

**सिद्धांत चतुर्वेदी:-** सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'धड़क 2' में जिस तरह से प्रेम, संघर्ष और सामाजिक दबाव को संतुलित करते हुए अभिनय किया, वह दर्शकों और आलोचकों दोनों के लिए खास था। यह फिल्म 1 अगस्त को रिलीज हुई, जिसमें सिद्धांत ने एक दलित लड़के नीलेश का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनका प्रदर्शन अब तक के उनके करियर का सबसे भावनात्मक था। उनका अभिनय कई समीक्षकों के अनुसार नेशनल अवॉर्ड योग्य माना गया। सिद्धांत ने साबित किया कि रोमांटिक किरदार भी अगर सही तरीके से निभाया जाए, तो मानवीय कहानी में गहरी छाप छोड़ सकता है।

**रणवीर सिंह:-** रणवीर सिंह अपने किरदारों में नई एनर्जी और अलग अंदाज देने के लिए जाने जाते हैं। 'धुरंधर' में उन्होंने साबित किया कि वे जटिल से जटिल किरदारों को बखूबी निभा सकते हैं। फिल्म में उनका किरदार हमजा अली मजारी का है, जो रहमान डकैत के गैंग में अपनी जगह बनाता है। यह फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई। उन्होंने अपने किरदार को पूरी प्रामाणिकता और भावनाओं की गहराई के साथ पर्दे पर उतारा। उनके अभिनय की यही खासियत है कि वे सिर्फ किरदार निभाते नहीं, बल्कि उसे जीते हैं। उनकी स्क्रीन-पावर और कहानी पर पकड़ ने इस फिल्म को दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बना दिया।

## सान्या मल्होत्रा को ओटीटी फिल्म मिसेज के लिए भी मिला अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के लिए दिसंबर का महीना लकी साबित हो रहा है। इस महीने उन्हें एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग अवॉर्ड से नवाजा गया है। अभिनेत्री को भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सान्या ने खुशी जाहिर करते हुए फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट की। सान्या मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार के साथ फोटो पोस्ट की। अभिनेत्री हाथ में आईटीए की ट्रॉफी और चेहरे पर स्माइल लिए दिख रही हैं। यह अवॉर्ड उन्हें ओटीटी फिल्म 'मिसेज' के लिए मिला। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''दिल कृतज्ञता से भरा है। इस सम्मान के लिए धन्यवाद, 'मिसेज' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस।''

इस फिल्म में सान्या ने ऋचा नाम के गृहिणी का रोल प्ले किया है। उनके साथ निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह भी नजर आए थे।

फिल्म से हर महिला ने कनेक्ट किया है। फिल्म गृहिणी की रोजमर्रा के काम और परेशानियों को दिखाती है कि कैसे पढ़ी-लिखी होने और पूरी मेहनत के बाद भी वे ससुराल वालों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पातीं।

फिल्म में बहुत छोटे-छोटे पहलुओं पर गौर किया गया है, जैसे सिलबट्टे की चटनी ज्यादा अच्छी होती है, आलू ज्यादा उबल गए हैं, या खाने में नमक कम है। इन चीजों से हर महिला को कभी न कभी दो-चार होना पड़ता है। फिल्म में परिवार, रिश्ते और परंपरा की दौड़ में महसूस होने वाली घुटन को अच्छे से पर्दे पर उतारा गया है।

दो दिन पहले ही इसी फिल्म के लिए सान्या को फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड से नवाजा गया था। फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड में भी उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का ही अवॉर्ड मिला। उन्होंने खुशी जाहिर कर लिखा था, रिचू, तुम कितनी कमाल की लड़की हो, मेरी जिंदगी में आने और मुझे इतना कुछ सिखाने के लिए थैंक यू। 'मिसेज' मेरे लिए बहुत खास है और यह अवॉर्ड मेरी टीम और मेरी शानदार कास्ट और क्रू के लिए है, जिन्होंने रिचा को जिंदा करने में मेरी मदद की। बता दें कि फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी फाइव पर रिलीज की गई थी और रेटिंग के मामले में दर्शकों ने ढेर सारा प्यार लुटाया था। यह फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' की रीमेक है।

## करण जौहर ने की फिल्म धुरंधर की जमकर तारीफ

### फिल्म 'होमबाउंड' के ऑस्कर शॉर्टलिस्ट पर जताई खुशी

आदित्य धर द्वारा निर्देशित स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। रिलीज होने के बाद से अब तक फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 674.5 करोड़ रुपए (भारत में 524.5 करोड़) की कमाई कर चुकी है। हाल ही में निर्देशक करण जौहर ने भी फिल्म की पूरी टीम की सराहना की। करण ने हाल ही में कहा, मुझे यह फिल्म बहुत अच्छी लगी और मैं खुद को इससे काफी जुड़ा हुआ महसूस कर रहा हूं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को मिल रही जबरदस्त सफलता देखकर खुशी हो रही है। पूरी टीम को जो प्रशंसा मिल रही है, वह पूरी तरह से उसकी हकदार है। मैं दिल से पूरी टीम को बधाई देता हूं। सभी लोगों ने बहुत अच्छा काम किया है। साथ ही आगे आदित्य धर क्या नई फिल्म बनाते हैं, उसका मुझे बेसब्री से इंतजार है। करण ने आगे कहा कि फिल्म में सभी ने काफी अच्छा काम किया है। फिर चाहे रणवीर हों, अर्जुन रामपाल हों या अक्षय खन्ना, सभी कलाकारों ने बहुत ही अच्छा काम किया है। फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर. माधवन जैसे मंझे हुए कलाकार थे। फिल्म की कहानी, कास्ट, एक्शन, और गाने की हर तरफ तारीफ हो रही है। इससे पहले अक्षय कुमार, अनुपम खेर, और प्रीति जिंटा समेत कई अन्य कलाकारों ने तारीफ की थी।

हाल ही में करण जौहर की फिल्म होमबाउंड ऑस्कर अवॉर्ड्स की बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में टॉप 15 की शॉर्टलिस्ट में चुनी गई है। फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, हम बहुत खुश भी हैं और थोड़े से नर्वस भी, क्योंकि हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यहां तक आना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टॉप 15 की लिस्ट में जाना हमारे लिए एक गर्व की बात है। मैं चयन समिति का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

## फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का ट्रेलर रिलीज

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में कॉमेडी, रोमांस और इमोशन का पूरा मिश्रण है। ट्रेलर की शुरुआत ही फैंस को अपनी ओर खींच रही है। ट्रेलर की शुरुआत कार्तिक आर्यन के वॉयसओवर से होती है, जिसमें वह कहते हैं, ''कोई कहता है फ्यूचर के बारे में सोचो, तो कोई कहता है पास्ट को देखकर चलो, मैं मानता हूं आज में जियो। यहां, इस पल। सिर्फ हम दोनों।'' फिल्म में कार्तिक का किरदार रेहान नामक लड़के का है, जिसे प्यार से 'रे' बुलाते हैं। वह मौज-मस्ती करने वाला और बिंदास लड़का है। कार्तिक अपने कूल अंदाज और सिक्स पैक बॉडी के साथ स्क्रीन पर छा गए। वहीं, अनन्या पांडे भूमि वर्धन के किरदार में हैं, जिनकी एंट्री ट्रेलर में एक ताजगी लेकर आई। दोनों की पहली मुलाकात एयरपोर्ट पर होती है और यहीं से उनके बीच की नोक-झोंक, दोस्ती और रोमांस की शुरुआत होती है।

ट्रेलर में कार्तिक और अनन्या की केमिस्ट्री काफी क्यूट है। उनकी बातचीत, छोटी-छोटी नोक-झोंक और हल्की-फुल्की शरारतें दर्शकों को उनके किरदारों से बांधकर रखती हैं। इसके अलावा, फिल्म में दोनों के डांस मूव्स और मस्ती भरे पल भी दिखाए गए हैं, जो कॉमेडी और रोमांस के मिश्रण को मजबूती से पेश करते हैं।

## अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया को आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड से सम्मानित किया

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपने करियर में कई शोज में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रियता उन्होंने टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' के आइकॉनिक किरदार कोमोलिका से हासिल की थी। हाल ही में आईटीए ने अभिनेत्री को 'माइलस्टोन अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। अभिनेत्री ने सीरियल में कोमोलिका का निगेटिव किरदार निभाया था, जिसे आज भी दर्शक खूब पसंद करते हैं। शो के टेलीकास्ट के समय अभिनेत्री की हेयर स्टाइल और कॉस्ट्यूम काफी मशहूर हुआ करते थे। आईटीए की तरफ से मिले सम्मान से अभिनेत्री काफी खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, कोमोलिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि तूफान थी। वह बोल्ड, अप्रत्याशित थी और आज भी अविस्मरणीय है। इस किरदार ने मुझे अभिनय के नए आयाम दिखाए, जिनका सपना हर कलाकार देखता है।

अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने लिखा, मेरे चाहने वालों, आपने कोमोलिका की हर अदा, हर नजर और डायलॉग को दिल से अपनाया है। आपने उसे एक विरासत बना दिया। कैमरा बंद होने के बाद भी आपका प्यार मेरे साथ रहा। आप सभी का साथ होना मेरे लिए किसी इनाम से बड़ा है। मैं हमेशा कहती हूं कि आपकी वजह से हम हैं। अभिनेत्री ने अपना पुरस्कार अपने उन फैंस को समर्पित किया, जो उन्हें 'ओवर द टॉप' कहकर पुकारते हैं। उन्होंने लिखा, यह सम्मान मैं उन सभी को समर्पित करती हूं, जिन्होंने मुझे बहुत ज्यादा समर्थन दिया। कोमोलिका ने सिखाया कि कभी-कभी ज्यादा होना भी एक बाजी बदलने जैसा होता है।

अभिनेत्री ने लिखा, मैं ये कहना चाहती हूं कि मैं सिर्फ एक यादगार किरदार से कहीं ज्यादा हूं। प्लेटफॉर्म के हर क्रिएटर, प्रोड्यूसर और स्टोरीटेलर को ये संदेश देना चाहती हूं कि अगर मैं निगेटिव रोल को इतना आइकॉनिक बना सकती हूं, तो सोचिए ड्रामा, कॉमेडी, इमोशन, एक्शन में क्या नहीं कर सकती हूं?, मैं हर तरह के रोल करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अभिनेत्री ने यह भी लिखा, मेरे किरदार कोमोलिका को इतना प्यार देने के लिए थैंक्स, लेकिन जुड़े रहिए। उर्वशी ढोलकिया का सबसे अच्छा आना बाकी है। मैं बहुत सम्मानित और आभारी महसूस कर रही हूं।

## अशोक पंडित हैं नीना गुप्ता के फैन बताया यंग जेनरेशन की प्रेरणा

फिल्म निर्माता-निर्देशक और भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन निर्देशक संघ के अध्यक्ष अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी दोस्त और अभिनेत्री नीना गुप्ता की जमकर तारीफ की। नीना की एक्टिंग जर्नी का जिक्र करते हुए अशोक पंडित ने बताया कि वह यंग जेनरेशन के लिए प्रेरणा हैं। अशोक पंडित सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट करते रहते हैं। इसी कड़ी में इंस्टाग्राम पर उन्होंने अभिनेत्री नीना गुप्ता के साथ सेल्फी पोस्ट की। अशोक पंडित ने पोस्ट में लिखा, सबसे बेहतरीन एक्ट्रेसेज में से एक, प्यारी दोस्त और बेहद प्यारी इंसान नीना गुप्ता के साथ एक सेल्फी। आप हम सबके और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा हैं। उन्होंने नीना गुप्ता की लंबी और सफल एक्टिंग जर्नी का जिक्र करते हुए कहा कि वह उनके फैन हैं। उन्होंने बताया, साल 1982 में आई आपकी पहली फिल्म 'साथ साथ' में मैं असिस्टेंट डायरेक्टर था, उस फिल्म के निर्देशक रमन कुमार थे। आपकी पहली फिल्म 'साथ साथ' से लेकर आज तक, जब हमने आपकी शानदार परफॉर्मेंस के साथ आपकी सफल एक्टिंग जर्नी देखी है, यह आपका फैन बनाता है। इस पोस्ट का मुख्य कारण नीना गुप्ता का हालिया अवॉर्ड जीतना है। अमेजन प्राइम वीडियो की पॉपुलर वेब सीरीज 'पंचायत' में उनके शानदार एक्टिंग के लिए उन्हें अवॉर्ड मिला है।

# शुक्र ग्रह कल करेंगे धनु राशि में प्रवेश

सुखों के कारक शुक्र 20 दिसंबर 2025 को वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। धनु राशि में शुक्र 25 दिनों तक रहेंगे। इसके बाद 13 जनवरी को मकर राशि में गोचर करेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 20 दिसंबर 2025 को प्रेम और सौंदर्य के कारक ग्रह शुक्र राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। इस दिन शुक्र देव वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में गोचर करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र देव को प्रेम, विवाह और सुख का कारक माना जाता है। शुक्र देव 25 से लेकर 27 दिनों तक एक राशि में रहते हैं। इसके पश्चात, एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। वर्तमान समय में सुखों के कारक शुक्र देव वृश्चिक राशि में विराजमान हैं और 20 दिसंबर 2025 को राशि परिवर्तन करेंगे।

शुक्र को रचनात्मकताए रोमांटिक अहसास प्रेम सौंदर्य विवाह आदि का कारक ग्रह माना जाता है इसलिए शुक्र के गोचर को वैदिक ज्योतिष में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। शुक्र का राशि परिवर्तन हर राशि पर कोई न कोई प्रभाव जरूर डालता है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। शुक्र की उच्च राशि मीन है, वहीं धनु राशि में शुक्र का होना सामान्य माना जाता है। हालांकि, शनि, और केतु के साथ शुक्र की मित्रता होती है। वहीं ये बृहस्पति के साथ सामान्य फल देने वाला ग्रह है। ऐसे में शुक्र का राशि परिवर्तन सभी राशियों के लिए खास रहेगा।

**शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन**

सुखों के कारक शुक्र 20 दिसंबर 2025 को वृश्चिक राशि से निकलकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। धनु राशि में शुक्र 25 दिनों तक रहेंगे। इसके बाद 13 जनवरी को मकर राशि में गोचर करेंगे।

**ज्योतिष में शुक्र**

शुक्र या वीनस को ज्योतिष में स्त्री ग्रह भी माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी है। शुक्र लाभ के साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का भी कारक होता है। व्यक्ति की कलात्मकता का भी विकास होता है। किसी की कुंडली में ये ग्रह कमजोर या मजबूत हो, दोनों ही स्थिति में काफी मायने रखता है। ज्योतिष में शुक्र अच्छे कपड़े, विवाह, आमदनी, नारी, ब्राह्मण, पत्नी, यौन जीवन का सुख, फूल, वाहन, चांदी, आनंद, कला, वाद्ययंत्र और राजसी प्रवृत्ति का कारक ग्रह है। शुक्र के राशि परिवर्तन होने से इन मामलों संबंधी बदलाव देखने को मिलते हैं।

**क्या होगा प्रभाव**

धनु राशि में शुक्र होने से धर्म, अर्थ और काम ये तीन पुरूषार्थ सफल होते हैं। शुक्र के प्रभाव से बड़े समाजिक कार्य पूरे हो सकते हैं। धनु राशि में शुक्र के आने से प्रशासनिक और राजनैतिक मामलों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा कहा जाता है। शुक्र के राशि परिवर्तन से कई लोगों की सेहत में भी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनेंगे। विपरित लिंग के लोगों के कारण कामकाज में बदलाव होने की भी संभावना है। सुख-सुविधाएं, यात्राएं और शारीरिक सुख संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना है। शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी।

**शुक्र के उपाय**

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र का धनु राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

**शुभ: मिथुन, कर्क और मीन**

सामान्य: मेष, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु और कुंभ

अशुभ: वृष और मकर

# हस्तरेखा द्वारा जीवन की प्रमुख घटनाओं को जानना हो, तो सर्वप्रथम इन तीन प्रमुख रेखाओं का करें अध्ययन

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार यूं तो हथेली पर अनेक रेखाएं विद्यमान होती हैं, जिनमें मुख्य रूप से तीन रेखाओं को प्रमुख माना गया है, जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा। इन तीन प्रमुख रेखाओं के अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण रेखाओं में भाग्य रेखा, सूर्य रेखा, बुध रेखा, विवाह रेखा इत्यादि शामिल हैं।

आपकी हथेली की ये 3 रेखाएं बदल देती हैं जीवन- हमारे हाथ में सात मुख्य रेखाएं होती हैं, साथ ही बारह गौण रेखाएं होती हैं। गौण रेखाओं का सभी के हाथ में होना आवश्यक नहीं है, वहीं कुछ लोगों के हाथों में मुख्य सात रेखाओं में से भी कुछ रेखाएं नहीं होती है। हस्तरेखा में माहिरता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले यह आवश्यक है कि हस्तरेखा के माध्यम से भविष्य कथन करने वाला विद्यार्थी अथवा जिज्ञासु अपने आस-पास के कम से कम तीन दर्जन लोगों के हाथ की तीन प्रमुख रेखाओं, जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा का अध्ययन करें।

जीवन रेखा- जीवन रेखा, जिसे लाइफ लाइन, आयु रेखा भी कहा जाता है, तर्जनी उंगली और अंगूठे के बीच से शुरू होकर अंगूठे के निचले हिस्से को घेरते हुए कलाई की ओर जाती है। जीवन रेखा शुक्र क्षेत्र को घेरे रहती है।

मस्तिष्क रेखा- मस्तिष्क रेखा का कोई एक उद्गम स्थान नहीं है, यह अलग-अलग स्थानों से निकलती है। यह हथेली के मध्य भाग में रहती है तथा जीवन रेखा के उद्गम स्थल के समीप ही कहीं से आरम्भ होकर द्वितीय मंगल क्षेत्र अथवा चंद्र क्षेत्र की ओर जाती है। मस्तिष्क रेखा का उद्गम स्थान अलग-अलग व्यक्तियों के हाथ पर प्रमुख पांच तरीकों से दिखाई पड़ता है, जिसका बारीकी से अध्ययन कर इस रेखा को भली-भांति समझा जा सकता है।

हृदय रेखा- यह मस्तिष्क रेखा के समानान्तर चलती है तथा हथेली पर कनिष्ठिका यानी छोटी उंगली के नीचे बुध क्षेत्र के नीचे से आरम्भ होकर सूर्य तथा शनि क्षेत्र को पार करते हुए गुरु पर्वत के पास तक जाती है, परन्तु सभी हाथों में ऐसा नहीं होता है। हस्तरेखा अध्ययन के दौरान इसकी पांच प्रमुख स्थितियों का अध्ययन किया जाता है।

# 24 को लगेगा पंचक, पांच दिन भूलकर भी न करें ये काम

पंचक को ज्योतिष शास्त्र में विशेष महत्व दिया गया है। जब चंद्रमा कुंभ राशि में प्रवेश करते है तब से पंचक की शुरुआत होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्र देव के कुंभ राशि में प्रवेश करते ही धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण का आरंभ हो जाता है। इसके बाद चंद्रमा शतभिषा नक्षत्र, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र और अंत में रेवती नक्षत्र से होकर आगे बढ़ते हैं। इन पांच नक्षत्रों से गुजरने में चंद्रमा को लगभग पांच दिनों का समय लगता है। चंद्रमा की इस पांच दिवसीय अवधि को ही पंचक कहा जाता है। पंचक को अशुभ समय माना जाता है और इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश जैसे कई शुभ कार्य वर्जित होते हैं।

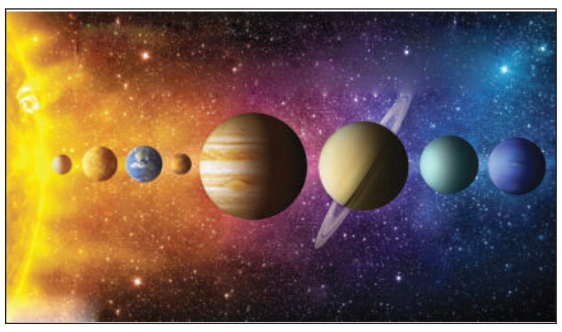

पंचांग के अनुसार, 24 दिसंबर 2025, बुधवार को शाम 7 बजकर 47 मिनट से पंचक की शुरुआत हो रही है। पंचक अगले पांच दिनों के बाद यानी 29 दिसंबर 2025, सोमवार की सुबह 7 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगा। चूंकि यह समय वर्ष के अंत में पड़ रहा है, इसलिए इसका प्रभाव कई महत्वपूर्ण कार्यों पर पड़ सकता है।

**पंचक के दौरान क्या ना करें?**

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, पंचक के समय कार्य करने से अशुभ फल मिलता है। इस दौरान लकड़ी से जुड़े कार्य, चारपाई बनवाना, छत का निर्माण, दक्षिण दिशा की यात्रा और अंतिम संस्कार से संबंधित कुछ क्रियाएं पंचक में वर्जित मानी जाती हैं। मान्यता है कि पंचक में चारपाई बनवाने से रोग और मृत्यु का भय बढ़ता है, जबकि लकड़ी इकट्ठा करने से आर्थिक नुकसान हो सकता है।

**पंचक के दौरान क्या करें?**

पंचक में सभी शुभ कार्यों पर रोक नहीं होती है। इस दौरान पूजा-पाठ, मंत्र जप, व्रत, दान-पुण्य और आत्मिक साधना को विशेष फलदायी माना गया है। जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करने से पंचक के अशुभ प्रभाव कम हो जाते हैं।

# नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

## सिंह राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि सिंह राशि वालों के लिए ये साल आपके जीवन में कई तरह की शुभताओं और उमंग को देने वाला है। साल 2026 सिंह राशि के जातकों के लिए नई खुशियों और अवसरों से भरा रहने वाला है। इस वर्ष शनि आपके आठवें भाव में स्थित रहेंगे, जबकि गुरु का गोचर आपके लाभ भाव में होगा, जिससे आर्थिक और व्यक्तिगत लाभ के अवसर बढ़ेंगे। राहु सप्तम भाव में होने के कारण आपको दूसरों के हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की सलाह मिलेगी, जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ेगा। इस साल अकेलेपन या उदासी से दूर रहकर उम्मीदों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में नए सदस्य जुड़ सकते हैं और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होने के मौके बनेंगे। केवल अति आत्मविश्वास से बचना होगा, अन्यथा यह अहंकार में बदलकर नुकसान भी पहुँचा सकता है। संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर यह साल आपको कई खुशियां और सफलता प्रदान करेगा।सिंह राशि वालों के लिए साल के शुरुआती दौर में राशि स्वामी सूर्य का गोचर धनु से निकलकर मकर, कुम्भ से निकलते हुए सभी 12 राशियों को प्रभावित करेगा जो हर महीने के मध्य के दौरान होगा। शनिदेव का गोचर मीन राशि में आठवें भाव को प्रभावित करने वाला होगा। गुरु का गोचर मिथुन राशि में लबह भाव में होगा उसके बाद साल के दूसरे भाग से कर्क राशि में गुरु गोचर करें और फिर साल के अंतिम चरण में गुरु सिंह राशि में गोचर करने लगेंगे तो गुरु महाराज की स्थिति सिंह राशि वालों के लिए खास होने वाली है। मंगल की स्थिति जब छठे भाव में या जब राहु के साथ होगी तब यह समय आपके लिए कुछ हद तक चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि आप काम में व्यस्त रहने के कारण परिवार के साथ समय नहीं बिता पाएंगे, जिससे पारिवारिक रिश्तों में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है।

**कैरियर –** सिंह राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत रहेगा। इस दौरान आपको मेहनत की तुलना में सफलता नहीं मिलने की आशंका है। ऐसे में, आप थोड़े निराश रह सकते हैं। आपके छठे भाव के स्वामी शनि अष्टम भाव में रहेंगे और शनि महाराज की इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन, छठे भाव से तीसरे भाव में होने के कारण आपको कड़ी मेहनत करने के बाद संतोषप्रद परिणाम मिल सकेंगे। साल की शुरुआत से लेकर 20 जनवरी 2026 तक शनि ग्रह बृहस्पति देव के नक्षत्र में विराजमान रहेंगे जबकि गुरु ग्रह लाभ भाव में मौजूद होंगे। इसके परिणामस्वरूप, इस समय आपको नौकरी में अधिक मेहनत के बाद अनुकूल सफलता मिल सकेगी। साथ ही, आप अपने लक्ष्यों को भी किसी न किसी तरह पूरा करने में सक्षम होंगे। ऐसे में, आप मित्रों तथा सहकर्मियों के बीच प्रशंसा के पात्र बन सकेंगे। वहीं, 20 जनवरी 2026 से 17 मई 2026 के बीच का समय आपसे अधिक मेहनत करवा सकता है क्योंकि यह अवधि आपके लिए मुश्किल रहेगी। इस दौरान आपको सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखना होगा और किसी की भी निंदा या चुगली करने से बचना होगा। ऐसा करके आप विवाद से बच सकेंगे। हालांकि, 17 मई 2026 से लेकर 9 अक्टूबर 2026 के बीच बुध ग्रह के नक्षत्र में शनि देव रहेंगे। ऐसे में, यह अवधि आपके लिए अच्छी साबित होगी। लेकिन, 22 जून से 7 जुलाई के बीच द्वादश भाव में बुध का गोचर आपको थकान या चिंता देने का काम कर सकता है। इस दौरान आप किसी से भी ऐसी कोई बात न करें या दोस्त से इस तरह की कोई भी बात न कहें जिसमें किसी दूसरे इंसान की निंदा की गई हो या फिर नौकरी में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हों। साल मध्य के बाद गुरु के गोचर के कारण कार्यक्षेत्र और व्यवसाय के लिए स्थितियां प्रतिकूल हो जाएंगी, तो आपको धोखा खाने का भी खतरा हो सकता है। किसी पुराने साझेदार या विश्वासपात्र से धोखा मिलने की संभावना हो सकती है। व्यापार में होने वाले नुकसान को लेकर भी आपको सतर्क रहना होगा।

**आर्थिक स्थिति–** सिंह राशि के लोगों के लिए धन संबंधी मामलों में यह साल कुछ कमजोर हो सकता है। साल का पहला भाग कुछ समानता लेकर आएगा, इन्कम बढेगी, लेकिन खर्च के संकेत भी दिखेंगे। अच्छी बात होगी । सामान्य से अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी धन आने का योग बनेगा। धन का प्रवाह बना रहेगा। बृहस्पति की कृपा से अच्छे संकेत मिलेंगे। अचानक से कुछ खर्च सामने आएंगे, जो आपकी आमदनी को ठिकाने लगा देंगे। सेविंग करना आसान नहीं होगा। इस पर आपको मजबूती से टिके रहना होगा। भाई व बहनों की सहायता मिल सकती है। साल के बीच में जब बृहस्पति द्वादश भाव में जाएंगे, तब आर्थिक परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं, अच्छे मगर खर्च होंगे, किसी की बीमारी के इलाज पर भी खर्च करना पड़ सकता है। फाइनेंशियल प्लानिंग सोच समझकर करें और धन को लेकर संयम से रहे। संतान की एजुकेशन और घरेलू खर्च में ज्यादा धन का प्रवाह होगा। किसी को धन उधार देने से बचे, नहीं तो नुकसान उठाना पड़ेगा। साल की अंतिम तिमाही में समय अनुकूल होगा। आर्थिक सुधार देखने को मिलेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। विचार शक्ति मजबूत होगी। आप धन संबंधी मामलों में नए तरीके से विचार करके फैसला लेंगे, जिससे आपको लाभ मिलेगा। बिजनेस नौकरी और अन्य क्षेत्रों से धन लाभ प्राप्त होगा और आप अपनी आय में वृद्धि को स्पष्ट रूप से देख पाएंगे। 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति आपके पहले भाव में आ जाएंगे और इनसे मिलने वाले परिणाम 2 जून 2026 से पहले की तुलना में कमज़ोर और 2 जून से 31 अक्टूबर की अवधि की तुलना में मज़बूत रह सकते हैं। इस प्रकार, आपके आर्थिक जीवन के लिए साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक का समय बहुत अच्छा रहेगा। जहाँ 2 जून से 31 अक्टूबर का समय औसत या औसत से थोड़ा कमज़ोर रहेगा। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद का समय थोड़ा बेहतर कहा जा सकता है। आपके धन भाव पर शनि की दृष्टि लगातार बनी रहेगी। ऐसे में, आपको बचत करने में परेशानियों से दो-चार होना पड़ सकता है और कई बार बचत किए हुए पैसे भी अप्रत्याशित रूप से खर्च हो सकते हैं। जैसे कि हमने आपको बताया कि यह वर्ष आपके आर्थिक जीवन के लिए औसर रहेगा, लेकिन

कुछ लोग अपनी मेहनत के बल पर इसे बेहतर बनाने में सक्षम होंगे क्योंकि इस वर्ष बुध और गुरु ग्रह दोनों आपके पक्ष में परिणाम देने का काम करेंगे। लेकिन, शनि का गोचर आर्थिक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 आर्थिक जीवन के लिए औसत या औसत से बेहतर रहेगा।

**परिवार–** सिंह राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन वर्ष 2026 में थोड़ा कमज़ोर रहने की आशंका है क्योंकि साल के ज्यादातर समय आपके दूसरे भाव पर शनि ग्रह की दृष्टि होगी। सिंह राशि के जातकों के लिए शनि ग्रह को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में, शनि देव की दूसरे भाव पर दृष्टि परिवार के सदस्यों के बीच समस्याएं पैदा करने का काम कर सकती है। इस दौरान छोटी-छोटी बातें बड़ी बन सकती हैं जिन्हें आपको बहुत सावधानीपूर्वक नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी। हालांकि, बुध का गोचर साल के अधिकांश समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। दूसरी तरफ, इस वर्ष शुभ ग्रह बृहस्पति का साथ भी आपको ज्यादा न मिलने की संभावना है। लेकिन, साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति लाभ भाव में रहेंगे जो जीवन के हर क्षेत्र में आपका साथ देंगे, विशेष रूप से पारिवारिक जीवन में कोई बड़ी समस्या नहीं आने देंगे। बता दें कि 02 जून तक गुरु देव की कृपा से आपका पारिवारिक जीवन अनुकूल रह सकता है। लेकिन इसके बाद बृहस्पति का संबंध न तो दूसरे भाव से रहेगा और न ही ऐसे भावों से रहेगा जो पारिवारिक जीवन से जुड़े होंगे, इसलिए यह साल पारिवारिक जीवन के लिए थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। गृहस्थ जीवन के लिए वर्ष 2026 ठीक-ठाक रहने का अनुमान है क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति लाभ भाव में रहेंगे जो कि एक अनुकूल स्थिति है। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर तक बृहस्पति महाराज द्वादश भाव में बैठकर आपके चतुर्थ भाव को देखेंगे। ऐसे में, यह आपके गृहस्थ जीवन में कोई बड़ी समस्या नहीं आने देंगे। भले ही घर से दूर रहने के कारण गृहस्थ जीवन के सुखों को आप पूरी तरह से न भोग पाएं, लेकिन अपने घर को सुख-सुविधाओं से पूर्ण बनाने के लिए मेहनत करते रहेंगे। विवाह योग्य जातकों के लिए वर्ष 2026 अच्छा रहने के आसार है। विवाह से जुड़े मामलों के लिए यह अवधि अनुकूल रहेगी। विवाह भाव के स्वामी की स्थिति बहुत अच्छी नहीं होगी और आपके सप्तम भाव के स्वामी शनि अष्टम भाव में बैठे होंगे जिसे शुभ नहीं कहा जा सकता है। यदि आपकी कुंडली की दशाएं सकारात्मक होंगी, तो आपको इस दौरान काफ़ी हद तक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ग्रहों के गोचर पर आधारित यह राशिफल होने के कारण विवाह बंधन में बंधने के लिए समय उत्तम रहेगा क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 2 जून 2026 तक गुरु महाराज आपके लाभ भाव में रहेंगे। हालांकि, बृहस्पति संस्कार और परिवार के कारक माने जाते हैं। ऐसे में, लाभ भाव में बैठे गुरु की दृष्टि पंचम और सप्तम भाव पर पड़ने के कारण सगाई, प्रेम संबंध और विवाह के लिए समय फलदायी रहेगा।

**प्रेम – रोमांस –** इस साल सिंह राशि के जातकों की लव लाइफ के लिए मिले जुले असर दिखाई दे सकते हैं। शुरुआती समय की अगर बात की जाए तो पहले भाग में, आपके प्रेम संबंधों में रोमांटिक और प्यारे पल हो सकते हैं। आप मन ही मन अपनी कल्पनाओं में खुशी की तलाश भी कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि इस समय किसी पर भी भरोसा न करें। किसी भी प्रकार की जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। खासकर अगर आप किसी नए रिश्ते में हैं, तो थोड़ा समय लेकर ही अपनी भावनाओं को समझें और रिश्ते में विश्वास और समझदारी के साथ आगे बढ़ें। शनि और राहु के प्रभाव के कारण इस दौरान आपके लव लाइफ में कुछ जटिलताएं आ सकती हैं। आपके साथी के साथ छोटे-मोटे मतभेद हो सकते हैं, जिससे रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है। विवाह और दांपत्य जीवन के लिए यह साल राहु केतु एक्सिस के चलते काफी संवेदनशील हो सकता है। शुरुआती महीनों में आपके दांपत्य जीवन में प्यार और समझदारी बनी रहेगी। लेकिन इस दौरान कोई अन्य व्यक्ति रिश्ते में घुसपैठ की कोशिश कर सकता है। या आपका मन भी रिश्ते में बेचैनी का अनुभव कर सकता है। विवाह के बाद के जीवन में आप और आपके जीवनसाथी के बीच अच्छे रिश्ते बने रहेंगे, लेकिन आपको एक-दूसरे के विचारों और इच्छाओं का सम्मान करना होगा। इस समय का दौर यात्रा भी देने वाला होगा। अपने पार्टनर के साथ दोस्तों के साथ नए नए स्थानों के लिए घूमने निकल सकते हैं। लव लाइफ को लेकर सिंह राशि के लोगों को रोमांस का सामना करना पड़ेगा। आप विवाह के बंधन में बन सकते हैं। अगर अभी तक अकेले हैं, तो लव लाइफ शुरू होने वाली है। आपकी लव लाइफ के लिए साल की शुरुआत सामान्य रहेगी, लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में रोमांस और प्यार भरे पलो मे बढ़ोतरी होगी। आप अपनी कल्पनाओं में खुशी तलाशेंगे और अपने प्रियजन पर भरोसा रखेंगे, लेकिन किसी तीसरे व्यक्ति पर किसी भी रूप में भरोसा ना करें और जल्दबाजी में कोई भी काम करने से बचे।

**शिक्षा –** छात्रों के लिए शुरुआती समय अनुकूल रहेगा। अगर आप हायर एजुकेशन लेना चाहते हैं तो गुरु की पंचम भाव का शुभ असर आपको अच्छे इंस्टीट्यूट में प्रवेश मिलने की संभावना है। किसी प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं, तो आपको सफलता की ओर एक कदम और बढ़ने का मौका मिलेगा। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की ओर सच्चे मन से प्रयास करना होगा। आप प्रयास करते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। इस दौरान, विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई में पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम करना होगा, ताकि उन्हें अच्छे परिणाम मिल सकें। शिक्षा की दृष्टि से सिंह राशि वालों के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा। वहीं, जिन लोगों का स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, उन्हें और भी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। शिक्षा के कारक ग्रह बृहस्पति साल के शुरुआत से लेकर 2 जून 2026 तक आपके लाभ भाव में रहेंगे जो शिक्षा में शुभ फल प्रदान करेंगे, विशेषकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को। जो कानून और फाइनेंस से जुड़ी पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए समय सकारात्मक कहा जाएगा। शोध के विद्यार्थियों को भी परिणाम अपने पक्ष में मिलेंगे। वहीं, 02 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 के दौरान बृहस्पति उच्च अवस्था में आपके द्वादश भाव में प्रवेश कर जाएंगे।

**स्वास्थ्य–**अगर सेहत की बात करें, तो सिंह राशि के लोगों को साल की शुरुआत में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने की वजह से कोई बड़ी समस्या नहीं होगी और आपकी सेहत में सुधार होता रहेगा, लेकिन शनि और राहु के प्रभाव के कारण समय-समय पर समस्याएं सामने आ जाएगी, लेकिन बृहस्पति महाराज की शुभ दृष्टि आपको इन रोगों से बचाती रहेगी। साल के पहले भाग में मौसम के प्रभाव के कारण कमजोरी की शिकायत हो सकती है, लेकिन इम्यूनिटी सिस्टम बढ़िया रहेगा, जिससे इन समस्याओं को आप नियंत्रित कर पाएंगे। सेहत से लापरवाही आपको भारी पड़ सकती है। बच्चों की हेल्थ पर भी ध्यान देना होगा। एकादश भाव का बृहस्पति साल के पूर्व भाग में सेहत में जल्द सुधार लेकर आएंगे। साल के बीच में जब वृहस्पति 12वें घर में जाकर गोचर करेंगे, तो सर्दी, खांसी, बुखार, कफ संबंधित समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। आपको व्यर्थ की चिंता करने से बचना होगा, नहीं तो आपकी फिटनेस बिगड सकती है। मॉर्निंग वॉक करें और कुछ एक्सरसाइज को अपनी रूटीन में शामिल करें गुरु के वक्री होने से इस समय बच्चों की हेल्थ पर भी कुछ असर पड़ सकता है। बच्चों के खानपान में बदलाव का असर और मौसम का प्रभाव दिक्कत दे सकता है। अचानक स्वास्थ्य में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, जो आपकी ऊर्जा और मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। शनि के अष्टम भाव में गोचर के कारण आपको शारीरिक थकान, दर्द, और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना हो सकता है। इसके साथ ही राहु के प्रभाव से आपकी मानसिक स्थिति भी प्रभावित हो सकती है, जिससे आप अधिक तनाव और चिंता का सामना कर सकते हैं। एकादश भाव में बृहस्पति के होने से आपकी सेहत में जल्द से सुधार के संकेत भी हैं। गुरु का गोचर आयुर्वेदिक उपचार और उचित देखभाल के माध्यम से आपकी सेहत में सुधार ला सकता है। आपको इस समय में अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इस दौरान वैवाहिक जीवन में यौन संक्रमण या सेक्स से जुड़ी समस्या भी असर डाल सकती है।

**ज्योतिष उपाय–** प्रतिदिन चावल, रोली या गुड़ और लाल फूल डालकर सूर्य देवता को जल अर्पित करें। लड्डू गोपाल की पूजा-पाठ करें। माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करें। आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें। घर को साफ-सुथरा रखें और धूल-मिट्टी को जमा न होने दें।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

## मोदी का 'नबीन' प्रयोग

**प्रधानमंत्री** मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर नितिन नबीन की नियुक्ति से राजनीतिक पंडितों और पार्टी के अधिकांश नेताओं को एक बार फिर चौंकाया है। बेशक पार्टी संसदीय बोर्ड का हवाला देती रहे, लेकिन शीर्ष नेतृत्व और संवैधानिक पदों पर नियुक्तियां प्रधानमंत्री मोदी ही तय करते हैं। कुछ मामलों में गृहमंत्री अमित शाह की सलाह भी ली जाती है। आरएसएस की सहमति भी अनिवार्य है, लेकिन बुनियादी तौर पर चयन मोदी ही करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की चर्चा, इस नियुक्ति की घोषणा से मात्र दो दिन पहले, संसदीय बोर्ड की भी की गई थी, लेकिन उस दौरान कोई नाम सामने नहीं था। संसदीय बोर्ड के अधिकांश सदस्यों की राय थी कि पार्टी का भावी अध्यक्ष अपेक्षाकृत युवा हो, सवर्ण जाति का हो और हिंदी पट्टी के राज्य से हो। इन्हीं आधारों पर बिहार के 5वीं बार विधायक एवं मंत्री नितिन नबीन का चयन किया गया। वैसे भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एक-दो अपवाद को छोड़ कर, सवर्ण जाति के ही रहे हैं। बेशक राज्यों में पिछड़े और दलित समुदाय के नेताओं को भी नेतृत्व सौंपा जाता रहा है। नितिन नबीन सवर्ण उपजाति-कायस्थ समुदाय- के नेता हैं और 45 साल उम्र है, लिहाजा वह भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। कुछ समय बाद वह जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। बेशक नितिन नबीन भाजयुमो में अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर काम कर चुके हैं, कुछ राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी भी रहे हैं, लिहाजा संगठन की आत्मा और अपेक्षाओं को वह बखूबी जानते हैं। जब नड्डा पार्टी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी। अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का कोई मानदंड नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नबीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर मोहन चरण माझी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, विष्णव देव, भूपेंद्र पटेल, पुष्कर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी आदि को विराजमान कर भाजपा की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपा था। इन्हीं नेताओं की तरह नबीन भी भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। अलबत्ता उनकी पहचान कभी 'राष्ट्रीय' नहीं रही। बहरहाल अब नितिन नबीन भी उसी श्रृंखला की नई कड़ी बन गए हैं, जिसे अटल, आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह से लेकर जेपी नड्डा तक ने स्थापित किया और भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सम्मान दिलाया। उस वर्चस्व, ओहदे और गरिमा को बरकरार रखना भी नितिन नबीन की चुनौती है। उनके सामने राजनीतिक और चुनावी चुनौती यह है कि 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं और 2027 में उप्र के महाचुनाव सामने होंगे। केरल में तिरुवनंतपुरम के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत हुई है और उसने वाममोर्चे के 45 साल पुराने किले को ढहा दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा-एनडीए को कमोबेश एक मौका जरूर देगी, लेकिन तमिलनाडु में आज भी भाजपा 'शून्य' है। बेशक अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन से उसे कुछ सीट हासिल हो जाएं, लेकिन तमिल के हिंदुओं ने अभी भाजपा को स्वीकार नहीं किया है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार वहां के राम मंदिरों में जाकर और पूजा कर प्रयास कर रहे हैं कि जनता की स्वीकृति मिल सके। वैसे परिणाम चुनाव के बाद ही स्पष्ट होंगे। नबीन के सामने 2028-29 की राजनीतिक चुनौतियां भी गंभीर होंगी, क्योंकि 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद संभवतः मोदी प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहेंगे, लिहाजा एक वैकल्पिक चेहरे की आवश्यकता होगी। उसकी तैयारी भी 2026 से शुरू करनी पड़ेगी। बहरहाल पहली बार कोई बिहारी नेता राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर पहुंचा है, लिहाजा बिहार का गदगद होना स्वाभाविक है। नबीन की छवि शालीन और जुझारू नेता की रही है। यह भाजपा में ही संभव है कि कोई अज्ञात, अनजान या कम चर्चित चेहरा भी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पहुंच सकता है। नए अध्यक्ष का जिस तरह स्वागत हो रहा है, उससे पता चलता है कि पार्टी में नई नियुक्ति को लेकर काफी उत्साह है। अमित शाह, जगत प्रकाश नड्डा के अलावा कई पार्टी नेताओं ने नए अध्यक्ष को बधाई दी है। यहां तक कि दूसरे दलों में राष्ट्रीय जनता दल ने भी उनको बधाई दी है। नबीन संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेता हैं। आने वाले समय में कई राज्यों में चुनाव होने हैं। इन चुनावों में उनकी पहली परीक्षा होगी।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की चर्चा, इस नियुक्ति की घोषणा से मात्र दो दिन पहले, संसदीय बोर्ड की भी की गई थी, लेकिन उस दौरान कोई नाम सामने नहीं था। संसदीय बोर्ड के अधिकांश सदस्यों की राय थी कि पार्टी का भावी अध्यक्ष अपेक्षाकृत युवा हो, सवर्ण जाति का हो और हिंदी पट्टी के राज्य से हो। इन्हीं आधारों पर बिहार के 5वीं बार विधायक एवं मंत्री नितिन नबीन का चयन किया गया। वैसे भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एक-दो अपवाद को छोड़ कर, सवर्ण जाति के ही रहे हैं। बेशक राज्यों में पिछड़े और दलित समुदाय के नेताओं को भी नेतृत्व सौंपा जाता रहा है। नितिन नबीन सवर्ण उपजाति-कायस्थ समुदाय- के नेता हैं और 45 साल उम्र है, लिहाजा वह भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। कुछ समय बाद वह जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। बेशक नितिन नबीन भाजयुमो में अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर काम कर चुके हैं, कुछ राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी भी रहे हैं, लिहाजा संगठन की आत्मा और अपेक्षाओं को वह बखूबी जानते हैं। जब नड्डा पार्टी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी। अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का कोई मानदंड नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नबीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है।

कुछ अलग

## शिक्षा का जुनून

**कार्तियानी** अम्मा परिवार की जिम्मेदारियों के बीच पढ़ नहीं पाईं। एक दिन कार्तियानी अम्मा की बेटी अमिनी अम्मा ने उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह देखकर कार्तियानी अम्मा ने केरल राज्य साक्षरता मिशन अथॉरिटी द्वारा आयोजित अक्षरलक्ष्यम साक्षरता परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा की उन्होंने जुटकर तैयारी की। इस परीक्षा में अशिक्षित व्यक्तियों को पढ़ना-लिखना और गणित की बुनियादी जानकारी प्रदान की जाती है। जिस व्यक्ति ने बचपन में कभी काले अक्षरों को सफेद कागजों पर न लिखा हो, उनके लिए एक उम्र हो जाने पर इन्हें सीखना मुश्किल हो जाता है। मगर कार्तियानी ने हार नहीं मानीं। 96 साल की उम्र में उन्होंने इस परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर पूरे विश्व को चौंका दिया। उन्हें 100 में से 98 अंक प्राप्त हुए।

### धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है

# पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

**पाकिस्तान** में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है। आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है। धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता

रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक- यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दर्शाता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है। इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पीढ़ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तोड़ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पीड़ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है। पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी नज़रिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से बढ़ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे "वसुधैव कुटुम्बकम्" के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है। कट्टरवाद को पोषित करने की यह नीति केवल राजनीतिक विफलता नहीं, बल्कि पाकिस्तान की आम जनता के जीवन पर एक भारी बोझ बन चुकी है। देश की अर्थव्यवस्था बदहाल है, महंगाई आसमान छू रही है, बेरोज़गारी चरम पर है और जनता भुखमरी की दहलीज पर खड़ी है। सबसे अधिक संकट में वहाँ के अल्पसंख्यक समुदाय हैं, जिन पर धार्मिक उन्माद और संकीर्ण सोच की दोहरी मार पड़ रही है-मंदिरों पर हमले, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और जनजीवन में भय का वातावरण यह स्पष्ट प्रमाण हैं कि पाकिस्तान में मानवाधिकार कितने खोखले हैं। आम लोग भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हैं, परंतु सत्ता अपने लोगों की पीड़ा सुनने के बजाय कट्टरवाद को राजनीतिक सहारा बनाकर स्वयं अपने भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि पाकिस्तान की वर्तमान सोच न केवल भारत के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण है, बल्कि पूरे उपमहाद्वीप की शांति और मानवता के लिए एक गहरा संकट भी है। यदि पाकिस्तान वास्तव में एक बहुलतावादी और आधुनिक राष्ट्र की श्रेणी में आना चाहता है, तो उसे कट्टरपंथ को प्रश्रय देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा के लिए ईमानदार कदम उठाने होंगे। आज तो हालत यह है कि पाकिस्तान की छवि न केवल अल्पसंख्यकों, बल्कि इंसानियत के दुश्मन की बनी हुई है। इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र अपने भीतर की विविधता को दबाता है, जो अपने ही नागरिकों की अस्मिता का सम्मान नहीं करता, उसका भविष्य अंधकारमय होता है। पाकिस्तान यदि वास्तव में एक आधुनिक, विकसित और बहुलतावादी राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे तत्काल यह स्वीकार करना होगा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके धार्मिक स्थलों का संरक्षण उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। मंदिरों और गुरुद्वारों को बचाना केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व है-एक ऐसा दायित्व, जिसकी उपेक्षा ने पाकिस्तान को दुनिया भर में अविश्वास और आलोचना का पात्र बना दिया है।

पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है। आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है।

देश दुनिया से

# प्रदेश के आर्थिक भविष्य की नींव

**हरित** ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) आधुनिक विश्व की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक बन चुकी है, क्योंकि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों जैसे कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापवृद्धि और प्राकृतिक संसाधनों के तीव्र क्षरण जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे परिदृश्य में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, बायो एनर्जी और हरित हाइड्रोजन जैसे नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोत सतत विकास का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक विकास को भी मजबूत आधार प्रदान करती है। भारत जैसे विकासशील देश, जहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है और आयातित ईंधन पर निर्भरता आर्थिक दबाव उत्पन्न करती है, के लिए हरित ऊर्जा का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं देश को आत्मनिर्भर बनाने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों में विकेन्द्रीकृत ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अतिरिक्त, हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और निजी भागीदारी को भी बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत हरित ऊर्जा को सबसे प्रभावी और टिकाऊ समाधान के रूप में स्वीकार किया गया है, जिसके चलते अनेक देश स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और नेट-जीरो उत्सर्जन प्रतिबद्धताओं की ओर अग्रसर हैं। पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से हरित ऊर्जा एक ऐसी विकास अवधारणा है जो वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की पीढियों के हितों की भी रक्षा करती है। इस प्रकार, हरित ऊर्जा केवल ऊर्जा उत्पादन का वैकल्पिक माध्यम नहीं, बल्कि स्वच्छ पर्यावरण, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत आर्थिक प्रगति की दिशा में एक दूरदर्शी और अनिवार्य कदम है। हिमाचल प्रदेश आज नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक स्पष्ट और ठोस दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में, जहां स्वच्छ ऊर्जा समय की आवश्यकता बन चुकी है, वहां राज्य सरकार की सौर ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर केंद्रित नीतियां दूरदर्शी सोच को दर्शाती हैं। इस परिवर्तन की धुरी में माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का स्पष्ट विजन और सक्रिय नेतृत्व प्रमुख भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने यह स्पष्ट किया है कि हिमाचल प्रदेश का विकास केवल अनुदानों पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि राजस्व सृजन, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण- इन तीनों के संतुलन पर आधारित होगा। ऊर्जा क्षेत्र में उनकी सोच यह है कि राज्य अपनी प्राकृतिक क्षमताओं का वैज्ञानिक और सतत उपयोग कर स्थायी आय के स्रोत विकसित करे। राज्य में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी और ब्याज सहायता ने छोटे निवेशकों के लिए नए अवसर सृजित किए हैं। हिम ऊर्जा के माध्यम से छोटे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्स का आवंटन तथा एचपीएसईबीएल द्वारा विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) निवेशकों को दीर्घकालीन सुरक्षा प्रदान करता है। इससे निजी भागीदारी बढ़ी है और राज्य को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। हालांकि, यह आवश्यक है कि सौर ऊर्जा की टैरिफ दरों की समय-समय पर समीक्षा की जाए। वर्तमान व्यवस्था में निवेशक पूरे पीपीए काल में एक निश्चित दर पर बंधे रहते हैं, जो बढ़ती लागत और बदलते बाजार हालात के अनुरूप नहीं है। यदि मुख्यमंत्री के राजस्व-वर्धक दृष्टिकोण के अनुरूप टैरिफ को अधिक व्यावहारिक और गतिशील बनाया जाए, तो यह क्षेत्र और अधिक सशक्त हो सकता है। सरकारी क्षेत्र में भी सौर ऊर्जा की सफलता के स्पष्ट उदाहरण मौजूद हैं। हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा जिला ऊना में स्थापित पेखुबेला, अगलोहर और भंजाल सौर परियोजनाएं यह प्रमाणित करती हैं कि सुनियोजित सरकारी निवेश से न केवल ऊर्जा उत्पादन संभव है, बल्कि राज्य को निरंतर लाभ भी प्राप्त हो सकता है। मुख्यमंत्री सुक्खू की नीति रही है कि एचपीपीसीएल जैसी संस्थाओं को व्यावसायिक दक्षता के साथ कार्य करने के लिए सशक्त बनाया जाए। इसी दूरदृष्टि का परिणाम है कि राज्य ने जिला सोलन में 1 मेगावाट की पहली ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना की पहल की है। यह परियोजना भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक क्रांतिकारी कदम है, जो हिमाचल प्रदेश को उभरती हरित प्रौद्योगिकियों के अग्रणी राज्यों में स्थान दिला सकता है। केंद्र सरकार ने हरित ऊर्जा को देश की दीर्घकालिक विकास रणनीति का मुख्य आधार बनाते हुए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया है। भारत में इस परिवर्तन को गति देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी विजन निर्णायक भूमिका निभा रहा है, जिनका स्पष्ट मत है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता का आधार है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राष्ट्रीय सौर मिशन, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान, रूफटॉप सोलर कार्यक्रम और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे निवेशकों और उद्योगों को सब्सिडी, वित्तीय सहायता और तकनीकी समर्थन प्रदान किया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से वैश्विक सहयोग और स्वदेशी सोलर विनिर्माण को बढ़ावा देकर केंद्र सरकार का स्पष्ट विजन है कि भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए पर्यावरण संरक्षण करे।

हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक विकास को भी मजबूत आधार प्रदान करती है। भारत जैसे विकासशील देश, जहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है और आयातित ईंधन पर निर्भरता आर्थिक दबाव उत्पन्न करती है, के लिए हरित ऊर्जा का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं देश को आत्मनिर्भर बनाने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों में विकेन्द्रीकृत ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अतिरिक्त, हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और निजी भागीदारी को भी बढ़ावा मिलता है।

आप का नज़रिया

# पर्यटन के पांव चले महासू महाराज

**देव म**िलन के रिश्ते, आस्था की सदी लांघ कर उत्तराखंड से हिमाचल पहुंच गए। छत्रधारी चालदा महासू अपने बड़े भैया से मिलने हिमाचल आए हैं। स्वागत में आस्था और विराजमान होने के लिए एक मंदिर प्रतीक्षारत। पश्मी एक छोटा सा गांव, सिरमौर की परंपराओं को टौंस नदी के उस पार उत्तराखंड से जोडक़र धन्य हो गया। इस आयोजन ने कई सदियां और श्रद्धालुओं के सैलाब देखे हैं, जहां श्रद्धा खुद ब खुद देवभूमि के पांव चलने लगती है। इस अद्भुत मिलन के अवसर पर राज्य के कला-संस्कृति, पर्यटन व ग्रामीण विकास विभागों को विशेष प्रदर्शन करना चाहिए था। हम अगर कुंभ और महाकुंभों के आयोजनों में क्षेत्रीय आर्थिकी को नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं, तो चालदा महासू जैसी यात्रा को एक बड़े इवेंट की दृष्टि से सशक्त कर सकते थे। विडंबना यह कि सालाना आयोजनों में देव संस्कृति को बढ़ावा देने वाला प्रदेश इस परंपरा के आकर्षण को नया स्वरूप नहीं दे पाया। गया में कालचक्र, हिमाचल में शिवरात्रि या कुल्लू महोत्सव में देव संगम के जिस तरह का ठौर मिलता है, उसी अंदाज में सिरमौर की इस देव परंपरा का नए परिप्रेक्ष्य में आगाज किया जा सकता है। हजारों की तादाद में पहुच रहे श्रद्धालु पश्मी गांव को मक्का बना रहे हैं, तो वहां हमारी प्रशासनिक तैयारियां भी मुकम्मल होनी चाहिए थीं। छत्रधारी अभी एक साल वहीं अपना आसन जमाएंगे, तो इस वर्ष को हिमाचल की दृष्टि से पश्मी में पूरे सामथ्र्य से मनाना चाहिए। देव स्थल के रूप में पश्मी को राज्य के नक्शे में विशेष स्थान देते हुए एक वार्षिक उत्सव कैलेंडर के रूप में देखना होगा, ताकि आस्था के साथ व्यवस्था और व्यवस्था के साथ आर्थिकी में भी प्रसार हो सके। सिरमौर में पधारे चालदा महासू का महत्त्व समझें तो हिमाचल की देव संस्कृति के साथ आर्थिकी के खाके बदल सकते हैं। जब सिरमौर में आस्था की यात्रा में पश्मी गांव करवटें बदल रहा था, तो उसके बरअक्स धर्मशाला में क्रिकेट की आस्था में डूबे हजारों लोग इसी तरह पहुंच रहे थे। अंतर यह कि धर्मशाला में क्रिकेट मैच की सफलता के लिए पूरा प्रशासन कसरत कर रहा था। वाहनों की पार्किंग से परिवहन व्यवस्था के सारे इंतजाम और कानून व्यवस्था के पहरे सतर्क थे। ऐसे में जो भीड़ सिरमौर की यात्रा में दिखी, उसके प्रति हमारी योजना, प्रचार तथा कानून व्यवस्था क्यों इस स्तर पर नहीं पहुंची। राज्य में नए इवेंट होने चाहिएं, पर्यटन के विविध आयाम होने चाहिएं, लेकिन जनजातीय जीवन शैली, देव संस्कृति से जुड़ी परंपराओं और धार्मिक स्थलों व आयोजनों के प्रति भी जिम्मेदारी व नई दृष्टि चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में मंदिर पर्यटन में विविधता लाने के लिए पूजा पद्धति व श्लोकोच्चारण की शुचिता को अहमियत मिलनी चाहिए। बेशक नदियों के किनारे तीर्थ स्थलों पर आरतियों व महाआरतियों का आयोजन शुरू हुआ है, लेकिन मंदिरों की पूजा विधि में अगर विशिष्टता व अर्थपूर्ण मंत्रोच्चारण की प्रस्तुति को पारंगत किया जाए, तो धार्मिक पर्यटन की क्षमता बढ़ेगी। लोहड़ी उत्सव, घृत मंडल पर्व तथा मकर संक्रांति के अवसर पर तत्तापानी महोत्सव को अगर इवेंट की तरह मनाएं, तो इस दौरान कई तरह के फूड फेस्टिवल भी आयोजित हो पाएंगे। हिमाचल में पर्यटन डेस्टिनेशन की प्लानिंग व वित्त पोषण के अलावा इवेंट पर्यटन के अवसरों को बड़े स्तर पर देखने व पहुंचाने की जरूरत है।

पश्मी एक छोटा सा गांव, सिरमौर की परंपराओं को टौंस नदी के उस पार उत्तराखंड से जोडक़र धन्य हो गया। इस आयोजन ने कई सदियां और श्रद्धालुओं के सैलाब देखे हैं, जहां श्रद्धा खुद ब खुद देवभूमि के पांव चलने लगती है। इस अद्भुत मिलन के अवसर पर राज्य के कला-संस्कृति, पर्यटन व ग्रामीण विकास विभागों को विशेष प्रदर्शन करना चाहिए था। हम अगर कुंभ और महाकुंभों के आयोजनों में क्षेत्रीय आर्थिकी को नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं, तो चालदा महासू जैसी यात्रा को एक बड़े इवेंट की दृष्टि से सशक्त कर सकते थे। विडंबना यह कि सालाना आयोजनों में देव संस्कृति को बढ़ावा देने वाला प्रदेश इस परंपरा के आकर्षण को नया स्वरूप नहीं दे पाया। गया में कालचक्र, हिमाचल में शिवरात्रि या कुल्लू महोत्सव में देव संगम के जिस तरह का ठौर मिलता है, उसी अंदाज में सिरमौर की इस देव परंपरा का नए परिप्रेक्ष्य में आगाज किया जा सकता है। हजारों की तादाद में पहुच रहे श्रद्धालु पश्मी गांव को मक्का बना रहे हैं, तो वहां हमारी प्रशासनिक तैयारियां भी मुकम्मल होनी चाहिए थीं। छत्रधारी अभी एक साल वहीं अपना आसन जमाएंगे, तो इस वर्ष को हिमाचल की दृष्टि से पश्मी में पूरे सामथ्र्य से मनाना चाहिए। देव स्थल के रूप में पश्मी को राज्य के नक्शे में विशेष स्थान देते हुए एक वार्षिक उत्सव कैलेंडर के रूप में देखना होगा, ताकि आस्था के साथ व्यवस्था और व्यवस्था के साथ आर्थिकी में भी प्रसार हो सके। सिरमौर में पधारे चालदा महासू का महत्त्व समझें तो हिमाचल की देव संस्कृति के साथ आर्थिकी के खाके बदल सकते हैं।

दृष्टि कोण

# कैसे रुकेगी रुपए की गिरावट ?

**भारतीय** रुपए में गिरावट चर्चा का विषय बना हुआ है। भारतीय रुपया हाल के दिनों में डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है। 11 दिसंबर 2025 को यह 90.51 के स्तर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले के 84.85 के स्तर से करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्शाता है। यह गिरावट केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाल रही है। अमेरिकी टैरिफ, विदेशी निवेश में कमी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण रुपया दबाव में है। रुपए की गिरावट का एक काला अतीत भी है। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। इसी बीच भारत के आर्थिक इतिहास के एक और भी बुरे दौर की यादें ताजा हो गई हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जो भारत को करेंसी शॉक का सामना करना पड़ रहा है। भारत को सबसे बड़ा झटका 1991 में लगा था, जब देश दिवालिया होने की कगार पर था। उस साल रुपए का संकट इतना गहरा था कि भारत को बचने के लिए अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था। 1991 में भारत ने अपने अब तक के सबसे बुरे बैलेंस ऑफ पेमेंट्स संकट का सामना किया। विदेशी मुद्रा भंडार खतरनाक रूप से कम हो गया था। यह तेल और भोजन जैसे जरूरी आयात के लिए भी मुश्किल से दो या तीन हफ्तों के लिए ही बचा था। अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं का भरोसा खत्म हो चुका था। क्रेडिट रेटिंग्स गिर चुकी थी और भारत अपने बाहरी कर्ज की देनदारी पर डिफॉल्ट करने के करीब था। इस संकट की जड़ें सालों से गलत तरीके से आर्थिक प्रबंधन करने के साथ-साथ वैश्विक झटकों में थी। भारत जीडीपी के 8 फीसदी से ज्यादा का भारी राजकोषीय घाटा चला रहा था। उसी समय विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा था। 1990-91 के खाड़ी युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतों को तेजी से बढ़ा दिया था, जिस वजह से भारत का आयात बिल बढ़ गया। इसी के साथ मध्य पूर्व में काम करने वाले भारतीयों से आने वाला पैसा भी कम हो गया। 1989 और 1991 के बीच

राजनीतिक अस्थिरता ने विदेशी निवेशकों को और भी ज्यादा डरा दिया, जिस वजह से पूंजी पलायन हुआ। जब कोई रास्ता नहीं बचा तो सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया। मई और जुलाई 1991 में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के पास लगभग 67 टन सोना गिरवी रखा। इस कदम से भारत को आपातकालीन फंड के रूप में लगभग $600 मिलियन जुटाने में मदद मिली। उस समय सोने को कड़ी सुरक्षा के बीच देश से बाहर ले जाया गया था। सरकार के इस कदम ने भारत को पूरी तरह से डिफॉल्ट होने से रोक दिया था। सोना गिरवी रखने के साथ-साथ भारत ने वित्तीय सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से संपर्क किया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष बेलआउट पैकेज देने पर सहमत हो गया, लेकिन उसने कड़ी शर्तें लगाई। इनमें संरचनात्मक सुधार, राजकोषीय अनुशासन, व्यापार उदारीकरण और मुद्रा का डीवैल्युएशन शामिल था। प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डा. मनमोहन सिंह की लीडरशिप में ऐतिहासिक सुधार हुए। भारत ने लाइसेंस राज को खत्म किया, आयात शुल्क कम किए, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए दरवाजे खोले और साथ ही खुद को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मिलाया। आइये रुपए की इस गिरावट के चक्रव्यूह को समझने की कोशिश करें। रुपया और डॉलर का रेट तय होने का भी एक बाजार है, जिसे फॉरेक्स मार्केट कहते हैं। यहां बैंक, बड़ी कंपनियां और निवेशक डॉलर खरीदते-बेचते हैं। जब डॉलर की मांग ज्यादा होती है और बाजार में डॉलर कम मिलते हैं, तो डॉलर महंगा और रुपया सस्ता हो जाता है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं. रिश्ते बेहतर रहेंगे. छात्रों के लिए समय फेरबदल करने वाला हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा . इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज भविष्य के लिए आप निवेश की योजना बनाएंगे आपकी आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा व मान–सम्मान में वृद्धि होगी. अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर आपका उत्साह बढ़ा देगी. परिवार के लोगों के साथ इसे बांटना आपको उल्लास से भर देगा. एक–दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ. काम का दबाव रहेगा. लेकिन जीवनसाथी की सहयोग से आप हर तनाव से दूर होंगे. अपने व्यवहार मे खुलापन रखें रिश्तों मे टकराव से बचेंगे।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

सबसे पहले परिवार की जरुरतों को पूरा करना चाहिए जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा. छोटे बच्चों को कोई बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है. कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिये आगे आ सकते हैं. पैसों को लेकर आपकी चिंता दूर हो सकती है. आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं. सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खाना आपको परेशानी में डाल सकता है. बच्चों को शाम के समय मंदिर लेकर जाए अच्छे संस्कार आंएगे।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

कोई पुरानी सरकारी लेनदेन की फाईल वापस बाहर निकल सकती हैं आप मुश्किल मे आ सकते हैं वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी प्रकार की भावनात्मक भागीदारी और लंबी यात्रा से बचना चाहिए. परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति आप के लिए चिंता का विषय हो सकती है. सरकार या उच्च अधिकारियों से अच्छे समर्थन की उम्मीद न करें. शरीर के जोडों मे तकलीफ बनेगी ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज आप को दिया हुआ टारगेट जल्दी ही पूरा करेंगे आज आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की जरूरत है. जीवनसाथी के साथ उलझे किसी मामले को प्यार से सुलझा लिए जाने की संभावना है. उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे. किसी प्रिय व्यक्ति से मिलने का सुख मिलेगा. आज बच्चों को सावधानी से रखें मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं. सर्दी जुकाम जैसी समस्याए बनेगी

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आप शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं तो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से आप को आफर आ सकता हैं किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं. इस राशि के जो लेखक हैं, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है. माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद कर सकता है. आपको किसी काम में पड़ोसियां का भी सहयोग मिल सकता है. बच्चे आपसे अपनी कोई बात शेयर कर सकते हैं. आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए. लक्ष्मी जी का कनेर के पुष्प से पूजन करें आध्यात्मिक लाभ होगा ।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

## आज का पंचांग

दिनांक : 19 दिसंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या अहोरात्र
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 10:51 तक
योग : शूल सायं 03:46 तक
करण : चतुष्पाद सायं 06:10 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 10:51 तक तक
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 05:46 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:57 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:49 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:39 ( विजयवाडा )

### शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# ग्रीन बजट जलवायु परिवर्तन के प्रति कटिबद्धता का प्रतीक : भजनलाल

**जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की प्रकृति के सम्मान की परंपराओं को राज्य सरकार ने अपनी नीतियों एवं अभियानों का प्रेरण–स्रोत बनाया है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए वे राजस्थान को विकास के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले।

शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती, सूर्य को पूजते हैं, क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों के दृष्टिगत राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्राउंड वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग बीस करोड़ पौधे लगाए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि ग्रीन बजट जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्लाइमेट एक्शन प्लान–2030 और क्लीन और ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए प्रदेश में सतत् वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों द्वारा मोबाइल वैन के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई–वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन–जागरूकता और रिवर्स वेंडिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हम प्रदेश को ग्रीन इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारा प्रदेश 22 हजार 860 मेगावाट की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 2 हजार 272 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा शक्ति का ही परिणाम है कि आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन के समय में ही बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता घट रही है।

## सौर ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज की नवीन संभावनाएं तलाशें : भजनलाल शर्मा

**जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत 2 वर्षों में लिए गए निर्णयों से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विद्युत आपूर्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राज्य में विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिम्मेदार कार्मिकों और अधिकारियों की फील्ड विजिट में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने की स्थायी कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए योजना के अनुरूप कार्य किया जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग को प्रदेश में बैटरी स्टोरेज के साथ ही सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

# जनाना अस्पताल के नए भवन में जल्द शुरू होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

**जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में जयपुर के जनाना अस्पताल में नवनिर्मित भवन में कुछ विभागों को जल्द ही शिफ्ट किया जाएगा और पुराने भवन की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि गर्भवती महिलाओं एवं अन्य रोगियों को अधिक सुविधाजनक रूप से स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को जयपुर के जनाना अस्पताल के औचक निरीक्षण के दौरान इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जनाना अस्पताल के पुराने भवन की स्थिति को देखा और कहा कि इस भवन में मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की आवश्यकता है। इसके लिए कुछ विभागों को शीघ्र नए भवन में शिफ्ट किया जाए तथा जिन स्थानों पर मरम्मत कार्यों की आवश्यकता अधिक है, वहां प्राथमिकता से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्यों के लिए स्वीकृत बजट का उपयोग किया जाए। राठौड़ ने हेल्प डेस्क, आईसीयू, लेबर रूम, सोनोग्राफी कक्ष, सामान्य वार्ड सहित विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। अस्पताल परिसर में कहीं भी बिजली के तार खुले नहीं हों। रोगियों के परिजनों के बैठने के लिए समुचित प्रबंध हों। रोगियों एवं परिजनों के साथ चिकित्सकों एवं स्टाफ का व्यवहार संवेदनशील हो।

प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल अधीक्षक से स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए मैनपावर एवं अन्य संसाधनों के बारे में जानकारी ली और आवश्यकतानुसार प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संसाधनों के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं हों।

# देह व्यापार के 39 आरोपी गिरफ्तार, रेव पार्टी और वैश्यावृत्ति का खुलासा

**उदयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** उदयपुर पुलिस ने पर्यटन नगरी में अनैतिक गतिविधियों और देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 31 पुरुष और 8 युवतियों समेत कुल 39 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई विस्मा गांव के पास स्थित इन्द्रप्रस्थ हैरिटेज होटल में हुई, जहां शराब, तेज आवाज और मुजरा के साथ अवैध देह व्यापार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक वृत्त गिर्वा गोपाल चन्देल की टीम ने मुखबीर से मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर 16 दिसंबर को होटल में दबिश दी। होटल में रेव पार्टी का आयोजन राजेश शर्मा, निवासी मानवता नगर, कनाडिया, इन्दौर और ऋषभ राजपूत, निवासी रामनगर एक्सटेन्सन, सादरा, नई दिल्ली कर रहे थे। उनके साथ होटल संचालक मूला राम, निवासी चांद कॉलोनी, पुलिस थाना सादडी, पाली भी शामिल थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अंग्रेजी ब्रांड की शराब, साउंड सिस्टम, पॉवर प्लस सिओग्रा टैबलेट, कंडोम और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पीटा एक्ट, एक्साईज एक्ट और ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

अग्रिम अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर परिहार, त्वरित अनुसंधान प्रकोष्ठ, उदयपुर के नेतृत्व में किया जा रहा है। सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय, गोगुन्दा के समक्ष पेश किया गया।

### रेगिस्तान के विस्तार को रोकने वाली
# अरावली 'ग्रीन वॉल' पर भाजपा सरकार का खतरा : राव नरेंद्र सिंह

**चंडीगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अरावली पर्वतमाला की हालिया नई परिभाषा पर केंद्र और भाजपा शासित राज्य सरकारों की नीतियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे पर्यावरण के लिए घातक और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए गंभीर संकट करार दिया। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि अरावली पर्वतमाला उत्तर भारत की प्राकृतिक धरोहर है, जो थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने वाली एक मजबूत 'ग्रीन वॉल' की तरह कार्य करती है। यह क्षेत्र जल संरक्षण, जैव विविधता और वायु गुणवत्ता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन हालिया परिभाषा में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली का हिस्सा नहीं माना जा रहा है, जिससे पूरा अरावली क्षेत्र विनाश के कगार पर पहुंच जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार खनन, रियल एस्टेट और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जानबूझकर अरावली की परिभाषा में छेड़छाड़ कर रही है। इससे पर्यावरणीय संतुलन बुरी तरह बिगड़ेगा और जलस्तर में गिरावट, वायु प्रदूषण में वृद्धि तथा जैव विविधता का ह्रास होगा। यदि अरावली का संरक्षण नहीं किया गया तो दिल्ली–एनसीआर सहित आसपास के क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण का खतरा तेजी से बढ़ेगा, जिसका खामियाजा भावी पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा।

राव नरेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि यह पर्यावरण विरोधी नीति न केवल प्राकृतिक सुरक्षा कवच को कमजोर कर रही है, बल्कि जनविरोधी फैसलों का प्रतीक भी है। कांग्रेस पार्टी अरावली की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और पर्यावरण से किसी भी तरह के खिलवाड़ को सहन नहीं करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से इस परिभाषा पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

# मजदूर और गरीबों के हक के लिए संसद से सड़क तक लड़ेंगे : दीपेन्द्र हुड्डा

**चंडीगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सांसद जय प्रकाश जेपी, सांसद वरुण मुलाना, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने एक संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम मिटाने का विरोध करते हुए मजदूर और गरीबों के हक के लिए संसद से सड़क तक लड़ने का ऐलान किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पूंजीपतियों द्वारा चलायी जा रही सरकार द्वारा मजदूरों के हकों को कुचलने नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि सांसद वरुण मुलाना ने जब संसद में मनरेगा कार्यों को लेकर सवाल पूछा तो उसके जवाब से चौंकाने वाली जानकारी मिली कि हरियाणा में 8 लाख से अधिक मनरेगा मज़दूर पंजीकृत व सक्रिय हैं, लेकिन 2024–25 में महज़ 2,191 परिवारों को ही 100 दिन का काम मिला। यही नहीं, मनरेगा कानून के तहत तय बेरोज़गारी भत्ता, जो समय पर काम न मिलने पर दिया जाना चाहिए, पिछले पाँच वर्षों में हरियाणा के एक भी मज़दूर को नहीं दिया गया। हरियाणा सरकार के पास बेरोजगारी भत्ता देने तक का पैसा नहीं है। वीबी जी राम जी बिल पर संसद में विपक्ष की तरफ से सांसद जयप्रकाश जी ने सरकार से तीखे सवाल किए तो विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बजाय संसद को ही स्थगित कर दिया। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि मनरेगा योजना से महात्मा गांधी जी का नाम हटाना भाजपा की असल कार्यशैली है। यह सरकार केवल नाम बदलने में विश्वास रखती है, काम में नहीं। भगवान् राम के नाम से कोई योजना लानी ही थी तो भाजपा सरकार को कोई नयी योजना लानी चाहिए थी। भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा से महात्मा गांधी जी का नाम हटाने और योजना को खत्म करने की साजिश रचना, गरीब आदमी के साथ बड़ा विश्वासघात है। यह अस्वीकार्य है! सांसद जय प्रकाश जेपी ने कहा कि आज का दिन इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जायेगा।

### हरियाणा ने पोक्सो मामलों में
# फॉरेंसिक डीएनए प्रोटोकॉल में स्थापित किया स्वर्ण मानक : डॉ. मिश्रा

**चंडीगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा की गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) डॉ. सुमिता मिश्रा ने कुछ राज्यों, जिनमें पंजाब भी शामिल है, में बच्चों के यौन शोषण से संरक्षण (पोक्सो) मामलों में डीएनए रिपोर्ट के अधिक नकारात्मक आने को लेकर हालिया मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए आज बताया कि हरियाणा ने वैज्ञानिक रूप से मजबूत, तीन–स्तरीय फॉरेंसिक जांच प्रोटोकॉल स्थापित किया है, जो फॉरेंसिक उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक मानक के रूप में उभरा है। इस प्रोटोकॉल के तहत 99 प्रतिशत की अभूतपूर्व डीएनए पॉजिटिविटी दर हासिल हुई है, जबकि नकारात्मक रिपोर्ट 1 प्रतिशत से भी कम हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण वैज्ञानिक कठोरता, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और हमारे बच्चों को न्याय दिलाने की अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित है। हमने ऐसी प्रणाली विकसित की है जो यह सुनिश्चित करती है कि अदालत में प्रस्तुत किया जाने वाला हर फॉरेंसिक साक्ष्य विश्वसनीय, उपयोगी और न्यायिक जांच के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरने में सक्षम हो। एसीएस ने बताया कि हरियाणा मॉडल वैज्ञानिक रूप से फिल्ट्रेड, चरणबद्ध दृष्टिकोण का पालन करता है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण स्तर शामिल हैं –पहला, कथित पीड़ितों का समय–संवेदी चिकित्सकीय परीक्षण, जिसे निर्धारित समय–सीमा के भीतर किया जाता है, ताकि भौतिक साक्ष्यों का सूक्ष्म संग्रह, अग्रेषण और फॉरेंसिक जांच हेतु समुचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित हो सके।

# विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन संसदीय गरिमा में कार्यवाही संपन्न

**चंडीगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा विधान सभा के शीतकालीन सत्र की पहले दिन की कार्यवाही संसदीय गरिमा और मर्यादा में संपन्न हुई। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में आयोजित प्रश्नकाल और शून्यकाल में अनेक विधायकों ने स्कूल, उच्च शिक्षा और जलभराव जैसे जनहित के विषयों को उठाया। राज्य के विद्यालयों/प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित शिक्षकों तथा अनुदेशकों की भारी कमी विषय पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस दौरान एक सरकारी संकल्प पर विस्तृत चर्चा हुई और 8 विधेयक पेश किए गए। शुक्रवार को कार्यवाही दो बैठकों में होगी। पहली बैठक सुबह 10 बजे शुरू होगी। विपक्ष की ओर से लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव पर दोपहर बाद चर्चा होगी। सत्र के पहले दिन सदन में 'हिन्द की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान वर्ष मनाने के विषय पर सरकारी संकल्प सर्वसम्मति से पास हुआ। इससे पूर्व इस पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस दौरान विधायकों ने कहा कि इस आयोजन से हरियाणा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में शिरकत कर इस आयोजन की भव्यता को बढ़ाया है। इस पर चर्चा के दौरान हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पग की भी तारीफ की। रतिया के विधायक जरनैल सिंह ने भी मुख्यमंत्री के पग की सराहना की।

इसके उपरांत विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पंजाबी में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी की पग बड़ी सोहणी लग रही है। बता दें कि वीरवार को मुख्यमंत्री पग बांध कर सदन में आए थे।इससे पूर्व विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नेता प्रतिपक्ष बनने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव से सदन के नए सदस्यों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

# संस्कृति में होती है राष्ट्र की आत्मा : योगी

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में होती है। उन्होंने कहा कि जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र के जीवन में भी होता है। किसी भी राष्ट्र की संस्कृति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। वह खंडहर में परिवर्तित हो जाता है और अपनी पहचान को खो देता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि यह अवसर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, भारत की कला, स्वर व लय ने अपनी पहचान को विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जो निरंतरता दी, उसी के बदौलत हमारी सनातन संस्कृति विश्व में खुद को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि कलाकार की कला एक ईश्वरीय गुण है जिसकी हमें अवमानना नहीं करनी चाहिए। कलाकार किसी भी विधा से जुड़ा हो, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और संस्कार को इस संस्थान ने एक नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने पिछले 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दिशा में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय से जुड़े सभी महानुभावों के योगदान के लिए उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1940 में गुरुदेव रबिंद्रनाथ टैगोर ने एक पत्र जारी कर इस संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया था। यह प्रसन्नता का विषय है कि पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की भावनाओं के अनुरूप इस संस्थान को विश्वविद्यालय का स्वरूप प्रदान किया जा सका। वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ और वर्ष 1950 में संविधान लागू हुआ। इसके बाद वर्ष 2017 तक अनेक सरकारें आईं और गईं, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के विषय में उनसे संवाद किया।

उन्होंने बताया कि प्रस्ताव आने में देर हुई, विभाग से निरंतर संवाद हुआ और अंततः वर्ष 2022 में सरकार ने इसे विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी। यह उत्तर प्रदेश का पहला संस्कृति विश्वविद्यालय है। उन्होंने कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा विश्वविद्यालय का कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत' थीम पर आधारित किया गया, जिसका अर्थ है-पूरा जगत नाद के अधीन है। यह जीवन की सच्चाई को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। उन्होंने नाद योग का उल्लेख करते हुए कहा कि विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति तीनों ही इसकी पुष्टि करते हैं। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का विजन भी यही है कि नाद के अधीन पूरा जगत है। उन्होंने कहा कि संगीत की विभिन्न विधाओं के माध्यम से इसी नाद की पहचान करना साधना का विषय है। विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व कलाकारों को सम्मानित किए जाने पर उन्होंने कहा कि ये कलाकार न केवल भातखंडे की परंपरा, बल्कि उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों को भी वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं। कॉफी टेबल बुक के विमोचन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में यह पुस्तक प्रेरणा का कार्य करेगी। देश की आज़ादी के शताब्दी महोत्सव के साथ जब विश्वविद्यालय जुड़ रहा होगा, तब यह कॉफी टेबल बुक अत्यंत प्रासंगिक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने पंडित विष्णु नारायण भातखंडे के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1926 में देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था। उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित थी और संगीत तथा कला के लिए मंच उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस दौर में पंडित भातखंडे ने भारतीय संगीत को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। शास्त्रीय अनुशासन, सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, राग-ताल का वर्गीकरण, क्रमिक पद्धति और गुरु-शिष्य परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना उनका ऐतिहासिक योगदान था। यह कार्य केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति को आत्मसम्मान, आत्मगौरव और स्थायित्व देने का प्रयास था।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में देश में अपनी विरासत को पुनः खोजने का कार्य आरंभ हुआ है। इससे भारत को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिल रही है। उन्होंने वर्ष 2019 के कुम्भ और वर्ष 2025 में आयोजित महाकुम्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोगों का मानना था कि आज का युवा अपनी संस्कृति से विमुख हो रहा है। औपनिवेशिक काल में इस प्रकार की धारणा को जानबूझकर बढ़ाया गया। लेकिन महाकुम्भ 2025 में 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस मिथक को तोड़ दिया। इनमें सर्वाधिक संख्या युवाओं की थी। न केवल भारत, बल्कि विश्व के हर कोने से लोग इस आयोजन से जुड़े। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सही प्लेटफॉर्म मिलने पर संस्कृति स्वतः आगे बढ़ती है।

## राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का नगर विकास मंत्री ने किया निरीक्षण

### लिगसी वेस्ट की समस्या, समाधान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और विकास की दिशा में बड़ी पहल

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगर निगम लखनऊ सीमा क्षेत्र में नवनिर्मित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा शेष बचे अवशेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मंत्री ने कहा कि स्थल लखनऊ नगर के लिए प्रेरणादायी और उदाहरण प्रस्तुत करने वाला केंद्र बनेगा। नगर निगम लखनऊ क्षेत्र में वर्ष 2016 तक आईआईएम रोड, घैला स्थित स्थल एकमात्र डंपिंग स्थल था, जहां प्रतिदिन पूरे नगर से उत्सर्जित ठोस अपशिष्ट का परिवहन कर डंप किया जाता था। उस समय वैज्ञानिक निस्तारण की समुचित व्यवस्था उपलब्ध न होने के कारण घैला डंपिंग स्थल पर लगभग 6,33,911 मीट्रिक टन लिगेसी वेस्ट एकत्र हो गया था, जिससे पर्यावरण, भू-जल और आसपास के निवासियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था। लिगेसी वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रिया अपनाते हुए

इस पूरे क्षेत्र को कूड़ा मुक्त किया गया है और अब इसे राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित कर भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान करते हुए यह कार्य स्वच्छ भारत मिशन की भावना को साकार करता है। यह परियोजना केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और नगर के सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि सभी शेष कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर इस स्थल को आमजन के लिए अधिक आकर्षक, उपयोगी और प्रेरणास्पद बनाया जाए।

## 2026 में अमेठी को मिलेगा 550 बेड वाला आधुनिक मेडिकल कॉलेज

### अब महानगरों का सफर खत्म, अमेठी में ही मिलेगा गंभीर से गंभीर बीमारी का इलाज
### 31 जनवरी तक 300 बेड का अस्पताल व क्रिटिकल केयर ब्लॉक होंगे हैंडओवर

**लखनऊ /अमेठी,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। अमेठी की तिलोई तहसील में स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा इस महाविद्यालय का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वर्तमान में महाविद्यालय से संबद्ध 200 बेड वाले अस्पताल में सेवाएं संचालित हैं, जबकि 31 जनवरी तक 300 बेड का नया अस्पताल और 50 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक हैंडओवर किया जाएगा। इससे कुल बेड की संख्या 550 हो जाएगी, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। साथ ही नर्सिंग कॉलेज का निर्माण भी इसी तिथि तक पूरा होने की उम्मीद है। योगी सरकार की यह पहल अमेठी सहित आसपास के जिलों के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। क्षेत्रवासियों का लंबे समय से चला आ रहा मेडिकल कॉलेज का सपना अब साकार हो रहा है और तक यह संस्थान पूर्ण रूप से 500 प्लस बेड वाले

आधुनिक चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा।राज्य स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। एमबीबीएस कोर्स में 100 सीटें स्वीकृत हैं। पैरामेडिकल क्षेत्र में 11 डिप्लोमा कोर्स चलाए जा रहे हैं, जिनमें कुल 230 सीटें हैं। इनमें एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर, लैब टेक्नीशियन, ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन, एक्स-रे टेक्नीशियन जैसे महत्वपूर्ण कोर्स शामिल हैं।आगामी सत्र 2026-27 से बीएससी नर्सिंग कोर्स में 60 सीटें शुरू होने की तैयारी है। महाविद्यालय से जुड़े अस्पताल में ओपीडी और इनडोर सेवाएं नियमित चल रही हैं। मेडिसिन, सर्जरी, गायनेकोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, डर्मेटोलॉजी समेत कई विभागों में रोजाना 1000 से ज्यादा मरीजों का इलाज हो रहा हैं।आपातकालीन सेवाएं वर्तमान में 10 बेड पर चल रही हैं, जो नए अस्पताल के शुरू होने पर 30 बेड तक बढ़ जाएंगी। अस्पताल में 7 मेजर और 5 माइनर ऑपरेशन थियेटर, 20 बेड का आईसीयू और एनआईसीयू की सुविधा उपलब्ध है। 24÷7 डायग्नोस्टिक सेवाएं जैसे सीटी स्कैन, मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ रीना शर्मा ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार न सिर्फ योजनाओं को लागू किया जा रहा है बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी वृद्धि की जा रही है। लोक निर्माण विभाग सीडी टू के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्र ने बताया कि मेडिकल कालेज का भवन अब जी प्लस सिक्स हो गया है।

## अब खाद माफिया पर लगेगा एनएसए

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** योगी सरकार खाद की कालाबाजारी को लेकर काफी सख्त है। योगी सरकार ने खाद की कालाबाजारी के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दिया है कि खेती और किसान हितों से जुड़ा अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद माफिया के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम एनएसए जैसी कठोर कार्रवाई की जा रही है। योगी सरकार का मानना है कि उर्वरकों की कालाबाजारी केवल आपूर्ति या प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर खाद्य सुरक्षा, किसान की आजीविका और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर अपराध है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग किसानों को संकट में डालकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं, वे केवल कानून नहीं तोड़ रहे, बल्कि देश और प्रदेश की खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को 'सामान्य अपराधी' मानकर नहीं छोड़ा जाएगा। जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ एनएसए जैसी कठोर धाराएं लगाई जाएंगी, ताकि वे लंबे समय तक समाज के लिए खतरा न बन सकें। योगी सरकार ने खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग की शिकायतों पर त्वरित एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। अब केवल नोटिस या चेतावनी देकर मामले को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जाएगा। जिला प्रशासन को अधिकार दिया गया है कि वह मौके पर ही सख्त कार्रवाई करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान को खाद के लिए दर-दर भटकना पड़े, यह सरकार के लिए स्वीकार्य नहीं है। योगी सरकार ने खाद की आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सरप्राइज इंस्पेक्शन का तंत्र मजबूत किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अब केवल दुकानदार ही नहीं, बल्कि निगरानी में लापरवाही बरतने वाले अफसर भी जवाबदेह होंगे। औचक निरीक्षण के दौरान स्टॉक, बिक्री रजिस्टर, दर सूची और वितरण प्रक्रिया की गहन जांच की जा रही है। यदि किसी स्तर पर मिलीभगत या आंख मूंदने की शिकायत सामने आती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई तय है। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में डेली स्टॉक रिपोर्टिंग सिस्टम लागू किया है। योगी सरकार की सख्ती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश भर में 5,000 से ज्यादा खाद दुकानों का निरीक्षण किया गया। रबी सीजन 2025-26 के लिए प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। यूरिया, डीएपी और एनपीके की कुल उपलब्धता 130 लाख मीट्रिक टन से अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, तो कालाबाजारी का कोई औचित्य नहीं बनता। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, ओवररेटिंग या जबरन टैगिंग की शिकायत तुरंत प्रशासन तक पहुंचाएं। सरकार उनके साथ खड़ी है और हर शिकायत पर कार्रवाई होगी। खाद माफिया को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया है कि अब कानून का डंडा और भी सख्त होगा। खेती के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है।

## पंचायत चुनाव में बढ़चढ़कर भागीदारी करेगा अपना दल एस

### अपना दल एस की होंगी मण्डलवार समीक्षा बैठक,मंत्री आशीष पटेल करेंगे सीधा संवाद

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देश के बाद पार्टी ने मंडलवार समीक्षा का निर्णय लिया है। बैठक में जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और मंडल में निवास करने वाले राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल उपस्थित पदाधिकारियों से सीधा संवाद करेंगे।

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंडलवार समीक्षा बैठक का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की विधानसभाओं में पार्टी संगठन की तैयारी, विधानसभा अध्यक्ष, जोन अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष के कार्यों की समीक्षा करना है। जहां संगठन कमजोर या निष्क्रिय है उसे सक्रिय करने पर विचार कर संगठन को मजबूत करने की दिशा को गति देना है। 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी के बढ़ चढ़करभागीदारी करने में कोई कोर कसर न रहे।

मंडलवार समीक्षा के क्रम में प्रथम चरण में 8 मंडलों की बैठक होगी, जिसमें पार्टी के वर्तमान जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और मंडल में निवास करने वाले सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों को भाग लेना है और इन सभी की उपस्थिति को अनिवार्य किया गया है। प्रथम चरण में 21 दिसंबर से 24 दिसंबर तक 8 मंडल के सभी जिलों की भागीदारी होगी। 21 दिसंबर को आजमगढ़ और बस्ती, 22 दिसंबर को लखनऊ और वाराणसी, 23 दिसंबर को अयोध्या और देवीपाटन और 24 दिसंबर को कानपुर और चित्रकूट मंडल के जिलों के पदाधिकारी बैठक में शामिल रहेंगे।

## 20 हजार वेफर्स क्षमता वाली ओसैट यूनिट से यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर हब

### डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स से मोबाइल, ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिलेगा सपोर्ट

लखनऊ 18 दिसम्बर। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को उत्तर प्रदेश में एक नई गति और दिशा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जिस आत्मनिर्भर और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का विजन लेकर आगे बढ़ रही है उसकी मजबूत झलक एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट के रूप में धरातल पर आने वाली है। सबसे प्रमुख विशेषता इसकी 20,000 वेफर्स प्रति माह की उत्पादन क्षमता है। क्षमता इस परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक महत्व प्रदान करती है, और भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की दिशा में इसे एक बड़ा कदम बनाती है। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी के मध्य में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी संभावित है, उसके बाद परियोजना पर तेजी से काम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार कहते रहे हैं कि उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है। बेहतर कानून-व्यवस्था मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल नीतियों का परिणाम है कि एच-सीएल और फॉक्सकॉन जैसी वैश्विक कंपनियां राज्य में निवेश के लिए आगे आई हैं। इस साझेदारी से न केवल तकनीकी विशेषज्ञता आएगी बल्कि सेमीकंडक्टर स्किल डेवलपमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा।यह परियोजना केवल एक औद्योगिक निवेश नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश को भविष्य की वैश्विक तकनीक से जोड़ने वाला रणनीतिक कदम है। एच-सीएल ग्रुप की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा का कहना है कि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास यह इकाई स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह यूनिट उत्तर प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी। इसमें हर माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स की प्रो-सेसिंग की जाएगी जिनसे बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर चिप्स तैयार होंगी। सेमीकंडक्टर उद्योग में वेफर को चिप निर्माण की आधारशिला माना जाता है। एक वेफर से चिप के आकार और तकनीक के अनुसार सैकड़ों से लेकर हजारों माइक्रोचिप्स तैयार की जाती है। ऐसे में 20,000 वेफर्स की मासिक क्षमता का अर्थ है कि यह यूनिट हर महीने लाखों से लेकर करोड़ों चिप्स के निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अंजाम दे सकेगी। यह उत्पादन क्षमता भारत में डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने में निर्णायक साबित होगी।इस संयंत्र में मुख्य रूप से डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का निर्माण किया जाएगा जिनका उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर, ऑटोमोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है।

## स्वदेशी से समृद्धि की ओर उत्तर प्रदेश

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** योगी सरकार की स्वदेशी, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर भारत की सोच को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ में 10 दिवसीय मण्डल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी-2025 का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी 18 से 27 दिसम्बर 2025 तक आमजन के लिए खुली रहेगी, जिसमें खादी, ग्रामोद्योग एवं माटीकला से जुड़े उत्पादों के 130 स्टॉल लगाए गए हैं।प्रदर्शनी का उद्घाटन वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने किया । उद्घाटन अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खादी भारत की आज़ादी, स्वदेश और स्वावलंबन का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने चर्खे के माध्यम से आमजन को आत्मनिर्भर बनने की दिशा दिखाई थी, जिसका साकार स्वरूप आज योगी सरकार के नेतृत्व में देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में स्वच्छता, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, स्वरोजगार सृजन और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग इस लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।प्रदर्शनी में लेदर उत्पाद, भदोही के कालीन, माटीकला से बने बर्तन एवं घरेलू सजावटी सामान, प्रतापगढ़ का आंवला मुरब्बा, वाराणसी की रेशम एवं सिल्क साड़ियां, राजस्थान के बीकानेरी पापड़ व नमकीन, उत्तराखंड के कोट, विभिन्न प्रकार की चादरें तथा हस्तशिल्प आधारित वस्त्र आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

## योगी सरकार युवाओं को देगी डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां

**लखनऊ,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को अगले वर्ष बड़ा तोहफा देने जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विभागवार सरकारी नौकरी के खाली पदों की डिटेल मांगी थी, ताकि खाली पदों पर नियुक्ति की जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा के बाद व2026 में प्रदेश के युवाओं को डेढ़ लाख सरकारी नौकरी देने की अनुमति दे दी है। ये नौकरियां पुलिस, शिक्षा, राजस्व, आवास विकास समेत प्रदेश विभिन्न विभागों में दी जाएगी। इसमें सबसे अधिक पुलिस और शिक्षा विभाग में भर्तियां होंगी। 2026 में योगी सरकार के नाम सबसे अधिक सरकारी नौकरी देने का रिकार्ड भी दर्ज हो जाएगा। योगी सरकार प्रदेश में पहली सरकार होगी, जिसने दस वर्षों में दस लाख सरकारी नौकरी देने की सौगात दी। योगी सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को विभिन्न विभागों में साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी है। सीएम योगी ने प्रदेश के विभिन्न विभागों के खाली पदों की जानकारी मांगी। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार वर्ष 2026 में पुलिस और शिक्षा विभाग में करीब 50-50 हजार पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी करेगी।

# एशेज टेस्ट : कमिंस और लियोन के आगे इंग्लैंड रहे बेबस, दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

**एडिलेड, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

कप्तान पैट कमिंस (3/54) और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन (2/51) की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के 8 विकेट केवल 213 पर गिरा दिए। इंग्लैंड अब ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है।

दूसरे दिन सुबह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को 371 रन पर समेटते हुए अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। दिन की शुरुआत में मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन ने अपनी रात की साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए स्कोर को 326/8 से 344 तक पहुंचाया। स्टार्क ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 73 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने उनकी 54 रन की पारी का अंत किया। आर्चर ने लियोन का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी समाप्त की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना तीसरा पांच विकेट हॉल सहित कुल चौथा फाइफर पूरा किया।

जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने आठवें ओवर में जैक क्रॉली को आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नाथन लियोन ने अपने पहले ही ओवर में ओली पोप और बेन डकेट को लगातार दो गेंदों पर आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। इस दौरान लियोन ने ग्लेन मैक्ग्राथ (563 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का कीर्तिमान भी रच दिया।

जो रूट और हैरी ब्रूक ने कुछ देर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने रूट को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक ने संघर्ष दिखाया, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। ब्रूक 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टोक्स 45 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिन के खेल में अंपायरिंग और स्निको तकनीक को लेकर भी विवाद देखने को मिला। जेमी स्मिथ के दो फैसलों पर सवाल उठे, जिससे इंग्लैंड के खेमे में नाराजगी दिखी।

## न्यूज ब्रीफ

### ग्रीन के बाद आईपीएल नीलामी में दिल्ली टीम में शामिल डकेट भी हुए फ्लाप

**नई दिल्ली।** आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने इस बार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन को सबसे अधिक रकम देकर खरीदा। वहीं इंग्लैंड के बेन डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा। ये दोनो ही खिलाड़ी इसके ठीक बाद मैदान पर असफल रहे हैं। ग्रीन को कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने 25.20 करोड़ में खरीदा था पर वह एशेज के तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर ही आउट हो गये। वहीं डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने आधार मूल्या 2 करोड़ में खरीदा था पर वह भी रन बनाने में विफल रहे। डकेट 30 गेंद में 29 रन बनाकर वह नाथन लायन की गेंद पर आउट हुए। डकेट ने इंग्लैंड के लिए अब तक कुल 20 टी20 में 527 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 153.64 का रहा है। आईपीएल में डकेट को खेलने का अनुभव नहीं है। डकेट पहली बार आईपीएल के लिए चयनित हुए हैं। ऐसे में देखना ये होगा कि कैपिटल्स को खरीदकर डकेट को कितन लाभ होता है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एलेक्स कैरी के शतक और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक से 82 रन बनाए ।

### लखनऊ सुपरजायंट्स के जोश इंग्लिस को खरीदने के फैसले पर उठे सवाल

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर प्रीमियर लीग 2026 सत्र के लिए हुई नीलामी में कई टीमों ने सूझबूझ से फैसले करते हुए कई स्टार खिलाड़ियों को काफी कम रकम में जोड़ लिया। वहीं कुछ टीम ने जिसप्रकार से खिलाड़ियों को खरीदा है। उससे उनके फैसलों पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा ही कुछ लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम ने किया है। टीम ने जिस प्रकार चार मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को 8.60 करोड़ रुपए में खरीदा हैं। उससे सही नहीं माना जा रहा। लखनऊ की टीम नीलामी में 22.95 करोड़ के पर्स के साथ उतरी थी। टीम को 6 स्थानों के लिए खिलाड़ियों की जरुरत थी। इसी में टीम गलती कर बैठी। शुरुआत में लखनऊ ने कम पैसों में कुछ अच्छे प्लेयर खरीदे पर बाद में जिस प्रकार टीम ने इंग्लिस को 8.60 करोड़ रुपए में खरीदा उसे सही नहीं माना जा रहा है। ये इसलिए क्योंकि इंग्लिस केवल 4 मैचों के लिए ही खेलेंगे। इंग्लिस ने नीलामी से पहले ही ये घोषणा कर दी थी कि वह पूरे सीजन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। ऐसे में अब करार के अनुसार इंग्लिस को हर एक मैच के लिए लखनऊ को 2 करोड़ 15 लाख रुपये देने होंगे। ऐसे में केवल 4 मैच के लिए इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को करोड़ों रुपये मिल जाएंगे। इंग्लिस ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन किया था। आईपीएल अनुबंध के अनुसर अगर कोई खिलाड़ी पहले से ही अपनी उपलब्धता के बारे में बता देता है कि वह कितने मैचों के लिए टीम के साथ रहेगा और फिर उसे नीलामी में कोई खरीदता है तो उसे पूरा पैसा मिलता है। इसके अलावा अगर कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता है और अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहता है, भले ही उसे अंतिम ग्यारह में मौका न मिले तो भी उसे पूरी अनुबंध राशि मिलती है।

### भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच रद्द होने से भड़के प्रशंसकों ने कार्यक्रम की टाइमिंग पर सवाल उठाये

**लखनऊ।** भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच धुंध और कोहरे के कारण रद्द होने के बाद से ही लोगों ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर सवाल उठाये हैं। जहां कुछ दर्शकों ने टिकट का पैसा वापस करने की मांग की है। वहीं अधिकतर लोगों ने कहा कि कार्यक्रम गलत तरीके से बनाया गया है। सभी जातने हैं कि दिसंबर के महीने में उत्तर भारत में कोहरे की समस्या होती है। ऐसे में इस समय यहां मैच किस कारण से रखा गया। वहीं एक प्रशंसक ने कहा, बेहतर होता अगर मैच को दिन में कराया गया होता। टिकट के पैसे वापस देना अलग बात होती है। हम मैच देखना चाहते थे, अपनी भारतीय क्रिकेट टीम को देखना चाहते थे। मैच देखने के लिए दूर-दूर से लोग आए थे। वहीं एक अन्य प्रशंस ने कहा, हम सभी भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसक हैं। मैं आगरा से यहां मैच देखने आया था। मैं अब बहुत निराश हूं। मैं मैच के लिए सुबह ही घर से निकल गया था। इस मैच को इसलिए रद्द करना पड़ा क्योंकि घने कोहरे के कारण कुछ भी नहीं दिख रहा था। ऐसे में अंपायरों से बात कर मैच रैफरी ने मैच रद्द कर दिया। लखनऊ में प्रदूषण इतना था कि ओवर कम करके मैच कराने की कोशिश की गई। कई बार अंपायर निरीक्षण के लिए मैदान पर गए और लौटे, इस उम्मीद में की शायद कुछ इंतजार के बाद क्रत्रिम रोशनी में विजिबिलिटी खेलने लायक हो जाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

# शानदार साल का खिताबी अंत करने पर बोले पीएसजी कोच एनरिके– हमने फिर इतिहास रचा

**अल-रय्यान (कतर), 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के मुख्य कोच लुइस एनरिके ने फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा कि उनकी टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। पीएसजी ने रोमांचक फाइनल में फ्लामेंगो को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया।

पीएसजी के लिए 2025 का साल ऐतिहासिक रहा। लुइस एनरिके के मार्गदर्शन में टीम ने 2024-25 सत्र में ट्रेबल जीता, जिसमें क्लब का पहला यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब भी शामिल है। इसी कड़ी में टीम ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर साल का शानदार अंत किया।

निर्धारित समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक गया, जहां पीएसजी के रूसी गोलकीपर माटवेई सफोनोव ने चार पेनल्टी बचाकर टीम को 2-1 से जीत दिलाई और नायक बने।

मैच के बाद लुइस एनरिके ने कहा, 'हमने फिर इतिहास रचा है। 2025 के इस अविस्मरणीय और शानदार साल में हमने हर मुकाबले में वही जज़्बा दिखाया। हम अपने लिए, क्लब के लिए और अपने समर्थकों के लिए बेहद खुश हैं। यह अद्भुत एहसास है और हमें इसी तरह आगे बढ़ते रहना होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने समर्थकों से गहराई से जुड़े हुए महसूस करते हैं। पार्स दे प्रिंसेस में हो या बाहर के मैच, हर जगह यह जुड़ाव महसूस होता है। अब हमें थोड़ा आराम करना है। एक कूप डी फ्रांस का मैच बाकी है, उसके बाद क्रिसमस पर छोटा सा ब्रेक मिलेगा। हमारी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का सही संतुलन है और हम इससे बेहद संतुष्ट हैं।'

पीएसजी के मिडफील्डर वितिन्हा को 2025 फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने प्रदान किया।

वितिन्हा ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय एहसास है। यह बहुत महत्वपूर्ण फाइनल था और हमने इसे जीत लिया। मुकाबला कठिन था, हमने कड़ी मेहनत की और अब हम बहुत खुश हैं। हमने बेहतरीन काम किया है—कड़ी मेहनत के साथ थोड़ी किस्मत भी हमारे साथ थी। सफोनोव भी शानदार रहे।

### 100 रुपये से होगी आईसीसी टी20 विश्वकप के टिकटों की शुरुआत

**कोलकाता।** बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने अगले साल की शुरुआत में ईडन गार्डन्स में होने वाले टी20 विश्व कप मैचों के टिकटों की कीमतें घोषित कर दी हैं। इसमें सबसे कम कीमत वाला टिकट 100 रुपये का रखा गया है। सीएबी ने ग्रुप चरण और नॉकआउट मैचों के लिए अलग-अलग कीमतें रखी है। टी20 विश्वकप सात फरवरी से शुरू होगा। बांग्लादेश और इटली, इंग्लैंड और इटली और वेस्टइंडीज और इटली के ग्रुप मैच के लिए प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी (बी प्रीमियम) टिकट 4,000 रुपये की रहेगी। वहीं लोअर ब्लॉक बी और एल 1-1 हजार रुपये, लोअर ब्लॉक सी, एफ 200-200 रुपये, लोअर ब्लॉक डी, ई, जी, एच और जे का टिकट 200-200 रुपये का रहेगा। वहीं, अपर ब्लॉक बी1, सी1, डी1, एफ1, जी1, एच1, के1 और एल1 के टिकट 100-100 रुपये में मिलेंगे। वहीं वेस्टइंडीज और बांग्लादेश और इंग्लैंड व बांग्लादेश के बीच ग्रुप मैच के टिकट की कीमतें थोड़ी ज्यादा अधिक रखी गई हैं। इसका कारण है कि इन मैचों में प्रशंसकों की भारी भीड़ रहने की संभावना है। इसमें प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी (बी प्रीमियम) टिकट की कीमत 5,000 रुपये रहेगी, जबकि लोअर ब्लॉक बी और एल की कीमत 1,500 रुपये रखी गई है। लोअर ब्लॉक सी, एफ और के टिकट की कीमत 1,000 रुपये, लोअर ब्लॉक डी, ई, जी, एच और जे के टिकट 500 रुपये, और अपर ब्लॉक बी1, सी1, डी1, एफ1, जी1, एच1, के1 और एल1 की कीमत 300 रुपये रखी है। वहीं सुपर आठ मुकाबलों और सेमीफाइनल के लिए प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी (बी प्रीमियम) टिकट की कीमत 10,000 रुपये रखी गई है। लोअर ब्लॉक बी और एल टिकट की कीमत 3,000 रुपये, लोअर ब्लॉक सी, एफ और के की कीम 2,500 रुपये, लोअर ब्लॉक डी, ई, जी, एच और जे की कीमत 1,500 रुपये होगी जबकि अपर ब्लॉक बी1, सी1, डी1, एफ1, जी1, एच1, के1 और एल1 की कीमत 900 रुपये रखी गई है।

# कॉनवे और लैथम की ऐतिहासिक शतकीय साझेदारी पहले दिन वेस्टइंडीज बैकफुट पर

**माउंट माउंगानुई , 19 दिसंबर (एजेंसियां)।**

डेवोन कॉनवे (नाबाद 178) और टॉम लैथम (137) की शानदार और धैर्यपूर्ण शतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज पर पूरी तरह दबदबा बना लिया। दोनों ओपनरों ने पूरे दिन विकेट पर टिककर मेहमान गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

बे ऑफ प्लेंटी का मैदान नाम के अनुरूप इस दिन सिर्फ न्यूजीलैंड के लिए ही फलदायी साबित हुआ। वेस्टइंडीज की टीम 30 साल बाद न्यूजीलैंड में टेस्ट जीत का सपना लेकर उतरी थी, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतता गया, वह मुकाबले से दूर होती चली गई। दिन भर चले रिकॉर्ड और आंकड़ों के बीच रोस्टन चेज़ की अगुआई वाली टीम दर्शक मात्र बनकर रह गई। इस मैदान पर खेले गए पिछले पांच टेस्ट मैचों में पहले सत्र में विकेट गिरा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। न्यूजीलैंड के नियमित कप्तान केन विलियमसन को बल्लेबाजी के लिए अब तक का सबसे लंबा इंतजार करना पड़ा। ओपनिंग जोड़ी इतनी सहज नजर आई कि विकेट गिरने का कोई संकेत नहीं मिला। टॉम लैथम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का साहसिक फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। उन्होंने बेहद तकनीकी और पाठ्यपुस्तक जैसी बल्लेबाजी करते हुए अपना 15वां टेस्ट शतक पूरा किया। इस पारी के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ओपनर के रूप में 6000 रन भी पूरे किए। लैथम शाम 6.30 बजे 137 रन बनाकर आउट हुए, जिससे पूरे दिन विकेट न गिरने का सपना बस एक कदम दूर रह गया। दूसरी ओर, डेवोन कॉनवे ने आलोचनाओं को पीछे छोड़ते हुए जबरदस्त वापसी की। हाल के समय में उनकी कई पारियां जल्दी समाप्त हुई थीं, लेकिन घास से भरी पिच पर उन्होंने शानदार संयम दिखाया। शुरुआती कठिन दौर के बाद उन्होंने रन गति बढ़ाई और चार साल पहले लॉर्ड्स में दोहरे शतक के बाद अपनी सबसे लंबी टेस्ट पारी खेली। कॉनवे ने चोट और ऐंठन के बावजूद बल्लेबाजी जारी रखी और नाबाद 178 रन बनाकर दिन का अंत किया। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को पिच से कुछ मदद जरूर मिली, लेकिन वे उसका लगातार फायदा उठाने में नाकाम रहे।

### सिलीगुड़ी मैराथन 25 जनवरी को

**सिलीगुड़ी।** सिलीगुड़ी कॉलेज और सिलीगुड़ी मैराथन कमिटी के संयुक्त प्रयास से 25 जनवरी 2026 को मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी सिलीगुड़ी कॉलेज में गुरुवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में मेयर गौतम देव ने दिया। मैराथन तीन श्रेणियों में होगी, हाफ मैराथन, ड्रीम रन और स्पेशल चाइल्ड रन। हाफ मैराथन (21.1 किमी) में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे, एंट्री फीस 200 रुपये होगी। ड्रीम रन में 12 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे, एंट्री फीस 20 रुपये रखी गई है। स्पेशल चाइल्ड रन सिलीगुड़ी कॉलेज परिसर में ही होगी। इस प्रतियोगिता में कुल 2,50,500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि रखी गई है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को खेल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

# अंडर-19 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, फरहान यूसुफ को सौंपी गई कप्तानी

**लाहौर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला और आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पाकिस्तान अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर फरहान यूसुफ के हाथों में सौंपी गई है।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान और मेजबान जिम्बाब्वे के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला 25 दिसंबर से 6 जनवरी तक खेली जाएगी। यह श्रृंखला नामीबिया और जिम्बाब्वे में 16 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। दोनों टूर्नामेंट 50 ओवर प्रारूप में आयोजित होंगे।

इस समय पाकिस्तान अंडर-19 टीम दुबई में एसीसी अंडर-19 एशिया कप में हिस्सा ले रही है, जहां ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहने के बाद टीम शुक्रवार को सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगी। आठ टीमों वाले इस टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

एशिया कप के लिए चुनी गई टीम में केवल एक बदलाव किया गया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उमर जैब को बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद हुज़ैफा की जगह त्रिकोणीय श्रृंखला और अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अली रज़ा को भी आगामी टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। 2024 संस्करण में शानदार प्रदर्शन करने वाले अली रज़ा ने तब महज 15 वर्ष की उम्र में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 34 रन देकर चार विकेट लिए थे और पाकिस्तान को यादगार जीत के करीब पहुंचा दिया था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ तीन मैचों में नौ विकेट चटकाए थे।

**पाकिस्तान अंडर-19 टीम:**

फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान (उपकप्तान), अब्दुल सुब्हान, अहमद हुसैन, अली हसन बलोच, अली रज़ा, दानियाल अली खान, हमज़ा ज़हूर (विकेटकीपर), हुज़ैफा अहसन, मोमिन क़मर, मोहम्मद सैयम, मोहम्मद शयान (विकेटकीपर), निक़ाब शफीक, समीर मिन्हास और उमर जैब।

**नॉन-ट्रैवलिंग रिज़र्व खिलाड़ी:**

अब्दुल क़ादिर, फरहानुल्लाह, हसन खान, इब्तिसाम अज़हर और मोहम्मद हुज़ैफा।

**त्रिकोणीय श्रृंखला का कार्यक्रम:**

- **25 दिसंबर** – जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
- **27 दिसंबर** – अफगानिस्तान बनाम पाकिस्तान, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
- **29 दिसंबर** – जिम्बाब्वे बनाम पाकिस्तान, प्रिंस एडवर्ड
- **31 दिसंबर** – जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान, सनराइज स्पोर्ट्स क्लब
- **2 जनवरी** – पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान, सनराइज स्पोर्ट्स क्लब
- **4 जनवरी** – जिम्बाब्वे बनाम पाकिस्तान, ओल्ड हरारियंस स्पोर्ट्स क्लब
- **6 जनवरी** – फाइनल, ओल्ड हरारियंस स्पोर्ट्स क्लब।

# शूटिंग लीग ऑफ इंडिया में यूपी प्रोमेथियंस की एंट्री, उद्घाटन सत्र में होगी शिरकत

**नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

**शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश स्थित फ्रेंचाइज़ी यूपी प्रोमेथियंस को अपने उद्घाटन सत्र के लिए शामिल करने की घोषणा की। लीग का पहला सत्र 16 से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।**

यूपी प्रोमेथियंस का स्वागत करते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालीकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हमें शूटिंग लीग ऑफ इंडिया परिवार में यूपी प्रोमेथियंस का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उत्तर प्रदेश में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और शिक्षा व विकास आधारित सोच से प्रेरित इस फ्रेंचाइज़ी का जुड़ना लीग के लिए बेहद मूल्यवान है।'

यूपी प्रोमेथियंस फ्रेंचाइज़ी के मालिक मुकेश शर्मा हैं, जो

एनआरएआई अध्यक्ष ने आगे कहा, 'यूपी प्रोमेथियंस फ्रेंचाइज़ी के मालिक मुकेश शर्मा का बुनियादी ढांचे और शिक्षा के जरिए अवसर सृजन पर जोर, एसएलआई के विज़न—प्रतिभा को निखारने, युवाओं को प्रेरित करने और भारतीय शूटिंग को अगले स्तर पर ले जाने—से पूरी तरह मेल खाता है।' वह नोएडा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्कूल प्रोमेथियस के संस्थापक और चेयरपर्सन भी हैं। प्रोमेथियस स्कूल में कक्षा 5 (9 वर्ष और उससे अधिक आयु) से शूटिंग को एक संरचित खेल के रूप में पढ़ाया जाता है। यहां तकनीकी कौशल, मानसिक मजबूती, सटीकता और हाथ-आंख समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्कूल परिसर में ओलंपिक स्तर की इनडोर शूटिंग रेंज उपलब्ध है, जिसमें 10 मीटर की रेंज में 10 मैनुअल टारगेट और एक एसआईयूएस इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम शामिल है। इसके अलावा, दो इलेक्ट्रॉनिक पिस्टल और एक राइफल भी उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण और संचालन पूरी तरह से आईएसएसएफ नियमों के अनुरूप किया जाता है। छात्रों को प्रमाणित कोच प्रशिक्षण देते हैं, जिन्हें खेलो इंडिया (साई) के टैलेंट आइडेंटिफिकेशन विशेषज्ञों का सहयोग मिलता है। साथ ही, अर्जुन पुरस्कार विजेताओं और ओलंपियन खिलाड़ियों द्वारा नियमित रूप से कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

फ्रेंचाइज़ी के लीग में शामिल होने पर यूपी प्रोमेथियंस के मालिक मुकेश शर्मा ने कहा, 'शूटिंग भारत के सबसे मजबूत ओलंपिक खेलों में से एक है और उत्तर प्रदेश में इस खेल में बड़ी भूमिका निभाने की पूरी क्षमता और प्रतिभा मौजूद है। यूपी प्रोमेथियंस के जरिए हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर बुनियादी ढांचा, कोचिंग और प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों के साथ एक पेशेवर मंच प्रदान करना है। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया इस इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है और इसके उद्घाटन सत्र का हिस्सा बनकर मुझे गर्व हो रहा है।

# अमेरिका में जेनेरिक दवाओं पर विदेशी निर्भरता, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर चिंता

**वाशिंगटन,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है। सीनेटर रिक स्कॉट ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति अमेरिकी परिवारों के लिए स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा है। 2002 में अमेरिका अपनी जरूरत की 83 प्रतिशत दवाएं खुद बनाता था, जो 2024 में घटकर केवल 37 प्रतिशत रह गई हैं। एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है।

**चीन में बनते हैं एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले 90 प्रतिशत एपीआई**

भारत से अमेरिका में लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं आती हैं, लेकिन भारत खुद अपने 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर है। विदेशी फैक्ट्रियों में अक्सर निरीक्षण कम होता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। 2025 के एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें स्थायी विकलांगता और मौत जैसे गंभीर परिणाम शामिल हैं।

सीनेटर स्कॉट ने कहा कि चीन कभी भी दवाओं की आपूर्ति रोक सकता है, जिससे बुजुर्ग, सेना के जवान और आम नागरिक प्रभावित होंगे।

अमेरिकी एफडीए घरेलू फैक्ट्रियों की तुलना में विदेशों में कड़े निरीक्षण नहीं कर पाता और कई बार नियमों के उल्लंघन को छूट भी दे देता है। सीनेटर रिक स्कॉट और सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड ने ड्रग सप्लाई चेन की कमजोरियों को उजागर करने के लिए जांच और सुनवाई शुरू की हैं। उनका उद्देश्य अमेरिकी परिवारों को यह जानने का अधिकार देना है कि उनकी दवाओं में कौन-कौन से इंग्रीडिएंट्स इस्तेमाल हो रहे हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### एक्मे सोलर ने 4,725 करोड़ का वित्तपोषण किया हासिल, वित्तपोषण से कंपनी को नई परियोजनाओं का विस्तार करने में मदद मिलेगी

**नई दिल्ली।** नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए प्रमुख भारतीय वित्तीय संस्थानों से कुल 4,725 करोड़ रुपये का ऋण हासिल किया। इस वित्तपोषण का लक्ष्य परियोजनाओं की पूंजी संरचना को अनुकूलित करना और वित्तपोषण लागत को कम करना है। नई परियोजनाओं के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 2,716 करोड़ रुपये और नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने 800 करोड़ रुपये प्रदान किए। मौजूदा 300 मेगावाट एक्मे सीकर सोलर परियोजना के लिए यस बैंक ने 1,209 करोड़ रुपये का पुनर्वित्तपोषण किया। इससे ऋण लागत में प्रारंभिक 1.70 प्रतिशत और अंततः 1.95 प्रतिशत की कमी संभव हुई। यह यस बैंक द्वारा एक्मे सोलर के लिए पहला दीर्घकालिक पुनर्वित्तपोषण है। इस वित्तपोषण से कंपनी को नई परियोजनाओं का विस्तार करने और पूंजी संरचना मजबूत करने में मदद मिलेगी, साथ ही वित्तीय लागत कम होगी, जो एक्मे सोलर के लिए दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

### रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सोन की कीमत 309 रुपए गिरी और चांदी 872 रुपए टूटी

**नई दिल्ली।** रिकॉर्ड स्तर बनाने के बाद गुरुवार को देश के सराफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 309 रुपए गिरकर 1,34,585 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। चांदी की कीमत भी 872 रुपए टूटी है, ये 2,06,563 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें पहली बार दो लाख रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को लांघ गईं। चांदी 7,300 रुपए बढ़कर 2,05,800 रुपए प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछला बंद भाव 1,98,500 रुपए प्रति किलोग्राम था। बाजार के जानकारों ने कहा कि चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही और घरेलू बाजारों में कीमतें रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसकी वजह यह है कि चांदी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक नए शिखर पर पहुंच गई हैं। इस साल अब तक चांदी की कीमतों में 1,15,300 रुपए यानी 127.40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कीमत एक जनवरी, 2025 को 90,500 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज की गई थी। सर्राफा संघ के मुताबिक, स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें भी 600 रुपए बढ़कर 1,36,500 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गईं, जबकि पिछला बंद भाव 1,35,900 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

### पेटीएम को आरबीआई से ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर का लाइसेंस मिला

**नई दिल्ली।** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से ऑफलाइन भुगतान और सीमा-पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्राप्त हुई है। इससे पहले, 26 नवंबर 2025 को पीपीएलएल को ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर के तौर पर काम करने की मंजूरी दी गई थी। आरबीआई की अनुमति के बाद अब पेटीएम ऑनलाइन, ऑफलाइन और सीमा-पार सभी प्रकार के भुगतान लेनदेन संभाल सकता है। यह अनुमति भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत दी गई है। इस नए लाइसेंस से पेटीएम को अपने डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को आसान और तेज़ बनाने में मदद मिलेगी।

# निसान मोटर की 7 सीटर एमपीवी ग्रेवाइट जनवरी में होगी लॉन्च, मार्च से शो रूम में मिलेगी

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** निशान मोटर इंडिया ने अपनी नई कॉम्पैक्ट बी-एमपीवी ग्रेवाइट से पर्दा उठा दिया है। यह गाड़ी भारत में 2026 की शुरुआत में लॉन्च की जाएगी, जो मार्च 2026 से शो रूम में उपलब्ध होगी। हालांकि, कंपनी ने इसकी कीमत का खुलासा अभी नहीं किया है। यह भारत के लिए ब्रांड की रीफ्रेश्ड एवं स्ट्रेटजिक लाइन-अप के तहत लॉन्च किया गया पहला मॉडल होगा। इससे निसान के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार को गति मिलेगी। निसान मोटर इंडिया ने गुरुवार को कहा कि अपनी महत्वाकांक्षी प्रोडक्ट ऑफेंसिव के तहत दूसरे मॉडल के रूप में जुलाई, 2024 में ग्रेवाइट की घोषणा की गई थी। ये कंपनी के विकास की गति को दिखाने वाला मॉडल है। कंपनी के प्रोडक्ट रोडमैप में 2026 की शुरुआत में ग्रेवाइट की लॉन्चिंग, 2026 के मध्य में टेक्टॉन और 2027 की शुरुआत में7-सीटर सी-एसयूवी की लॉन्चिंग शामिल है। इससे भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी ऑफरिंग को विविध, मजबूत और रीवाइटलाइज करने की निसान की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। कंपनी ने बताया कि केबिन में शानदार खुलेपन और खास क्लास-लीडिंग स्टोरेज इनोवेशन के साथ ग्रेवाइट परिवारों के सफर को खास बनाएगी। इसके हर पहलू को खास तौर पर विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें पैसेंजर एवं कार्गो की अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से एडाप्ट करने वाली अल्ट्रा मॉड्यूलर सीटिंग है। इससे स्मार्ट तरीके से स्पेस यूटिलाइजेशन होता है, जो रोजाना के सफर के साथ-साथ फैमिली रोड ट्रिप के लिए भी सुगम है। 2026 की शुरुआत में ग्रांड डेब्यू के लिए तैयार ऑल न्यू ग्रेवाइट को चेन्नई स्थित प्लांट में मैन्युफैक्चर किया जाएगा। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल न्यू ग्रेवाइट बदलते भारतीय बाजार पर निसान मोटर इंडिया के नए सिरे से फोकस करने का सबूत है। यह मॉडल देश के ताने-बाने में गहराई से जुड़ा हुआ है और इसे हमारे ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों के लिए एकदम सही साथी बनने के लिए डिजाइन किया गया है। हमारे नए प्रोडक्ट लाइन-अप में दूसरे मॉडल के तौर पर ग्रेवाइट बदलाव के हमारे सफर में अहम कदम है और भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों के मुताबिक व्हीकल्स देने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

## इंडिगो ने रोजाना शुरू कीं 2,200 फ्लाइट्स, खुद को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया

**नई दिल्ली।** विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन अपने फ्लाइट नेटवर्क को फिर से शुरू कर दिया है, अब रोजाना लगभग 2,200 उड़ानों का परिचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। इंडिगो सीईओ का यह बयान एक संसदीय समिति द्वारा एयरलाइन की कड़ी आलोचना के कुछ घंटे बाद आया है, जिसने दिसंबर की शुरुआत में ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण भारतीय एविएशन को लगभग ठप कर दिया था। पीटर एल्बर्स ने इंडिगो कर्मचारियों को एक वीडियो मैसेज में कहा कि एयरलाइन की टीमों ने मुश्किल समय में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और एक-दूसरे का साथ देते हुए बड़े नेटवर्क को धीरे-धीरे वापस पटरी पर लाया। उन्होंने बताया कि विमानन कंपनी के निदेशक मंडल ने मूल-कारण का विश्लेषण करने के लिए एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ को भी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा, ''9 दिसंबर को मैंने इंडिगो के परिचालन में स्थिरता आने की जानकारी साझा की थी। उसके बाद, हमने अपने नेटवर्क को 2,200 उड़ानों के साथ बहाल किया है। अब हम तीन चीजों, विमानन कंपनी को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण करने और फिर से वापसी करने ध्यान दे रहे हैं।'' पीटर एल्बर्स ने कहा कि हाल की दिक्कतों का सबसे बुरा दौर अब पूरी तरह से पीछे छूट गया है। एल्बर्स ने कहा कि वह नेतृत्व दल के साथ कई स्थानों की यात्रा करेंगे, ताकि कर्मचारियों से मिल सकें और व्यवधानों के दौरान उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन्हें समझ सकें। ये वे कर्मचारी हैं जिन्होंने व्यापक व्यवधान के दौरान जमीनी स्तर पर काम किया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलट के 'ड्यूटी' के समय एवं आराम संबंधी नए नियमों को लागू करने में विफलता और कर्मचारियों की कमी के कारण इंडिगो ने एक से नौ दिसंबर के बीच हजारों उड़ानें रद्द कर थी। ये नियम एक नवंबर से लागू किए गए थे। डीजीसीए की एक समिति भी इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधानों की जांच कर रही है।

# ट्रंप ने सैन्य कर्मियों को 1,776 डॉलर का वॉरियर डिविडेंड देने की घोषणा की

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।**

**अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 14.5 लाख से अधिक सैन्य सेवा सदस्यों के लिए एकमुश्त 1,776 डॉलर का भुगतान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि अमेरिका की स्थापना के वर्ष 1776 के सम्मान में दी जा रही है। ट्रंप ने कहा कि यह भुगतान क्रिसमस से पहले किया जाएगा और इसे 'वॉरियर डिविडेंड' का नाम दिया गया है। अपने संबोधन में ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाली सरकार पर कड़ा हमला किया।**

**भुगतान क्रिसमस से पहले किया जाएगा**

उन्होंने कहा कि उन्हें एक गड़बड़ देश विरासत में मिला था, जिसे उन्होंने सुधारा। ट्रंप ने खुली सीमाओं, बढ़ते अपराध, महिलाओं के खेलों में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों की भागीदारी, कमजोर व्यापार समझौतों और भ्रष्ट संघीय प्रशासन का जिक्र करते हुए बाइडन प्रशासन की विफलताओं को उजागर किया। ट्रंप ने अपनी सरकार के 'लिबरेशन डे' टैरिफ को सरकारी राजस्व बढ़ाने का श्रेय दिया।

उन्होंने कहा कि टैरिफ से हुई अतिरिक्त कमाई की वजह से ही यह विशेष भुगतान संभव हुआ। ट्रंप ने इसे सेना का हक बताया और कहा कि 'हमारी सेना इससे ज्यादा हकदार कोई नहीं है। इमिग्रेशन नीति पर ट्रंप ने कहा कि पिछले सात महीनों में अमेरिका में किसी अवैध प्रवासी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताया और दावा किया कि उन्होंने अमेरिका की सीमा व्यवस्था को इतिहास की सबसे मजबूत सीमा में बदल दिया।

## भारत अमेरिका के डब्ल्यूटीओ प्रस्ताव का विरोध करने को तैयार

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सदस्य देशों के सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) दायित्व को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। एमएफएन का उद्देश्य सभी देशों के लिए समान और गैर-भेदभावपूर्ण टैरिफ सुनिश्चित करना है। अमेरिका का तर्क है कि यह सिद्धांत वर्तमान वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करता और देशों को लाभकारी द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने से रोकता है। भारतीय अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि भारत इस प्रस्ताव का विरोध करेगा। उनका कहना है कि यह कदम डब्ल्यूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों मराकेश समझौते के निर्णय प्रक्रिया, सदस्य संचालित संगठन और विशेष/विभेदक उपचार के खिलाफ है। अधिकारी ने यह भी जोड़ा कि अमेरिका का असली उद्देश्य विभिन्न देशों पर लगाए गए पारस्परिक शुल्क को बहुपक्षीय बनाना है।

# नई देसी कैब सेवा जनवरी से दिल्ली में होगी शुरू

**30 रुपए में 4 किमी सफर, ओला-उबर की बढ़ी टेंशन!**

**नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।** नई देसी कैब सेवा भारत टैक्सी जल्द ही दिल्ली में शुरू होने जा रही है। फिलहाल इसका ट्रायल दिल्ली और गुजरात के सौराष्ट्र इलाके में चल रहा है। यह सेवा जनवरी में औपचारिक रूप से लॉन्च की जाएगी। भारत टैक्सी का संचालन सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड कर रही है। यह पूरी तरह ड्राइवर-स्वामित्व वाला मॉडल है, यानी ड्राइवर ही कंपनी के मालिक हैं। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी ड्राइवर-मालिकाना टैक्सी सेवा है। अब तक 1 लाख से अधिक ड्राइवर प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं, जिनमें कार, ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सी चालक शामिल हैं। शुरुआत में ड्राइवर को 100 फीसदी किराया मिलेगा। भविष्य में 20 फीसदी शुल्क लागू हो सकता है, लेकिन यह राशि ड्राइवरों को इंसेंटिव के रूप में वापस दी जाएगी। इस मॉडल का उद्देश्य ड्राइवरों को अधिक लाभ और पारदर्शिता देना है।

**भारत टैक्सी का किराया अन्य कैब सेवाओं से सस्ता रखा गया है:**

- *0-4 किमी: 30 रुपये
- *4-12 किमी: प्रति किमी 23 रुपये
- *12+ किमी: प्रति किमी 18 रुपये

सवारी के विकल्पों में एसी, बिना एसी, बड़ी गाड़ी और प्रीमियम टैक्सी शामिल हैं। बुकिंग के दो मिनट में टैक्सी उपलब्ध होगी। भारत टैक्सी ऐप एंड्रायड और आईओएस दोनों पर उपलब्ध है और अब तक 75,000 से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। ऐप में रियल-टाइम गाड़ी ट्रैकिंग, 24 घंटे ग्राहक सहायता, कई भाषाओं में सपोर्ट और सुरक्षा जांच जैसी सुविधाएँ हैं। कंपनी ओला और उबर जैसी सेवाओं को चुनौती दे रही है। ड्राइवर एक साथ तीनों प्लेटफॉर्म पर काम कर सकते हैं। एयरपोर्ट और अन्य प्रमुख स्थानों पर अलग स्टैंड की योजना है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### वीबी-जी...

आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया गया है। यह गरीबों की जिंदगी बदलेगा और आदर्श ग्राम की स्थापना करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उनकी पहुंच में होगी। उन्होंने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं। बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं। पूरा देश हमारे लिए एक है। हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है। कांग्रेस ने मनरेगा को पूरी तरह से भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि असल मायने में मनरेगा के फंड का दुरुपयोग किया गया है। दूसरी तरफ हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से किसानों और गरीबों का कल्याण होगा।

उन्होंने कहा कि नरेगा को महात्मा गांधी के नाम के साथ शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों से पहले वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने अपने कार्यकाल में इस पर सिर्फ 2.13 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जबकि मोदी सरकार ने 2014 से इस पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने कहा कि पहले इसमें भ्रष्टाचार था लेकिन मोदी सरकार ने इसे भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अपनी मर्जी से योजनाओं के नाम बदल देती है। इस आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों के नाम पर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों की सूची गिना दी और तर्क दिया कि कांग्रेस का राजनीतिक फायदे के लिए नाम जोड़ने का लंबा इतिहास रहा है।

उन्होंने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के आदर्शों को धोखा देने का भी आरोप लगाया और कहा कि पार्टी ने भारत के बंटवारे को स्वीकार किया और आजादी के बाद कांग्रेस को भंग करने की गांधी की बात को नजरअंदाज किया। कांग्रेस ने खुद गांधीवादी सिद्धांतों को खत्म कर दिया।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक के नाम में ही इस योजना का काम लिखा हुआ है। इस योजना में रोजगार की गारंटी दे रहे हैं, आजीविका को समृद्ध कर रहे हैं। इससे वैभवशाली, गौरवशाली भारत का निर्माण हो रहा है।विकसित भारत के लिए विकसित गांव का निर्माण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह पर नया विधेयक इसलिए लिए लाया गया ताकि राज्यों के बीच फंड का जो बंटवारा असमान्य था उसे ठीक किया जाये। मनरेगा को भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया गया था इसे दुरुस्त करना आवश्यक था। मनरेगा का सही उपयोग हो और पैसे का सही उपयोग हो ,इसलिए इन कमियों को दूर करने का विचार किया गया। व्यापक विचार विमर्श के बाद मनरेगा में संशोधन लाया गया।

केंद्रीय मंत्री के जवाब के दौरान विपक्ष सदन के बीचोंबीच विधेयक के विरोध में नारेबाजी करते रहे। हंगामे के बीच ही शिवराज सिंह ने अपना जवाब दिया। इस दौरान कुछ सदस्यों ने कागज फाड़कर आसन के पास उड़ाये।

इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आपको देश की जनता ने यहां कागज फेंकने के लिए नहीं भेजा है। यह संसदीय परंपराओं के अनुरूप भी नहीं है। अध्यक्ष के आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं रूका, तब सदन की कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# कोटी विमेन्स कालेज मामले में शिक्षा मंत्री को राजा सिंह का पत्र

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री व राज्य के शिक्षा मंत्री रेवंत रेड्डी को कोटी स्थित विमेन्स कालेज में छात्राओं के साथ कथित छेडछाड की शिकायतों का संज्ञान लेकर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की माँग की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि वीरानारी चकली इलम्मा महिला विश्वविद्यालय, कोटी, हैदराबाद (पूर्ववर्ती यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर विमेन) एक 100 साल पुराना प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसने हजारों महिलाओं का जीवन बदला है। इस विश्वविद्यालय की कई छात्राएं सरकारी कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी बनी हैं। इस विश्वविद्यालय की गरिमा और अच्छे नाम की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

हाल ही में, विश्वविद्यालय के मेस इंचार्ज विनोद के खिलाफ महिला छात्राओं को छेड़ने और परेशान करने के संबंध में गंभीर शिकायतें आई हैं। इन शिकायतों की रिपोर्ट मीडिया में भी आई थी और छात्रों के साथ हमारी बातचीत के दौरान भी इनकी पुष्टि हुई। छात्रों ने साफ तौर पर कहा कि उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और वे कैंपस में सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं।

छात्राओं ने हमें यह भी बताया कि विश्वविद्यालय में सुरक्षा संबंधी समस्याएँ हैं। कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे गायब हैं, जिससे छात्राओं की सुरक्षा प्रभावित होती है। विश्वविद्यालय परिसर को कामकाजी दिनों में शूटिंग के लिए दिया जा रहा है, जहाँ आधिकारिक तौर पर केवल थोड़ी सी रकम दिखाई जाती है, जबकि कथित तौर पर पिछले दरवाजे से अवैध पैसा लिया जाता है।

आउटसोर्सिंग स्टाफ को बिना किसी नोटिफिकेशन के नियुक्त किया जा रहा है, जिसमें रिश्तेदारों और दोस्तों को फायदा पहुँचाया जा रहा है। आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों को ज़्यादा सैलरी दी जा रही है, जबकि 30 साल से ज़्यादा समय से काम करने वाले कर्मचारियों को कम सैलरी दी जा रही है। ये सभी मुद्दे इस महिला विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा रहे हैं और छात्राओं को जोखिम में डाल रहे हैं।

विधायक राजा सिंह ने शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि कृपया एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश या एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति बनाकर उचित जाँच का आदेश दें। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए । उन्होंने छात्राओं की सुरक्षा और इस ऐतिहासिक संस्थान की गरिमा की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

# अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा द्वारा सिकंदराबाद क्लब में भव्य गाला नाइट का आयोजन

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा की ओर से सिकंदराबाद क्लब में शाखा अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में एक भव्य गाला नाइट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया।कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सचिव विकास किशन, संयुक्त सचिव डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता तथा दिनेश अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया और शाखा के प्रयासों की सराहना की।इसके अलावा ईस्ट ज़ोन कोऑर्डिनेटर महेंद्र अग्रवाल, मलकपेट शाखा अध्यक्ष पंकज संघी, दोमलगुडा शाखा अध्यक्ष दिलीप पंसारी तथा मानसरोवर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य रोहित जैन की गरिमामय उपस्थिति भी रही।इस अवसर पर सिकंदराबाद शाखा के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, सचिव अरुण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सुनील चोखानी एवं वरिष्ठ सलाहकार अशोक चोखानी भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का माहौल सौहार्दपूर्ण, आपसी मेल-मिलाप और उत्साह से भरपूर रहा। सभी अतिथियों ने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और अग्रवंशी समाज की एकता तथा संगठनात्मक मजबूती के लिए ऐसे आयोजनों को अत्यंत उपयोगी बताया।

# राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की पहल सराहनीय और अभिनंदनीय : जयप्रकाश सारडा

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में हिंदू अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी जयप्रकाश सारडा ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा की जा रही यह सेवा पहल अत्यंत सराहनीय और अभिनंदन के योग्य है।

जयप्रकाश सारडा ने कहा कि आज के समय में अधिकांश लोग केवल अपने और अपने परिवार के लिए सोचते हैं, लेकिन राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने समाज के उन लोगों की चिंता की है, जिनके जीवन में दो वक्त का भोजन भी सुनिश्चित नहीं होता। कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए, इसी भावना के साथ ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जो वास्तव में मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सहयोग, संवेदना और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया। जयप्रकाश सारडा ने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों को इस पुण्य कार्य के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखने की कामना की। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारडा,संतोष गुप्ता, नीतिश गुप्ता, रणधीर आदि उपस्थित थे।

# प्रपंच तेलुगु भाषा परिरक्षण पार्टी का प्रजा एकता पार्टी में विलय

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलुगु भाषा के संरक्षण और राजनीतिक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रपंच तेलुगु भाषा परिरक्षण पार्टी के अध्यक्ष कोटिपल्ली सुब्बाराव ने अपनी पार्टी का प्रजा एकता पार्टी में विलय कर दिया है। श्री सुब्बाराव आधिकारिक रूप से प्रजा एकता पार्टी में शामिल हो गए हैं।

श्री कोटिपल्ली सुब्बाराव एक उच्च शिक्षित और अनुभवी व्यक्तित्व हैं। वे ज्योतिष, तेलुगु और इतिहास और सीएआईआईबी की डिग्रियां धारक हैं। पेशे से अधिवक्ता होने के साथ-साथ वे नाबार्ड के सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक भी रहे हैं। इसके अलावा, वे वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के विशेषज्ञ के रूप में भी जाने जाते हैं।

उनका सामाजिक और सांगठनिक अनुभव भी काफी गहरा रहा है। पूर्व में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर व्यवस्था प्रमुख और यूसुफगुड़ा कृष्ण नगर शाखा के मुख्य शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।विलय के इस अवसर पर श्री सुब्बाराव ने सरकारों से एक महत्वपूर्ण मांग की। उन्होंने मांग की कि तेलुगु राज्यों में तेलुगु भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए।

केंद्रीय सचिवालय से लेकर स्थानीय प्रशासन तक, इसे पालना भाषा (प्रशासनिक भाषा) के रूप में अनिवार्य किया जाए।

प्रजा एकता पार्टी में शामिल होते हुए श्री कोटिपल्ली सुब्बाराव ने पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास के नेतृत्व के प्रति अपनी पूर्ण निष्ठा और विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बोनाला श्रीनिवास के कुशल नेतृत्व में पार्टी जनहित के मुद्दों और भाषाई गौरव की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करेगी।

# प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट एसबी काबरा सम्मानित

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, लाव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से सुप्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं समाजसेवी एस.बी. बाबरा को सम्मानित किया गया।प्रेस विज्ञप्ति में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की सहमंत्री तोरल जागीरदार ने बताया कि ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के वर्ष 2025-26 के चुनाव में भारी बहुमत से विजय प्राप्त कर सहमंत्री पद पर निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में एस.बी.काबरा का यह सम्मान किया गया।

यह सम्मान समारोह सुल्तान बाजार में आयोजित किया गया, जहां लक फॉर वॉ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल एवं प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार ने उन्हें शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जसमत पटेल ने कहा कि एस.बी. काबरा अत्यंत सरल व्यक्तित्व के धनी हैं और व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सामाजिक कार्यों के लिए सदैव समय निकालते हैं। वे तन-मन-धन से समाजसेवा में योगदान देते हैं। मुवेश चौहान सहित अन्य वक्ताओं ने भी काबरा जी की सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रिद्धीश जागीरदार ने वाबरा जी का परिचय देते हुए बताया कि हाल ही में उन्हें हैदराबाद चिल्ड्रन्स एड सोसायटी (राधाकृष्ण होमलैंड नगर) का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है तथा लायंस क्लब इंटरनेशनल मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट-320 द्वारा बेस्ट क्लब ट्रेज़रर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।उल्लेखनीय है कि एस.बी.काबरा अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे सेबी के नामित सदस्य, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के सहमंत्री, हैदराबाद स्टॉक एक्सचेंज की डिसिप्लिनरी कमेटी के सदस्य, ए.पी. टैक्स बार एसोसिएशन की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य, एस.बी.एस. चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी सहित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं।समारोह में जैन संस्कार कटिवा के ट्रस्टी मुवेश चौहान, श्री कच्छी गुर्जर जैन परिवार के चेयरमैन प्रदीप संघकी, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता, कंज़्यूमर फोरम हैदराबाद के चंद्रशेखर, रुद्राभिषेक सेवा मंडल के अध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा, भट्ट फाउंडेशन के चेयरमैन भरत भट्ट तथा नक्षत्रा एलाइट के निशित शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना रानी सती दादी महिला शाखा द्वारा सुंदरकांड एवं अनकूट प्रसाद का आयोजन

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज तेलंगाना रानी सती दादी महिला शाखा, घासी बाजार की एक साधारण सभा अध्यक्ष रिंकू गर्ग के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति से सुंदरकांड पाठ एवं अनकूट प्रसाद के आयोजन का निर्णय लिया गया।

निर्णय के अनुसार 21 तारीख, रविवार को घासी बाजार स्थित रानी सती मंदिर में दोपहर 2:15 बजे से सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया जाएगा। यह पाठ विपिन महाराज जी द्वारा किया जाएगा। सुंदरकांड पाठ के पश्चात अनकूट प्रसाद का भी आयोजन रखा गया है।महिला शाखा की ओर से समाज के सभी सदस्यों को परिवार सहित इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित होने का सादर निमंत्रण दिया गया है।

इस अवसर पर अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य कविता गोयल, सीमा अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, रजनी अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

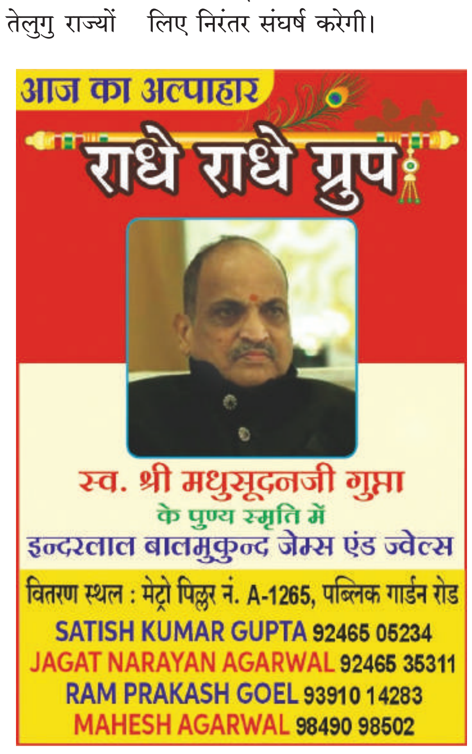

शुभ लाभ DAILY

# राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़ना हमारा सौभाग्य और पुण्य कर्म : सोहनलाल दायमा

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद में सोहनलाल दायमा द्वारा अब तक किए गए सेवा कार्य वास्तव में समाज के लिए प्रेरण-स्रोत और अनुकरणीय हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हम ऐसे सेवा-समर्पित संगठन से जुड़े हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़ना हमारे पूर्व जन्मों के पुण्य कर्मों का परिणाम है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद नियमित अन्नदान कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हाल ही में आदरणीय सुरेश जी सिंगल के साथ नामपल्ली पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित सेवा कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की निस्वार्थ सेवा भावना को निकट से देखने का सौभाग्य मिला। सभी सदस्य पूर्ण समर्पण और सेवा संस्कार के साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने में जुटे हुए हैं।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों की यह सेवा भावना मन को आत्मिक शांति और संतोष प्रदान करती है। ऐसे संगठन से जुड़कर समाज सेवा करना अपने आप में गर्व की अनुभूति है। हम सभी स्वयं को धन्य मानते हैं कि हमें राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस अवसर पर महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, ई जगध चंपापेट, प्रतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, गोपाल गोयल, इंदिरा मित्तल, बबीता मित्तल, दीपू मित्तल, विनिता मित्तल, गोविंद मित्तल, राजेश नथानी, अनीता नथानी, भगतराम कुमावत, कमला देवी आदि उपस्थित थे।

# हैदराबाद और अन्य महानगरों में मेसी मेनिया की लहर

## क्रिसमस समारोह में प्रदर्शित हुई फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

ग्लोबल फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को लेकर उत्साह हैदराबाद और भारत के अन्य महानगरों में मेसी मेनिया के हिस्से के रूप में जारी है। इस अवसर पर, सोमवार शाम को आयोजित एक विशेष क्रिसमस समारोह के दौरान प्रसिद्ध बहु-खेल प्रमोटर मोहम्मद शमसुद्दीन द्वारा ब्रिटिश उप उच्चायुक्त महामहिम गैरेथ व्यान ओवेन को औपचारिक रूप से फीफा विश्व कप ट्रॉफी भेंट की गई।यह भव्य सभा हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित ब्रिटिश उप उच्चायुक्त महामहिम गैरेथ व्यान ओवेन के निवास पर आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में खेल, कूटनीति और सामाजिक हलकों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की।यह आयोजन फुटबॉल के प्रति भारत के बढ़ते जुनून को उजागर करता है और अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप जीत की स्थायी वैश्विक विरासत का जश्न मनाता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मेहमानों ने खेल के माध्यम से वैश्विक एकता पर चर्चा की और भारतीय युवाओं में फुटबॉल की लोकप्रियता की सराहना की।इस शानदार शाम में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। खेल और कूटनीति के मेल ने इस आयोजन को न केवल एक उत्सव, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने का एक माध्यम भी बना दिया।

# हिंदी लेखक संघ हैदराबाद और कबीर चिंतन का संयुक्त साहित्यिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 611वीं मासिक गोष्ठी एवं कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में एक भव्य साहित्यिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ङ्गसमाज सुधारक कबीरफ विषय पर डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, कवयित्री ममता मिश्रा और कवयित्री आशा ठाकुर ने संत कबीरदास की सामाजिक, आध्यात्मिक और मानवीय दृष्टि पर प्रकाश डाला।

अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ङ्गमाधुर्यफ ने कबीरदास की त्याग, साधुता और समाज सेवा की महत्ता पर चर्चा की। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में भव्य कवि गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें नगरद्वय के वरिष्ठ और युवा कवियों ने सामाजिक मुद्दों, मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विविध पहलुओं को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया। वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने अध्यक्षीय संबोधन में साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा हिंदी साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया।कार्यक्रम में आरती कुमारी, तश्कील रज़्ज़ाकी, आशा ठाकुर, ममता मिश्रा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, खलिश हैदराबादी, सुनील मिश्रा सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों और उपस्थित साहित्य प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए हुआ।

# हम सबका परिवार है राधे-राधे ग्रुप : शर्मिला अग्रवाल

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हम सबका एक परिवार है। इस परिवार को प्रेम, सेवा और समर्पण के साथ जोड़कर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ सेवा से ही समाज में आपसी सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य जरूरतमंदों के जीवन में आशा और आत्मसम्मान का संचार करते हैं। ऐसे कार्यों से समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है।

श्रीमती अग्रवाल ने ग्रुप के सभी सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी से ही यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से जुड़कर सेवा कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कपूरचंद गुप्ता के 75 वे जन्मदिवस पर उनका सम्मान करते हुए उपाध्यक्ष अशोक बंसल , सुनील शर्मा, रोहित अग्रवाल, मायाराम अग्रवाल, अचल गुप्ता एवं अन्य।

# बजरंग सेना द्वारा महेश बैंक चुनाव में विजयी संस्थापक पैनल का भव्य सम्मान

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** द्रौपदी गार्डन्स में आयोजित एक विशेष समारोह में बजरंग सेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव ने महेश बैंक के पूर्व अध्यक्ष रमेश बंग का सम्मान किया। हाल ही में संपन्न हुए महेश बैंक के चुनावों में संस्थापक पैनल ने शानदार जीत हासिल की है।

समारोह के दौरान रमेश बंग के साथ-साथ महेश बैंक के नवनिर्वाचित निदेशक गोविंद राठी और पैनल के अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों का भी गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कॉर्पोरेटर वाई. कृष्णा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवलाल, प्रभु और समाज के अन्य सम्मानित सदस्यों ने भी शिरकत की और विजयी टीम को बधाई दी।

महेश बैंक चुनाव में संस्थापक पैनल से नवनिर्वाचित निदेशकों अमित लड्डा, गोविन्दनारायण राठी, रुपेश सोनी, दीपक बंग, पवन लोहिया, मनोज लोया, मुकुन्दलाल बाहेती, देवेन्द्र झँवर को सीतारामबाग स्थित द्रौपदी गार्डन में आयोजित समारोह में बधाई देते हुए अरुण डाकोतिया, श्यामसुन्दर बंग, किशोर राठी एवं अन्य ।

ह्यूमैनिटी चैरिटेबल ट्रस्ट ने ऑलिव हॉस्पिटल के सहयोग से जी.एम. गार्डन फंक्शन हॉल में एक रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सामाजिक कार्यक्रम को समाज के विभिन्न वर्गों से अत्यंत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। शिविर में बड़ी संख्या में स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने आगे बढ़कर रक्तदान किया। इस रक्तदान से विशेष रूप से थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों को सहायता मिली, जिन्हें जीवन रक्षक नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। आयोजकों ने रक्तदाताओं की इस मानवीय पहल की सराहना की।

# केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु वीए प्रसाद पहुंचे और भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया।पूजा और आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए गणेशजी से प्रार्थना की। कार्यक्रम शांत, सौहार्दपूर्ण और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, संध्या रानी अग्रवाल, पद्मा किरण, पुष्पा जैन, दीया अग्रवाल, विनोद टिकमानी, विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), विजय कुमार थंबी, पी.सी. जैन, प्रवीण कुमार अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, विजय कुमार, अशोक अग्रवाल (सरायवाला) सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महेश बैंक निदेशक मण्डल चुनाव में संस्थापक पैनल की ऐतिहासिक जीत पर पैनल के संयोजक रमेश कुमार बंग को बधाई देते हुए महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के निवर्तमान अध्यक्ष श्रीकिशन भंसाली एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. वर्षा तापडिया साथ में संतोष बंग ।

# न्याय में देरी लोकतंत्र की नींव पर गहरा आघात : महेश कुमार गौड़

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी श्री महेश कुमार गौड़ ने न्याय की लालसा... जमानत से निरंतर इनकार और असहमति को कैद करना विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की।

सभा को संबोधित करते हुए श्री महेश कुमार गौड़ ने कहा कि न्याय में देरी केवल किसी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की नींव पर एक गहरा आघात है।

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, SANEHA DEVI spouse of Service No.JC 386536W Sub SATPAL, Resident of Vill and Post:Bharawas, Teh and Dist:Rewari, Haryana-123401 have changed my name and DOB from SANEHA DEVI, DOB:20-07-1980 to SNEH, DOB:16-12-1981 vide affidavit dt:17-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

**CHANGE OF NAME**

I, LEKHA RAJESH Spouse of Service No.JC 701762M Sub Rajesh B S, Resident of Krishna Bhawan (House Name), Padinjattinkara (Street) ETC (PO), Kottarakara Taluk, Kollam Dist, Kerala-691531 have changed my name from LEKHA RAJESH to LEKHA R Vide affidavit dt:18-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad and affidavit S.No.AB 822060.

**CHANGE OF NAME**

I, KUMARAPU SATYA VATHI Mother of Service No. 15244627W RHM (AIG) KUMARAPU MOHANA RAO, Residing at Vill:Dalemrajuvalasa, P.O: Dalemrajuvalasa, Teh:Ganguvari Singadam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-535128 have changed my name from KUMARAPU SATYA VATHI to KUMARAPU SATYAVATI vide affidavit dt:18-12-2025 before CVN Ramakrishna,Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No.JC 732757H Sub NAVEEN KUMAR TYAGI of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my father name is to be changed from ONKAR SINGH to ONKAR

**CHANGE OF NAME**

I, KALISETTI NIRMALA is legally Wedded Wife of Service No. 14677309K, Rank: HAV, Name: GORAKALA JEEVANRAO, Residing at Vill: CHINNAMURAHARIPURAM, Post: PEDDAMURAHARIPURAM, Teh: VAJRAPUKOTTURU, Dist: SRIKAKULAM, State: ANDHRA PRADESH, Pin: 532218, I have Changed my name from KALISETTI NIRMALA to GORAKALA NIRMALA, That my date of birth 01-01-1991.

**CHANGE OF NAME**

I, NEERAJ SINGH TOMAR., spouse of JITENDRA SINGH, Resident of GALI No 5, GAYATRI VIHAR COLONY, PINTO PARK, GIRD GAWALIOR, MADHIYA PRADESH, Pin: 474005, have change my Name from NEERAJ SINGH TOMAR to NEERAJ TOMAR, (Record/Service Document) to NEERAJ TOMAR, Vide Affidavit dated 16/12/2025

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, Service No.9112711P, Rank HAV Name N. SUNDARAM PILLAI S/o.V. NELLAIYAPPAN PILLAI, of Unit 12 JAKLI, resident of 12 Jakli, Mehdipatnam Garrission, C/o.56 APO, PIN 911012, Hyd, TS, resident of 13/948/3, Madhava Nagar, Thovalai, Thovalai, Kaniyakumari, Tamil Nadu 629302, do hereby that my wife correct/actual name and Date of Birth was wrongly mentioned as N MURUGAN SATHIYA & D.O.B: 08-09-1989 instead of SATHIYA M and D.O.B. is 03-02-1989. which is recorded in my service records

**CHANGE OF NAME**

I, Service No-15213901F, Rank-L/HAV, Name-Thakor Vinaji Devkaranji R/o Vill & PO-Undhai, TK-Vadnagar,Dist-Mahesana, State-Gujrat, PIN-384335, have changed my Daughter name from PRAVINABEN to PRAVINABEN VINAJI THAKOR add in my service documents before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad vide dated 16 Dec 2025.

**CHANGE OF DOB**

I, Urmila Mohanty wife of JC-283221M Sub Maj (DS) Manu Mohanty R/o village - Madhabandha, PO-Madhabandha, Teh-Chikiti, Dist -Ganjam, Pin-761010,State -Odisha changed my date of birth from 01 Jul 1981 to 26 Aug 1982 vide affidavit dt :17-12-2025 before Judicial Mejistrate Court Hyderabad, Telangana.

**CHANGE OF DOB**

I, Kasturi mother of JC-283221M Sub Maj (DS) Manu Mohanty R/o village - Madhabandha, PO-Madhabandha, Teh-Chikiti, Dist -Ganjam, Pin-761010, State - Odisha changed my date of birth from 01 Jul 1955 to 15 Dec 1952 vide affidavit dt :17-12-2025 before Judicial Mejistrate Court Hyderabad, Telangana.

**CHANGE OF DOB**

I, Sricharan Mohanty father of JC-283221M Sub Maj (DS) Manu Mohanty R/o village - Madhabandha, PO-Madhabandha, Teh-Chikiti, Dist -Ganjam, Pin-761010,State -Odisha changed my date of birth from 01 Jul 1948 to 23 Oct 1948 vide affidavit dt :17-12-2025 before Judicial Mejistrate Court Hyderabad, Telangana.

# मनैर नदी में एक और चेक डैम क्षतिग्रस्त रेत माफिया द्वारा तोड़फोड़ का संदेह

**मंचेरियाल, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**
थानुगुला चेक डैम को हुए नुकसान के तुरंत बाद जयशंकर0भूपालपल्ली जिले में मनैर नदी पर बना एक और चेक डैम क्षतिग्रस्त पाया गया है। यह चेक डैम मंथानी मंडल के अदाविसोमनपल्ली और मल्हार मंडल के पीवी नगर के बीच स्थित है। सुबह के समय तक चेक डैम पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा था, लेकिन दोपहर तक इसके क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई।

स्थानीय निवासियों ने देखा कि चेक डैम टूटने के कारण पानी नीचे की ओर तेजी से बहने लगा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। हालांकि नुकसान का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन स्थानीय लोगों को संदेह है कि रेत माफिया ने अवैध रेत परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए जानबूझकर इस संरचना को नुकसान पहुंचाया है।

सूचना मिलने पर जूनियर इंजीनियर निखिल के नेतृत्व में सिंचाई अधिकारियों की टीम ने मौके का दौरा किया। जांच में पाया गया कि चेक डैम का लगभग 120 मीटर लंबा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है। जेई निखिल ने क्षति की प्रकृति पर संदेह जताते हुए कहा कि वर्तमान में नदी में ऐसी कोई बाढ़ की स्थिति नहीं है जिससे इस स्तर की तबाही संभव हो सके।

मंथानी पुलिस ने घटना स्थल पर अधिकार क्षेत्र की कमी का हवाला देते हुए शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने जयशंकर0भूपालपल्ली जिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

स्थानीय निवासियों और किसानों ने चेक डैम को हुए अचानक नुकसान पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में, जब मनैर नदी में लगभग 12 लाख क्यूसेक बाढ़ का पानी बह रहा था, तब भी यह चेक डैम पूरी तरह सुरक्षित रहा था। इसके विपरीत, अब जब नदी में केवल लगभग 1,000 क्यूसेक पानी बह रहा है, तब इसका क्षतिग्रस्त होना संदेह पैदा करता है।ग्रामीणों का आरोप है कि यह क्षति जानबूझकर की गई है ताकि चेक डैम के ऊपरी हिस्सों से अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा सके। उल्लेखनीय है कि इस चेक डैम का निर्माण पिछली बीआरएस सरकार ने वर्ष 2021 में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से कराया था। भारी बाढ़ के बाद वर्ष 2024 में इसकी सहायक दीवारों का भी निर्माण किया गया था।

# भाजपा सांसद कार्यालय का कांग्रेस द्वारा घेराव करने का प्रयास विफल

**मंचेरियाल, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
करीमनगर कस्बे में हल्का तनाव व्याप्त हो गया जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत भाजपा सांसद के कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया।

यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी को केंद्र सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में परेशान किए जाने के विरोध में आयोजित किया गया था। आंदोलन के तहत स्थानीय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शहर में भाजपा सांसद के कार्यालय की ओर बढ़े।

पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बीच रास्ते में ही रोक दिया और उन्हें आगे बढ़ने से मना कर दिया। इसके चलते पुलिसकर्मियों और सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं के बीच थोड़ी देर तक झड़प हुई। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

इसी बीच चोप्पाडंडी के विधायक और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मेडिपल्ली सत्यम को सांसद के कार्यालय की प्रस्तावित घेराबंदी में भाग लेने से रोकने के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया। जब डीसीसी अध्यक्ष ने गेट फांदकर अपने आवास से बाहर निकलने का प्रयास किया तो पुलिस ने हस्तक्षेप कर इस प्रयास को विफल कर दिया।

इस घटना के बाद करीमनगर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी नारेबाजी जारी रखे हुए हैं, जबकि भाजपा समर्थक इसे विफल आंदोलन बता रहे हैं। जिला प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

# एसपीएम क्वार्टर के पास विशालकाय अजगर पकड़ा, इलाके में मची अफरा-तफरी

**कुमरमभीम, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
कागजनगर ईएसआई के पास एसपीएम क्वार्टर के नजदीक एक विशालकाय अजगर देखे जाने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। रिहायशी इलाके में अजगर को घूमते देख लोगों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी।

सूचना मिलते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी और सूझबूझ से काम लेते हुए बिना किसी दुर्घटना के विशालकाय अजगर को काबू में कर लिया। उनकी तत्परता के चलते किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

अजगर को पकड़ने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत वन अधिकारियों को सूचना दी। वन विभाग के निर्देशानुसार अजगर को कस्बे से दूर सुरक्षित स्थान पर जंगल में छोड़ दिया गया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली और समय पर कार्रवाई करने वाले सुरक्षाकर्मियों की जमकर प्रशंसा की। साथ ही लोगों ने मांग की है कि रिहायशी इलाकों में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए संबंधित अधिकारी उचित और स्थायी कदम उठाएं।

# जगतियाल जिले के पैडिपल्ली गांव में पंचायत चुनाव के बाद बवाल, पुलिस पर पथराव, हवाई फायरिंग

**जगतियाल, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
जगतियाल जिले के वेलगाटूर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पैडिपल्ली गांव में 17-12-2025 को हुए ग्राम पंचायत चुनाव के मतों की गिनती के बाद उस समय तनाव फैल गया, जब चुनाव हारने वाले एक व्यक्ति ने अपने समर्थकों और कुछ गांववासियों के साथ मिलकर पोलिंग स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने पोलिंग स्टाफ की ड्यूटी में बाधा उत्पन्न की और बैलेट बॉक्स को ले जाने से रोक दिया। इसके साथ ही उन्होंने पोलिंग स्टेशन के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पुलिस ने करीब दो घंटे तक उन्हें समझाने और शांतिपूर्ण तरीके से मामला सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन आंदोलनकारी पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं हुए।

हालात बिगड़ने पर प्रदर्शनकारियों ने पोलिंग स्टाफ और चुनाव सामग्री को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों और पुलिस वाहनों पर पथराव किया, जिसमें चार पुलिस अधिकारी घायल हो गए और दो पुलिस

वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण होने पर लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बैलेट बॉक्स और पोलिंग स्टाफ को सुरक्षित रूप से मौके से निकाल लिया गया।

रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और पुलिस अधिकारियों की ओर से दी गई शिकायतों के आधार पर, साथ ही मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (चउउ) के उल्लंघन को लेकर वेलगाटूर पुलिस स्टेशन में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं।

डीएसपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

# ग्राम पंचायत चुनावों के सफल आयोजन पर डिस्ट्रिक्ट एडिशनल कलेक्टर राजा गौड़ का सम्मान

**जगतियाल, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
जगतियाल जिले में तीन चरणों में संपन्न हुए ग्राम पंचायत चुनावों का शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक आयोजन होने के उपलक्ष्य में ऑनरेरी एडिशनल कलेक्टर (लोकल बॉडीज़) राजा गौड़ को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट पंचायत ऑफिसर रघुवरन, ट्रेनी डिस्ट्रिक्ट पंचायत ऑफिसर रेवंत तथा डीआरडीए के एडिशनल प्रोजेक्ट डायरेक्टर मदनमोहन की उपस्थिति में (पीआरटीयूटीएस) जगतियाल जिला शाखा द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया।

पीआरटीयूटीएस जगतियाल जिला ब्रांच के प्रेसिडेंट बोइनी पेली आनंद राव एवं चीफ सेक्रेटरी यल्ला अमरनाथ रेड्डी ने डिस्ट्रिक्ट एडिशनल कलेक्टर राजा गौड़ को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि जिला प्रशासन की सतर्कता, पारदर्शी व्यवस्था और बेहतर समन्वय के कारण ही ग्राम पंचायत चुनाव तीनों चरणों में बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। झठढणढड पदाधिकारियों ने चुनाव ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की भी सराहना की।

सम्मान प्राप्त करने के बाद राजा गौड़ ने झठढणढड जगतियाल जिला शाखा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता जिला प्रशासन, पंचायत राज विभाग और सभी संबंधित कर्मियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

# नवनिर्वाचित सरपंचों व वार्ड सदस्यों का बाल्का सुमन ने किया भव्य सम्मान

**चेन्नूर, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**
चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र के क्यातनपल्ली स्थित अपने आवास पर चेन्नूर के पूर्व विधायक बाल्का सुमन ने तीसरे चरण के ग्राम पंचायत चुनावों में बीआरएस पार्टी के समर्थन से नवनिर्वाचित ग्राम सरपंचों, उप-सरपंचों और वार्ड सदस्यों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।इस अवसर पर बाल्का सुमन ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे सदैव जनता के लिए उपलब्ध रहें और गांवों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर किए गए विकास कार्य ही पार्टी की असली पहचान होते हैं और जनप्रतिनिधियों को इसी दिशा में निरंतर मेहनत करनी चाहिए।उन्होंने पार्टी समर्थित उम्मीदवारों की जीत के लिए अथक प्रयास करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बाल्का सुमन ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों के कारण ही पार्टी को यह सफलता प्राप्त हुई है।आगामी एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनावों को लेकर उन्होंने पार्टी को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाना सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।बाल्का सुमन ने स्पष्ट किया कि राजनीति में जीत और हार एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। चुनाव में पराजित हुए कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों के साथ भी पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि एकजुटता और संगठन की ताकत से आने वाले चुनावों में बीआरएस और अधिक सशक्त होकर उभरेगी।

# ब्रेक फेल होने से आरटीसी बस कपास के खेत में घुसी, 30 यात्री घायल

**आसिफाबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**
कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा उस समय टल गया, जब एक आरटीसी बस के ब्रेक फेल हो जाने से वह अनियंत्रित होकर कपास के खेत में जा घुसी। यह दुर्घटना केरामेरी मंडल के पारंडोली क्षेत्र में घटी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आदिलाबाद की ओर जा रही आरटीसी बस पारंडोली घाट के पास अचानक नियंत्रण खो बैठी। ब्रेक फेल होने के कारण बस सड़क से उतरकर पास के कपास के खेत में जा घुसी, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।इस दुर्घटना में करीब 30 यात्री घायल हो गए। घटना को देख स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद आदिलाबाद स्थित आरआईएम अस्पताल पहुंचाया गया।स्थानीय नागरिकों की त्वरित मदद से घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका, जिससे स्थिति को संभालने में मदद मिली। हादसे की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई है।

# कतर से लौटे प्रवासी ने जगतियाल गांव में सरपंच का पद एक वोट से जीता

**मंचेरियाल, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
विदेश में काफ़ी समय बिताने के बाद घर लौटे एक प्रवासी को बुधवार को संपन्न हुए ग्राम पंचायत चुनावों के अंतिम चरण में उनके गांव के लोगों ने सरपंच के रूप में चुना है। कतर में 16 वर्षों तक काम करने वाले धर्माराजू यादव पंचिता तेलंगाना गल्फ समिति के संस्थापकों में से एक रहे हैं। यह समिति गैस-समृद्ध खाड़ी राष्ट्र कतर में तेलंगाना के प्रवासियों द्वारा गठित पहला संगठन था।धर्माराजू दोहा के सनाया इलाके में तेलंगाना के प्रवासी कामगारों के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा थे। वे भारतीय दूतावास और स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली रोजमर्रा की समस्याओं को हल करने के लिए स्वेच्छा से काम करते थे। उनके सामाजिक योगदान के कारण उन्हें प्रवासी समुदाय में व्यापक सम्मान प्राप्त हुआ।घर लौटने के बाद धर्माराजू ने जगतियाल जिले के बुग्गराम मंडल में स्थित अपने पैतृक गांव सिरिकोंडा में रहने और सेवा करने का विकल्प चुना। राजनीति से दूर रहकर उन्होंने सरपंच का चुनाव लड़ा और धन व बाहुबल से समर्थित प्रभावशाली प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी टक्कर का सामना किया।उन्होंने मात्र एक वोट के मामूली अंतर से चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया। धर्माराजू को 438 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी के. अजीत राव को 437 वोट प्राप्त हुए।

स्थानीय निकाय चुनाव जीतना आसान नहीं होता, जहां कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, फिर भी एक ईमानदार, सरल और स्पष्ट आकर्षक कहानी मतदाताओं पर गहरा प्रभाव डाल सकती है।धर्माराजू की जीत केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि उत्तरी तेलंगाना के जिलों में रहने वाले कई प्रवासी भारतीयों ने भी ग्राम पंचायत चुनावों में जीत हासिल की है। यह रुझान ग्रामीण राजनीति में प्रवासियों की सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी को उजागर करता है।

# पारिवारिक मुकाबले में छोटे भाई ने बड़े भाई को हराया

**कोठागुडम, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
जिले में हुए तीसरे चरण के चुनावों में जुलुरपाडु मंडल की कोथुर ग्राम पंचायत में एक पारिवारिक मुकाबले में छोटे भाई ने बड़े भाई को हरा दिया। कोथुर ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव में उझख समर्थित अक्कुला पेद्दा रामुलु का मुकाबला उनके छोटे भाई अक्कुला नरसिम्हा राव से था, जिन्हें बीआरएस-कांग्रेस- टीडीपी गठबंधन का समर्थन था। नरसिम्हा राव ने अपने बड़े भाई को 26 वोटों के अंतर से हराया। आरबीआर गवर्नर ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मुलाकात की इस बीच, दोनों उम्मीदवारों की मां, अक्कुला नरम्मा, उनके दूसरे बेटे अक्कुला चिन्ना रामुलु और उनके पोते राजेश, जिन्होंने ग्राम पंचायत में वार्ड सदस्य के रूप में चुनाव लड़ा था, चुनाव हार गए। कोथुर ग्राम पंचायत में यह पारिवारिक मुकाबला पूरे मंडल में चर्चा का विषय बन गया। इसी मंडल की नल्लाबंडाबोडु ग्राम पंचायत में हुए चुनाव में, एक निर्दलीय उम्मीदवार, गडिगा सिंधु ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार को एक वोट से हरा दिया। 144 वोटों में से 139 वोट पड़े। कांग्रेस समर्थक बी झांसी रानी को 69 वोट मिले, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार सिंधु को 70 वोट मिले।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**
I, AJEEZUNNISA BEGAM (old Name), W/o. MOIN KHAN MOHAMMAD, R/o. H.No.1-2-166/3, Muslimpura, Town & Mandal:METPALLY, Pincode: 505325, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to AZEEZUNNISA BEGUM. Here after my name is known as AZEEZUNNISA BEGUM.

**CHANGE OF NAME**
I, SHAHNAAZ BEGUM (old Name), W/o.MOHAMMAD MOIZ KHAN, R/o. H.No.1-2-166/3, Muslimpura, Town & Mandal:METPALLY, Pincode: 505325, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to SHAHANAAZ BEGUM. Here after my name is known as SHAHANAAZ BEGUM.

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD,
Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFCOCMCUBL

शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD,
Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002

जय गौमाता
आज शुक्रवार, 19-12-2025 एवं कल शनिवार 20-12-2025 को
अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।

गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।
हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है
9849379735, 9100353375
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

# तेलंगाना के लोग कांग्रेस का समर्थन करना जारी रखेंगे: मुख्यमंत्री रेवंत

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस ने 66 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में जीत हासिल की है।मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महीने तीन चरणों में हुए 12,702 ग्राम पंचायतों के चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 7,527 सीटें जीतीं, जबकि पार्टी के बागी उम्मीदवारों ने 808 गांवों में जीत हासिल की। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, चाहे शहरी हो या ग्रामीण, पिछले दो वर्षों में हुए प्रतिष्ठित चुनावों में जनता ने हमारी सरकार का समर्थन किया है।

उन्होंने आगे बताया कि इससे कांग्रेस द्वारा जीती गई ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 8,335 हो गई है। बीआरएस और भाजपा के गठबंधन में चुनाव लड़ने का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि दोनों पार्टियों ने क्रमशः 3,511 और 710 ग्राम पंचायतें जीती हैं। उन्होंने बताया कि दोनों विपक्षी पार्टियों ने मिलकर 4,221 ग्राम पंचायतें जीती हैं, जो कुल का 33 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से विधानसभा उपचुनावों में मिली दो जीतों का जिक्र करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत चुनावों सहित सभी चुनावों में लोगों ने लगातार पार्टी का समर्थन किया है। उन्होंने कांग्रेस की सफलता का श्रेय अपनी सरकार द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं को दिया।

स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव से संबंधित कानूनी बाधाओं के कारण, तेलंगाना सरकार ने 17 नवंबर को केवल ग्राम पंचायतों के चुनाव कराने का निर्णय लिया, और जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) के सदस्यों सहित अन्य ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव स्थगित कर दिए।

तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने दिन में पहले बताया कि 11, 14 और 17 दिसंबर को हुए चुनावों में कुल मतदान प्रतिशत 85.30 रहा। अधिकारियों ने बताया कि 81.42 लाख से अधिक पुरुष मतदाताओं और 85.12 लाख से अधिक महिला मतदाताओं सहित 1.66 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान करने के पात्र थे।

गैर-दलीय आधार पर आयोजित इन चुनावों में लगभग 12,700 सरपंचों (ग्राम पंचायत अध्यक्षों) और 1.12 लाख वार्ड सदस्यों के लिए मतदान हुआ।

## मुख्यमंत्री रेवंत की केसीआर को चुनौती

मुख्यमंत्री रेवंत ने बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को बीआरएस के 10 साल के शासनकाल के दौरान कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल बंटवारे और उपयोग में तेलंगाना के साथ कथित अन्याय पर सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती दी।

पिछली सरकार के शासनकाल में तेलंगाना को उसका उचित हिस्सा नहीं मिला। मैं विपक्ष के नेता के रूप में केसीआर से पत्र लिखने का आह्वान करता हूं। कृष्णा और गोदावरी के जल को लेकर अन्याय किसने किया, इस पर किसी भी समय विशेष सत्र आयोजित करके चर्चा करने के लिए हम तैयार हैं, उन्होंने कहा।

## मुख्य चुनाव आयुक्त 21 दिसंबर को तेलंगाना के बीएलओ से मुलाकात करेंगे

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 21 दिसंबर को तेलंगाना के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ वार्ता बैठक करेंगे।एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वे 19 दिसंबर को हैदराबाद पहुंचेंगे और अपने दौरे के दौरान गोलकोंडा किला, हुसैन सागर, चारमीनार और सालारजंग संग्रहालय सहित प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण करेंगे।20 दिसंबर को वे तड़के श्रीशैलम स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में महाआरती में भाग लेंगे। 21 दिसंबर को रवींद्र भारती सभागार में बीएलओ के साथ वार्ता बैठक आयोजित की जाएगी।

## लिंगमपल्ली में लगी आग, कोई हताहत नहीं हुआ

**हैदराबाद, 18 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार, 18 दिसंबर को हैदराबाद के लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक निर्माण स्थल पर आग लग गई, जिसका कारण पास में स्थित एक मजदूर के शेड में सिलेंडर का विस्फोट बताया जा रहा है।गचीबौली अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि आग कथित तौर पर उन 15 शेडों में से एक में कुछ मजदूरों के धूम्रपान करने के कारण लगी, जिससे संभवतः सिलेंडर में आग लग गई।

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 19-12-2025 अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था श्री धर्माराम जी जाट (भांवु) की ओर से है।
गुरुवार, 1 जनवरी 2026 सुन्दरकाण्ड पाठ एवं गौपूजन
समय : दोपहर 1 बजे । प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड – दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

श्री कृष्ण गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला)
कल पौष अमावस्या
काला हनुमान मंदिर, अनंतगिरि, एक्सप्रेस हाई-वे ब्रिज - पिल्लर नं. 161, अत्तापुर, हैदराबाद. फोन : 9885441501, 9390013492
अब आप गोग्रास हेतु ऑनलाईन भी अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।
Bank Details : SRI KRISHNA GAUSEVA TRUST | AP Mahesh Co-Op. Urban Bank Ltd. Attapur Branch | A/c No. : 029001200000023 | IFSC : APMC0000029
1 वर्ष तक गौ-माता हेतु आपकी ओर से चारा व चिकित्सा के लिए ₹ 5,100/- दान करें।
You can also Google Pay PhonePe Paytm on 9676160498
घर पर गोपालन नहीं कर सकते तो अपने सामर्थ्यानुसार गौशालाओं में गौमाता के पौष्टिक आहार हेतु गौग्रास राशि समर्पित करें।
नोट : गौशाला में अग्रिम सूचना देने पर गायों के लिए लापसी की व्यवस्था भी की जाती है।
गौ-दर्शन एवं गौ-सेवा महातीर्थ के समान है।
गौ-सेवा से ग्रह एवं स्वास्थ्य दोष की पीड़ा दूर होती है।
सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार !!
शुभकामनाओं सहित नवीन अग्रवाल
LUXXURO MODULAR FURNITURES
Gagan Pahad, Hyderabad. M: 9391043141

।। श्री गणेशाय नम:।।
शुक्रवार, दि. 19 दिसंबर 2025, पौष अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
शुक्रवार, दि. 19 दिसंबर 2025, पौष अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधार कर गौसेवार्थ दान–पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
भँवरलालजी सीरवी, ओमप्रकाशजी कुमावत, रमेशजी प्रजापत, पुष्पाजी सीरवी, आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हाम्बड़, मोहनलालजी भायल, गिरधारीलालजी प्रजापत, पिंटुजी सागर एवं लक्ष्मणजी सुथार द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।
आज की महाप्रसादी लाभार्थी : नारायणलाल (पुत्र गोपारामजी परिहार) मौलाली, प्रकाश (पुत्र देवारामजी राठौड़) कापरा, सुखी बाई (धर्मपत्नी स्व. जोरारामजी पँवार) चिरियाल, सुगणा देवी (धर्मपत्नी स्व. रामलालजी परिहार) मुलुगु, रूपाराम सीरवी (पुत्र देवारामजी सीरवी), अशोक सिंह (पुत्र अमरजी सिंह) साकेट रोड, कापरा
गौशाला के बैंक एकॉउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

गौ माता,गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation
Journey of Spirit
ध्यान फाउण्डेशन गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3500 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टशा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

महेश बैंक निदेशक मण्डल चुनाव में 'संस्थापक पैनल' की ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन ...
हार्दिक अभिनंदन
हमारे साहजी श्री देवेन्द्रजी झंवर को महेश बैंक चुनाव में सर्वाधिक मत प्राप्त कर विजयी होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
नवनिर्वाचित निदेशक मण्डल के नेतृत्व में बैंक का सर्वांगीण विकास हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...
जगदीश-संतोष सारडा
विजय-राधिका सारडा
कुशल-निशिता सारडा
धैर्य, यश्वी, पहल, चार्वी सारडा
पुरुषोत्तमदास-सुलोचना मानधना
आशीष-श्वेता मानधना
आदित्य-नवनीता मानधना
देवांश, कबीर, समर्थ, निष्ठा मानधना
श्रीगोपाल-रीना डोडिया
यश-निहारिका डोडिया
हर्ष, लशिका डोडिया
किशनलाल सत्यनारायण बियाणी
सुरेन्दर-सविता बियाणी | कमल-पुष्पा बियाणी
संजय-राखी बियाणी | रूपेश-पूर्णिमा बियाणी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.